THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

एअर इंडिया की फ्लाइट में बम की धमकी

तिरुवनंतपुरम, 22 अगस्त (एजेंसियां)। एअर इंडिया की मुंबई से तिरुवनंतपुरम जा रही फ्लाइट 657 में बम की धमकी मिली है। विमान तिरुवनंतपुरम पहुंच चुका था। तभी पायलट ने बम की सूचना दी। फ्लाइट में 135 पैसेंजर्स सवार थे। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित की गई है। फ्लाइट को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। जांच जारी है।

एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के बाद सभी यात्री सुरक्षित हैं और उनके सामान की जांच की जा रही है। अथॉरिटी की ओर से यह भी कहा गया है कि फिलहाल चिंता की कोई बात सामने नहीं आई है।

वर्ष-29 अंक : 152 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **भाद्रपद कृ.4 2081 शुक्रवार, 23 अगस्त-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

हमारे संबंध बेहतर हो रहे हैं : पीएम मोदी

> यूक्रेन संघर्ष के दौरान मदद के लिए जताया आभार

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ साझा प्रेस वार्ता को संबोधित किया। वहीं पोलैंड के पीएम के संबोधन पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी कहा, मैं प्रधानमंत्री टस्क के इस सुंदर शहर वारसॉ में उनके शब्दों और गर्मजोशी से भरे स्वागत के लिए उनका बहुत आभारी हूं। भारत-पोलैंड मैत्री को मजबूत करने के लिए आपके अमूल्य प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। मैं आपके योगदान के लिए तहे दिल से आपका धन्यवाद करता हूं। प्रधानमंत्री ने डोनाल्ड टस्क से कहा आप लंबे समय से भारत के अच्छे मित्र रहे हैं। भारत और पोलैंड की मित्रता को मजबूत करने में आपका बहुत बड़ा योगदान है।

यूक्रेन संकट में पोलैंड ने दिखाई उदारता

पीएम ने अपने संबोधन में कहा आज 45 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने पोलैंड का दौरा किया है। मेरे तीसरे कार्यकाल की शुरूआत में ही मुझे ये सौभाग्य मिला है। इस अवसर पर मैं पोलैंड की सरकार और यहां के लोगों का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। 2022 में यूक्रेन संकट के दौरान फंसे हुए भारतीय छात्रों को निकालने के लिए आपने जो उदारता दिखाई, उसे हम भारतवासी कभी नहीं भूल सकते हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा आज का दिन भारत और पोलैंड के संबंधों में विशेष महत्व रखता है। इस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस अवसर पर हमने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। भारत और पोलैंड के संबंध लोकतंत्र और कानून का राज जैसे साझा मूल्यों पर आधारित हैं। भारत और पोलैंड अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी करीबी तालमेल के साथ आगे बढ़ते रहे हैं। हम दोनों सहमत हैं कि वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में रिफॉर्म वर्तमान समय की मांग है। पीएम मोदी ने कहा यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष हम सभी के लिए गहरी चिंता का विषय है।

आज का दिन दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण

वहीं इससे पहले वारसॉ में पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने साझा प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा, आज का दिन हमारे दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है। यह हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है कि हम अपने देशों के बीच रणनीतिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री की मेजबानी कर रहे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि यह यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है। निस्संदेह यह इस बात का प्रमाण है कि हमारे दोनों देशों के बीच संबंध बेहतर होते जा रहे हैं। यह पूरे क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस और एनसी में गठबंधन

फारूक अब्दुल्ला : सीटों का बंटवारा बाद में होगा, राहुल बोले- हमने मोदी का कॉन्फिडेंस तोड़ा

श्रीनगर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे। गुरुवार, 22 अगस्त को राहुल गांधी से मुलाकात के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुखिया फारूक अब्दुल्ला ने ऐलान किया।

उन्होंने कहा, राज्य की सभी 90 सीटों पर दोनों दल एक साथ चुनाव लड़ेंगे। सीटों को आज रात तक फाइनल कर लिया जाएगा। हमें उम्मीद है कि हम फिर से सत्ता में आएंगे। हमारे दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने श्रीनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करना और इसे वापस राज्य का दर्जा दिलाना सबसे जरूरी है। यहां से मेरा खून का रिश्ता है। ऐसे में उम्मीद है कि चुनाव में लोग हमारा साथ जरूर देंगे।

राहुल बोले-हमने पीएम मोदी का कॉन्फिडेंस तोड़ दिया :

राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि लोकसभा चुनाव में हमने पीएम मोदी का कॉन्फिडेंस तोड़ दिया है। अब उनकी छाती 56 इंच की नहीं रही। वे कंधे झुकाकर चलते हैं। जम्मू-कश्मीर चुनाव में गठबंधन तभी होगा जब कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को इज्जत मिलेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अगर हम जम्मू-कश्मीर चुनाव जीतेंगे तो सारा हिंदुस्तान हमारे कब्जे में आएगा। राहुल और खड़गे दो दिन के जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। दोनों नेता 21 अगस्त की शाम श्रीनगर पहुंचे। दूसरे दिन दोनों नेता कार्यकर्ताओं से मिले। हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार हुआ है कि किसी राज्य का दर्जा छीनकर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है। हमारे लिए जरूरी है कि इसे इसका पुराना दर्जा वापस मिले। इसलिए हम सब मिलकर यहां पहले आए हैं। मैं पूरे देश में लोकतंत्र की रक्षा करता हूं। लेकिन मेरा लक्ष्य है कि देश के लोगों के दिल में जो यहां के लोगों के लिए डर है, मैं उसे मिटाना चाहते हैं। जो आप लोग सहते हैं।

'केस में लीपापोती की कोशिश की गई'

>सुप्रीम कोर्ट में पेश रिपोर्ट में सीबीआई का दावा

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हुई हत्या के मामले में स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश कर दी। रिपोर्ट में सीबीआई ने बताया है कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले में अपराध स्थल से छेड़छाड़ की गई। इस पूरे मामले में लीपापोती की कोशिश की गई। सीबीआई ने अंतिम संस्कार के बाद एफआईआर दर्ज किए जाने पर भी सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने बीती 20 अगस्त को स्वतः संज्ञान लेकर आरजी कर कॉलेज की घटना पर सुनवाई की थी। इसी सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सीबीआई और बंगाल सरकार से घटना की जांच पर स्टेटस रिपोर्ट अदालत में जमा करन का निर्देश दिया था।

इन सवालों के जवाब तलाश रही सीबीआई :

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सीबीआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि अस्पताल के सेमिनार हॉल में महिला डॉक्टर का शव मिलने और पुलिस को इसकी जानकारी दिए जाने के बीच में समय का लंबा अंतराल है। ऐसे में सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि अस्पताल प्रशासन, खासकर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष ने पुलिस को घटना के बारे में जानकारी देने में इतनी देरी क्यों की? सीबीआई बीते शुक्रवार से ही करीब हर दिन 12-14 घंटे संदीप घोष से पूछताछ कर रही है।

'चिकित्सकों को कामकाज बहाल करने का निर्देश'

> शीर्ष कोर्ट ने कहा-न्याय व चिकित्सा को रोक नहीं सकते

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हुई हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने बंगाल सरकार और पुलिस से जमकर सवाल किए। कोर्ट ने कहा कि मामले में गंभीर लापरवाही बरती गई है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय कार्यबल को चिकित्सकों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल तैयार करते समय सभी हितधारकों की बात सुनने का निर्देश दिया। कोर्ट ने प्रदर्शनकारी चिकित्सकों से सामान्य कामकाज बहाल का निर्देश दिया और कहा कि न्याय और चिकित्सा को रोका नहीं जा सकता।

इससे पहले सीबीआई और कोलकाता पुलिस ने सीलबंद लिफाफे में अपनी स्थिति रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपी। मामला सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच के पास है। इसमें जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बीती 20 अगस्त को मामले का स्वतः संज्ञान लिया था। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डॉक्टर्स समेत स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों को काम पर लौटने दें और एक बार जब वे ड्यूटी पर लौट आएंगे तो अदालत अधिकारियों को उन पर कार्रवाई न करने के लिए मनाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर डॉक्टर

काम पर नहीं लौटेंगे तो सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचा कैसे काम करेगा। दरअसल, सुनवाई के दौरान एम्स नागपुर के रेजिडेंट डॉक्टर्स ने कहा कि उनके विरोध के कारण अब उन पर हमला किया जा रहा है।

एमपीएससी परीक्षा को स्थगित करने की मांग पर शरद पवार का छात्रों को समर्थन

शिंदे सरकार को दी चेतावनी

मुंबई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राकांपा-एसपी प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में 25 अगस्त को होने वाली एमपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को स्थगित करने की मांग को लेकर पुणे में प्रदर्शन कर रहे उम्मीदवारों का पक्ष लिया। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी भी दी कि अगर उन्होंने अपना रुख स्पष्ट नहीं किया तो वे (शरद पवार) प्रदर्शन में शामिल हो जाएंगे। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) की तैयारी करने वाले कई उम्मीदवारों ने प्रारंभिक परीक्षा की तारीख बदलने की मांग को लेकर मंगलवार रात से ही प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल, एमपीएससी प्रारंभिक परीक्षा की तारीख बैंकिंग परीक्षा से टकरा रही है। राकांपा-एसपी नेता रोहित पवार भी इस आंदोलन में शामिल हो गए और प्रदर्शन कर रहे उम्मीवारों के साथ बैठे हैं। प्रदर्शनकारी यह भी मांग कर रहे हैं कि कृषि विभाग के 258 पदों पर चयन भी एमपीएससी परीक्षा के आधार पर हो। राकांपा-एसपी प्रमुख शरद पवार ने इसे लेकर बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट भी किया। शरद पवार ने कहा, एमपीएससी परीक्षा देने वाले छात्रों के हितों पर विचार करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि सरकार इसे गंभीरता से नहीं ले रही है। कल तक अगर सरकार ने अपना रुख स्पष्ट नहीं किया तो मैं प्रदर्शन वाले स्थान पर जाऊंगा और छात्रों को न्याय दिलाने के लिए प्रदर्शन में हिस्सा लूंगा।

33 साइंटिस्ट्स को मिले राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

✲ बायोकेमिस्ट गोविंदाराजन पद्मनाभन को विज्ञान रत्न ✲ इसरो चंद्रयान टीम को विज्ञान टीम अवॉर्ड

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज 22 अगस्त को 33 लोगों को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार से सम्मानित किया। ये सेरेमनी राष्ट्रपति भवन में हुई। बायोकेमिस्ट गोविंदाराजन पद्मनाभन को साइंस के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए विज्ञान रत्न अवॉर्ड दिया गया। इसके अलावा इसरो की चंद्रयान टीम को विज्ञान टीम अवॉर्ड से नवाजा गया।

18 युवा वैज्ञानिकों को मिले अवॉर्ड

33 अवॉर्ड विजेताओं की लिस्ट में 18 युवा वैज्ञानिकों के लिए 'विज्ञान युवा शांति स्वरूप भटनागर' अवॉर्ड और 13 'विज्ञान श्री' अवॉर्ड शामिल हैं। 'विज्ञान रत्न' विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आजीवन उपलब्धियों और योगदान को मान्यता देने के लिए दिया गया, जबकि 'विज्ञान श्री' विशिष्ट योगदान को मान्यता देने के लिए दिया गया। सरकार ने पद्म पुरुस्कार की तर्ज पर देश में सभी विज्ञान अवॉर्ड को शुरू करते हुए जनवरी में नेशनल साइंस अवॉर्ड की शुरुआत की थी, जहां अवॉर्ड विजेताओं को एक पदक और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। पहले के साइंस अवॉर्ड से अलग, नेशनल साइंस अवॉर्ड में कैश नहीं दिया जाता है। आनंदरामकृष्णन सी, उमेश वार्ष्णेय, भीम सिंह, आदिमूर्ति आदि, सैयद वजीह अहमद नकवी, संजय बिहारी और राहुल मुखर्जी विज्ञान श्री पुरस्कार के लिए चुने गए लोगों में शामिल हैं। साइंस युवा अवॉर्ड के लिए रजिस्टर्ड अवॉर्ड विजेताओं में डॉ. बप्पी पॉल, डॉ. अभिलाष, राधाकृष्णन महालक्ष्मी, पूरबी सैकिया, दिगेंद्रनाथ स्वैन, प्रभु राजगोपाल और प्रशांत कुमार शामिल हैं। बता दें कि पिछले साल सरकार ने सभी मौजूदा विज्ञान पुरस्कारों को खत्म करने के बाद इन नए पुरस्कारों-राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार-की शुरुआत की थी। सभी पुरस्कार विजेताओं को अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए एक पदक और प्रशस्ति पत्र दिया गया।

पद्म भूषण पुरस्कार विजेता पद्मनाभन आईआईएससी बेंगलुरु में डॉक्टरेट प्रोफेसर हैं।

सदन से वॉकआउट करने पर कांग्रेस के 11 विधायक निलंबित, सवाल पूछने की नहीं मिली थी इजाजत

अहमदाबाद, 22 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा स्पीकर ने गुरुवार को विपक्षी पार्टी कांग्रेस के 11 विधायकों को वॉकआउट करने पर एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। तीन दिन के मानसून सत्र के दूसरे दिन विपक्षी पार्टी के विधायकों ने कुछ प्रश्न पूछना चाहते थे, लेकिन स्पीकर शंकर चौधरी ने उनकी मांग खारिज कर दी। इसके बाद कांग्रेस विधायक सदन से वॉकआउट करने लगे। विधायकों के वॉकआउट करने के बाद स्पीकर ने उन सभी को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। इससे पहले कांग्रेस नेता अमित चावड़ा और अन्य ने 'राजकोट अग्निकांड पीड़ितों को न्याय दो', 'ड्रग्स की समस्याओं पर अंकुश लगाओ' और 'भूमि माफिया के खिलाफ कार्रवाई करो', जैसे नारे लिखी तख्तियां दिखाईं। चावड़ा ने बताया कि पार्टी ने मानसून सत्र शुरू होने से पहले विधानसभा सचिवालय को 12 अल्पसूचित सौंपे थे, लेकिन उनमें से एक भी प्रश्न पर चर्चा नहीं की गई।

राहुल गांधी जम्मू में आइसक्रीम खाकर गर्मी कम करने के लिए आए हैं : भाजपा

श्रीनगर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा नेता और जम्मू कश्मीर के पूर्व उप मुख्यमंत्री निर्मल सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी आइसक्रीम खाकर गर्मी कम करने के लिए यहां आए हैं। निर्मल सिंह ने गुरुवार को बताया कि भाजपा जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर अलग-अलग बैठक कर रही है। गुरुवार को चुनाव प्रबंधन की बैठक होनी है, इसमें केंद्रीय नेता जी किशन रेड्डी, तरुण चुघ और राम माधव शामिल होंगे। मेनिफेस्टो कमेटी ने केंद्र को एक ड्राफ्ट भेजा था, जिसमें कुछ सुझाव आए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र को अब फाइनल ड्राफ्ट भेजने की तैयारी की जा रही है।

किसानों की शिकायतें दूर करने के लिए समिति गठित करेगा सुप्रीम कोर्ट

दो सितंबर तक टाली सुनवाई

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह किसानों की शिकायतों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए जल्द ही एक समिति गठित करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुयान की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 2 सितंबर को तय की। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पंजाब और हरियाणा की सरकारों से कहा कि वे समिति को किसानों से संबंधित सभी संभावित मुद्दे बताएं।

पंजाब सरकार ने अदालत को बताया, प्रदर्शनकारी किसानों से की बातचीत :

पंजाब सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के 12 अगस्त के आदेश का पालन करते हुए उन्होंने प्रदर्शनकारी किसानों के साथ बैठक की, जिसमें किसानों ने अवरूद्ध राजमार्ग को आंशिक रूप से खोलने पर सहमति जताई। पीठ ने पंजाब और हरियाणा सरकारों से कहा कि वे प्रदर्शनकारी किसानों से बातचीत करते रहें और उन्हें राजमार्ग से अपने ट्रैक्टर और ट्रॉलियां हटाने के लिए राजी करें। 12 अगस्त को शीर्ष अदालत ने पंजाब सरकार से कहा कि वह 13 फरवरी से शंभू सीमा पर प्रदर्शन कर रहे किसानों को सड़क से ट्रैक्टर और ट्रॉलियां हटाने के लिए राजी करे। अदालत ने कहा था कि राजमार्ग पार्किंग स्थल नहीं हैं।

हरियाणा सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रहा सुप्रीम कोर्ट

अदालत हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उच्च न्यायालय ने अंबाला के पास शंभू सीमा पर लगाए गए बैरिकेड्स को एक सप्ताह के भीतर हटाने के लिए कहा गया था।

शंभू सीमा पर प्रदर्शनकारी किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। हरियाणा सरकार ने फरवरी में अंबाला-नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैरिकेड्स लगाए थे, जब 'संयुक्त किसान मोर्चा' (गैर-राजनीतिक) और 'किसान मजदूर मोर्चा' ने अपनी मांगों के समर्थन में दिल्ली तक मार्च करने का एलान किया था। किसान संगठनों की मांग है कि उनकी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दी जाए।

कोलकाता रेप-मर्डर केस ममता की मोदी को चिट्ठी

रोज 90 रेप केस हो रहे, सख्त कानून बनाएं, आरजी कर हॉस्पिटल के पूर्व प्रिंसिपल का पॉलीग्राफ टेस्ट होगा

कोलकाता, 22 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता रेप-मर्डर केस में अब गुरुवार (22 अगस्त) को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। ममता ने पीएम को लिखा कि देश में रोज दुष्कर्म के 90 मामले सामने आते हैं। इसे रोकने के लिए सख्त कानून बनना चाहिए।

इस बीच, सियालदह कोर्ट ने सीबीआई को आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष का पॉलीग्राफ टेस्ट करने की अनुमति दे दी है। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को एक ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर हो गया था। पुलिस ने मुख्य आरोपी संजय रॉय को अरेस्ट किया है। इसके लेकर देशभर के डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं। ममता ने पीएम को लिखा- महिलाएं सुरक्षित महसूस करें :

पश्चिम बंगाल की सीएम ने मोदी को लिखा- मौजूदा डेटा बताता है कि देश में रोज 90 रेप केस हो रहे हैं। ज्यादातर मामलों में रेप पीड़ित की हत्या हो जाती है। यह ट्रेंड भयावह है। यह समाज और देश के आत्मविश्वास और विवेक को झकझोरता देता है। यह हमारा कर्तव्य है कि महिलाएं सुरक्षित महसूस करें।

इसके लिए जरूरी है कि केंद्र सरकार एक कड़ा कानून बनाए, जिसमें इस तरह के जघन्य अपराध करने वाले को कड़ी सजा का प्रावधान हो। ऐसे मामलों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाना चाहिए। पीड़ित को जल्द न्याय मिल सके, इसके लिए जरूरी है कि ट्रायल 15 दिन में पूरा कर लिया जाना चाहिए।

भूस्खलन और बाढ़ से हाहाकार : 10 लोगों की मौत

✲ अमित शाह ने की सीएम साहा से बात

अगरतला, 22 अगस्त (एजेंसियां)। त्रिपुरा में भारी बारिश के चलते बाढ़ और भूस्खलन से हाहाकार मचा है। इसके चलते राज्य में 10 लोगों की मौत हो गई। जबकि एक युवक लापता हो गया। बाढ़ और भूस्खलन को देखते हुए बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। इसके चलते अब तक 32,750 लोगों के 330 राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। एनडीआरएफ की चार टीमें बचाव अभियान में राज्य की सहायता कर रही हैं। वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा के सीएम से बात करके हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। वहीं राज्य सरकार ने अगले आदेश तक सभी स्कूल बंद करने का एलान किया है।

राज्य सरकार के मुताबिक रविवार से हो रही भारी बारिश के चलते राज्य की सभी बड़ी नदियों में जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया। इससे कई इलाकों में बाढ़ आ गई। करीब 1900 जगहों पर भूस्खलन के चलते सड़क मार्ग बाधित हो गया। जगह-जगह जलभराव और बाढ़ से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने पश्चिम त्रिपुरा और सिपाहीजला जिले में भारी बारिश को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, असम राइफल्स समेत केंद्रीय अर्धसैनिक बल प्रभावित क्षेत्रों में बचाव और राहत अभियान में जुटे हैं। सरकार ने भारी बारिश को देखते हुए लोगों को बाहर न निकलने और सतर्कता बरतने के लिए भी कहा है।

बाढ़ के चलते 32,750 लोगों के 330 राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। बचाव अभियान में लगीं टीमें लगातार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में लगी हुईं हैं। लोगों की मदद की जा रही है। उन्हें हर संभव सहायता मुहैया कराई जा रही है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मानिक साहा ने बताया कि राज्य में आई बाढ़ काफी भीषण है। हम स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। सभी जिला अधिकारियों को प्रभावित लोगों को हर संभव मदद मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से सहायता मांगी थी। उन्होंने एनडीआरएफ की चार अतिरिक्त टीमों को राज्य में बचाव अभियान में सहयोग करने के लिए भेजा है।

फर्जी एनसीसी शिविर में यौन शोषण मामले की जांच करेगी एसआइटी

राष्ट्रीय महिला आयोग ने मांगी रिपोर्ट

चेन्नई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कृष्णागिरि जिले में फर्जी एनसीसी शिविर में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण मामले की जांच के लिए एसआइटी गठित करने का आदेश दिया है। राज्य सरकार ने बताया कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के भवनेश्वरी एसआइटी का नेतृत्व करेंगी। मुख्यमंत्री ने उन्हें मामले की जांच में तेजी लाने और 60 दिनों के भीतर आरोप-पत्र दायर करने का काम सौंपा है। स्टालिन ने ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए उपाय सुझाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की टीम गठित करने का भी निर्देश दिया है। समाज कल्याण विभाग की सचिव जयश्री मुरलीधरन इस टीम का नेतृत्व करेंगी और इसमें अन्य लोगों के अलावा पुलिस और स्कूल शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। तमिलनाडु के कृष्णागिरि जिले के बरगुर में फर्जी एनसीसी शिविर में आठवीं कक्षा की एक छात्रा का यौन उत्पीड़न किया गया था, जिसके बाद इस मामले में अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस बात की जांच की जा रही है कि क्या इसी तरह के और भी फर्जी प्रशिक्षण शिविर संचालित किए जा रहे हैं। एएनआइ के अनुसार, फर्जी एनसीसी शिविर में एक छात्रा से दुष्कर्म और 12 छात्राओं के यौन शोषण मामले का राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने डीजीपी को मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पुलिस और राज्य सरकार से तीन दिन में रिपोर्ट मांगी है।

बदलापुर यौन शोषण केसः हाईकोर्ट बोला

बच्चियों को भी नहीं बख्शा जा रहा, यह कैसी स्थिति स्कूल प्रशासन पर पॉक्सो में केस दर्ज हो

मुंबई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर स्थित एक स्कूल में दो बच्चियों से यौन शोषण मामले पर बॉम्बे हाईकोर्ट में गुरुवार (22 अगस्त) को सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि अब 4 साल की बच्चियों को भी नहीं बख्शा जा रहा। यह कैसी स्थिति है। कोर्ट ने कहा कि अगर स्कूल ही सेफ नहीं है तो शिक्षा के अधिकार और बाकी चीजों की बात करने का क्या मतलब। हाईकोर्ट ने मामले की जानकारी छिपाने के आरोप में स्कूल प्रशासन के खिलाफ पॉक्सो के तहत केस दर्ज करने को कहा है। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस पृथ्वीराज चव्हाण की बेंच ने सरकार से केस डायरी और एफआईआर की कॉपी भी मांगी है। एडवोकेट जनरल बीरेंद्र सराफ ने कोर्ट में सरकार का पक्ष रखा। मंगलवार (27 अगस्त) को मामले की अगली सुनवाई होगी। बदलापुर के आदर्श स्कूल में 12 और 13 अगस्त को 23 साल के सफाई कर्मी अक्षय शिंदे ने किंडरगार्टन में पढ़ने वाली 3 और 4 साल की दो बच्चियों का यौन शोषण किया था। कोर्ट ने बुधवार (21 अगस्त) को मामले पर खुद संज्ञान लिया था।

कोर्ट ने कहा- स्कूल प्रशासन के खिलाफ केस दर्ज क्यों नहीं किया

कोर्ट ने सरकार से पूछा कि क्या बच्चियों ने स्कूल प्रशासन से यौन शोषण की शिकायत की थी। सरकार ने कहा- हां। कोर्ट ने पूछा कि क्या पुलिस ने स्कूल के खिलाफ केस दर्ज किया है। पॉक्सो के तहत, घटना की जानकारी छिपाने पर स्कूल प्रशासन को भी आरोपी बनाने का प्रावधान है। सरकार ने कहा कि एसआईटी का गठन किया गया है। अब केस दर्ज किया जाएगा। कोर्ट ने पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा कि बच्ची के पेरेंट ने जैसे ही एफआईआर दर्ज कराई, आपको स्कूल अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करना चाहिए था।

कोर्ट ने कहा कि हम यह जानकर हैरान हैं कि बदलापुर पुलिस ने दूसरी बच्ची के परिवार का बयान भी दर्ज नहीं किया था। हमने संज्ञान लिया तब पुलिस ने दूसरी बच्ची के पिता के बयान दर्ज किए, वह भी आधी रात के बाद। आप आधी रात के बाद बयान कैसे दर्ज कर सकते हैं? इतनी देरी क्यों? हाईकोर्ट ने कहा कि बच्चियों ने खुद यौन शोषण की जानकारी दी है। इसके बारे में बोलने के लिए बहुत हिम्मत की जरूरत है। कोर्ट ने राज्य सरकार और पुलिस से कहा कि अगर आपने किसी भी तरह मामले को दबाने की कोशिश की, तो हम एक्शन लेने से नहीं हिचकिचाएंगे।

अल क़ायदा से प्रभावित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आतंकी संगठन अल क़ायदा से प्रभावित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने झारखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की पुलिस के साथ मिलकर एक जॉइंट ऑपरेशन चलाकर इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। इस मॉड्यूल को रांची का रहने वाला डॉक्टर इशियाक लीड कर रहा था।

जानकारी के मुताबिक आतंकी मॉड्यूल देश मे कई आतंकी वारदातों को अंजाम देने की फिराक में था। मॉड्यूल के सदस्यों को हथियार चलाने की ट्रेनिंग अलग अलग जगहों पर दी गयी थी। पुलिस ने राजस्थान के भिवाड़ी से 6 संदिग्ध आतंकियों को हथियार चलाने की ट्रेनिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। इसके अलावा, झारखंड और उत्तर प्रदेश से आठ संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

हथियार, गोला-बारूद बरामद

दिल्ली पुलिस ने इस जॉइंट ऑपेरशन में हथियार, गोला-बारूद, साहित्य आदि की बरामदगी की है। अभी छापेमारी भी जारी है। इस ऑपरेशन में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और देश में आतंकी गतिविधियों को रोकने में सफलता प्राप्त की है।

महिला ने पति से मांगा 6 लाख रुपये महीने का मेंटिनेंस

जज बोलीं-इतना खर्च है तो खुद कमाएं

बेंगलूरू, 22 अगस्त (एजेंसियां)। तलाक के मुकदमें के दौरान अच्छे जीवन और बेसिक सुविधाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए देश में पीड़ित महिला को पति की तरफ से गुजाराभत्ता दिया जाने का कानून है। इसके लिए कोर्ट के आदेशानुसार महिला को गुजाराभत्ता दिया जाता है, लेकिन कर्नाटक से इस कानून को लेकर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक महिला ने पति से 6 लाख रुपए के गुजाराभत्ता की मांग की। पत्नी की इस डिमांड के खिलाफ पति ने हाईकोर्ट में वकील के जरिए अपना पक्ष रखा। पत्नी को अपने अलग-अलग तरह के खर्चों की लिस्ट बनाई और कुल 6 लाख रुपए की डिमांड की थी, जिसपर कोर्ट ने भी तीखी टिप्पणी की है। इस मामले की सुनवाई करते हुए महिला जज ने कहा है कि पति को इस तरह की सजा देने का प्रावधान भारतीय कानून में नहीं है। क्या वास्तव में हर महीने 6 लाख रुपए गुजारे भत्ते से खर्च किया जा सकता है? ये तो कोर्ट की प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने का काम किया जा रहा है, अगर ऐसा करना है तो पत्नी खुद से कमाए हुए रुपयों को खर्च करे। कोर्ट की इस सुनवाई का वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहा है, जिसमें महिला जज ने सख्ती से कई सवाल पूछे हैं।

6 लाख खर्च है तो पति पर निर्भर क्यों?

हाईकोर्ट की महिला जज ने कहा कि पत्नी पर जब उनके खुद के खर्च के अलावा किसी तरह की पारिवारिक जिम्मेदारी नहीं है तो हर महीने 6 लाख 16 हजार 3 सौ रुपए का खर्च क्यों कर रही हैं। अगर उन्हें ऐसा ही करना है तो खुद से रुपए कमाएं, पति पर निर्भरता क्यों है? पति के वकील ने कोर्ट में दलील पेश की थी कि गुजारे भत्ते के लिए निर्धारित की गई रकम किसी भी तरीके से पति के लिए सजा के रूप में नहीं दी जानी चाहिए।

6 लाख रुपए को किन-किन खर्चों के लिए इस्तेमाल?

महिला के पक्ष को रखने वाले वकील ने कहा कि उसके पति ने मेरे मुवक्किल को हर महीने 6 लाख रुपये का भुगतान किया था। उन्होंने कहा कि महिला को मेंटेनेंस मिलना चाहिए। महिला ने अपनी लिस्ट में बताया कि उसे अपने घुटने के दर्द के इलाज, फिजियोथेरेपी, दवाओं और अन्य दूसरे खर्चों के लिए हर महीने 4 से 5 लाख रुपये की जरूरत पड़ती है। इन सबके अलावा चूड़ियां, ब्रांडेड कपड़े, चप्पल जैसी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए 50 हजार रुपए हर महीने खर्च होते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान देने के लिए पौष्टिक भोजन के लिए 60 हजार रुपये की जरूरत होती है। महिला ने कुल मिलाकर 6,16,300 रुपए के हर महीने खर्च की लिस्ट तैयार की और कोर्ट में तर्क दिया कि इन सभी खर्चों के लिए उसे मासिक गुजारा भत्ता दिया जाना चाहिए।

डिजिटल हो गया मध्य प्रदेश ऑनलाइन समन-वारंट जारी करने वाला बना पहला राज्य

भोपाल, 22 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार प्रदेश के विकास के लिए लगातार काम कर रही है, उनका यह काम अब रंग लाता भी दिखाई दे रहा है। दरअसल, मध्य प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां डिजिटली तौर पर समन और वारंट जारी किए जाएंगे। राज्य सरकार की तरफ से समन और वारंट के डिजिटल जारी करने की अनुमति दे दी गई है। इस पहल के साथ अब राज्य में न्यायिक प्रक्रियाओं में ईमेल, व्हाट्सएप जैसे मैसेजिंग ऐप और टेक्स्ट मैसेज जैसे इलेक्ट्रॉनिक तरीकों से समन और वारंट जारी होंगे।

कभी मैग्मा का महासागर था चंद्रमा की सतह

चंद्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर के भेजे डाटा से हुआ खुलासा

बेंगलुरु, 22 अगस्त (एजेंसियां)। चंद्रमा कभी मैग्मा के महासागर से ढका हुआ था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चंद्रयान-3 मिशन के आंकड़ों से इस सिद्धांत को बल मिला है। 'नेचर' रिसर्च मैगजीन में प्रकाशित एक विश्लेषण में यह कहा गया है। यह विश्लेषण चंद्रमा पर मिट्टी की माप से संबंधित है, जिसे प्रज्ञान रोवर द्वारा सतह पर 100 मीटर की दूरी तय करते हुए कई बिंदुओं पर रिकॉर्ड किया गया। विक्रम लैंडर द्वारा रोवर को तैनात किया गया था। लैंडर ने 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास 'सॉफ्ट लैंडिंग' की थी। लैंडर और रोवर से युक्त चंद्रयान-3 को इसरो, बेंगलुरु द्वारा लॉन्च किया गया था। स्टडी के लेखकों ने कहा कि नासा के अपोलो और सोवियत संघ के लूना जैसे पिछले मिशन मुख्य रूप से क्रमशः चंद्रमा की भूमध्यरेखीय और मध्य-अक्षांश क्षेत्रों से लिए गए मिट्टी के नमूनों पर निर्भर रहे हैं। स्टडी में अहमदाबाद स्थित भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के लेखक भी शामिल थे। शोधकर्ताओं ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव से प्राप्त प्रज्ञान के आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए पाया कि चंद्रमा की मिट्टी एक ही प्रकार की चट्टान फेरोअन एनोर्थोसाइट (एफएएन) से बनी है। स्टडी के लेखकों ने कहा कि उनके परिणाम भूमध्यरेखीय और मध्य अक्षांश क्षेत्रों से लिए गए नमूनों के विश्लेषण से मिलते-जुलते हैं। उन्होंने कहा कि

इसके अलावा, भौगोलिक रूप से दूर के स्थानों से लिए गए नमूनों की समान संरचना चंद्र मैग्मा महासागर परिकल्पना का समर्थन करती है, जो चंद्रमा के प्रारंभिक विकास के लिए व्यापक रूप से स्वीकृत परिदृश्य है। यह परिकल्पना इस बात की संभावित व्याख्या प्रदान करती है कि चंद्रमा की सतह का ऊपरी, मध्य और भीतरी हिस्सा का निर्माण कैसे हुआ। परिकल्पना के अनुसार, चंद्रमा का निर्माण दो प्रोटोप्लैनेट (ग्रह निर्माण से पहले का चरण) के बीच टकराव के परिणामस्वरूप हुआ था। जबकि बड़ा ग्रह पृथ्वी बन गया, छोटा ग्रह चंद्रमा बन गया। सिद्धांत के अनुसार, इसके परिणामस्वरूप चंद्रमा बहुत गर्म हो गया, जिससे उसका पूरा आवरण पिघलकर 'मैग्मा महासागर' में बदल गया। अध्ययन में कहा गया है कि जब चंद्रमा का निर्माण हो रहा था, तब वह ठंडा हुआ, कम घनत्व वाले एफएएन सतह पर तैरने लगे, जबकि भारी खनिज नीचे डूब गए और 'मेंटल' बन गया, जो कि 'क्रस्ट' (सतह का ऊपरी हिस्सा) के नीचे स्थित है।

देहरादून में सड़कों पर उतरे कांग्रेसी

ईडी के खिलाफ जमकर की नारेबाजी पुलिस से भी धक्का-मुक्की

देहरादून, 22 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड कांग्रेस कार्यकर्ता आज ईडी के खिलाफ देहरादून में सड़कों पर उतरे। कार्यकर्ताओं ने क्रॉस रोड स्थित प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर के बाहर जमकर नारेबाजी की और प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी पुलिसकर्मियों से धक्का मुक्की भी हुई। गुरुवार को सुबह कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में कांग्रेस भवन से रैली निकालते हुए निकले।

प्रदर्शन में हरक सिंह रावत, रंजीत रावत, सूर्यकांत धस्माना, शूरवीर सिंह सजवाण, गणेश गोदियाल, प्रदीप टम्टा, ज्योति रौतेला भी शामिल हुए। पुलिस ने ईडी ऑफिस से पहले ही प्रदर्शनकारियों को बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस दौरान पुलिस के साथ कार्यकर्ताओं की धक्कामुक्की भी हुई। इस बीच कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। गणेश गोदियाल ने कहा कि ये पहली सरकार है जिसने ईडी को एक हथियार बना दिया है। ईडी के अफसरों को भी समझना होगा कि सरकार आती-जाती रहती है। देश मे जो हिटलरशाही है, विपक्ष के नेताओं को दबाने के लिए जो एजेंसी लगाई है, देश की जनता देख रही है।

मुसलमानों के निकाह और तलाक को लेकर बदलने जा रहा कानून

सरकार ने मसौदे को दी मंजूरी

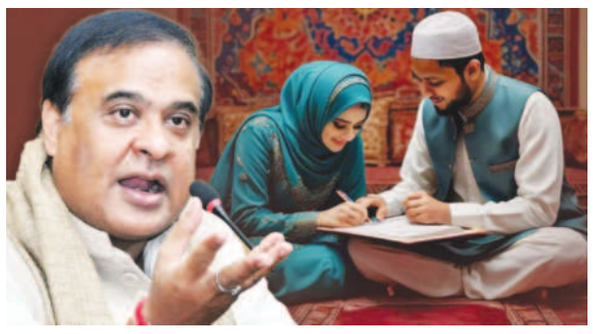

गुवाहाटी, 22 अगस्त (एजेंसियां)। असम सरकार 22 अगस्त से शुरू होने वाले आगामी राज्य विधानसभा सत्र में एक महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है, जो राज्य में मुस्लिम समुदाय के लोगों के बीच विवाह और तलाक का अनिवार्य सरकारी पंजीकरण करेगा। यह निर्णय आज असम अनिवार्य मुस्लिम विवाह तलाक पंजीकरण विधेयक, 2024 को मंजूरी दे दी है। डॉ हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा "इससे पहले, मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण काजी द्वारा किया जाता था। यह नया विधेयक यह सुनिश्चित करेगा कि मुस्लिम विवाह पंजीकरण काजी द्वारा नहीं, बल्कि सरकार द्वारा किया जाएगा। 18 वर्ष से कम आयु के विवाह का पंजीकरण नहीं होगा। पंजीकरण प्राधिकरण असम सरकार का उप रजिस्ट्रार होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह नया विधेयक 22 अगस्त से शुरू होने वाले राज्य विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, "इस नए विधेयक को लाने का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई लड़ना है"।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में गुवाहाटी के लोक सेवा भवन में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान लिया गया। गुवाहाटी के लोक सेवा भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि, राज्य मंत्रिमंडल ने

हिमंत बिस्वा सरमा का बयान भी आया सामने

दूसरी ओर, असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि – "मंदिर या नामघर जैसी किसी विरासत संरचना के आसपास का 5 किलोमीटर का क्षेत्र जो कम से कम 250 साल पुराना हो, उसे संरक्षित क्षेत्र घोषित किया जाएगा। इसका मतलब है कि इस क्षेत्र में जमीन का लेन-देन केवल उन परिवारों के बीच हो सकता है जो वहां 3 पीढ़ियों या उससे अधिक समय से रह रहे हैं। माजुली के मामले में, यह पूरे जिले को कवर करेगा।" इससे पहले बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि उनकी सरकार एक नया कानून लाएगी जिसके तहत राज्य में विश्वविद्यालय खोलने के लिए अनिवार्य सुरक्षा मंजूरी की आवश्यकता होगी।

सजा पूरी होने के बावजूद क्यों नहीं किया रिहा? हाईकोर्ट ने जेल प्रशासन से किया जवाब तलब

खंडवा, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सजा की अवधि पूरी होने के बावजूद भी एक दंडित व्यक्ति को जेल से रिहा नहीं किए जाने को चुनौती देते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इस पर हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा की अध्यक्षता वाली युगलपीठ ने खंडवा जेल अधीक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता अमोल महाजन, खंडवा निवासी, को एक आपराधिक मामले में सजा दी गई थी, जिसकी अवधि आठ अगस्त को समाप्त हो गई थी। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, खंडवा की अदालत ने महाजन को रिहा करने के आदेश दिए थे, लेकिन जेल अधीक्षक ने इन आदेशों का पालन नहीं किया। मजिस्ट्रेट ने इस संबंध में जेल अधीक्षक को एक पत्र भेजा था, जिसमें उनके इस कृत्य को अवमानना बताया गया। इसके बावजूद, जब महाजन को रिहा नहीं किया गया, तो यह याचिका हाईकोर्ट में दायर की गई। याचिका की सुनवाई के दौरान शासन की ओर से प्रस्तुत किया गया कि महाजन को किसी अन्य मामले में सजा हुई है, जिसके कारण वह अभी भी जेल में है। शासन ने इस मामले में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए मोहलत मांगी, जिस पर न्यायालय ने जेल प्रशासन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

उद्धव ठाकरे शिंदे सरकार को घेरा : उठो द्रोपदी शस्त्र उठा लो' अब गोविंद न आएंगे

ठाणे, 22 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में बदलापुर कस्बे के एक स्कूल में दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शिंदे सरकार पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि पहले बहनों को सुरक्षित करो, फिर लाडली बहन योजना लाओ। जब सहनशीलता का अंत होता है, तब जन भावना उमड़ती है। जब स्कूल में बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं तो शिक्षा का क्या मतलब? शिंदे के लिए क्या बदलापुर की घटना मान्य है? शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा, "बीते कई दिनों से सोशल मीडिया पर एक कविता वायरल हो रहा है।

उठो दौपद्री, अब शस्त्र उठा लो।।
अब गोविंद ना आएंगे। ये बच्चे पढ़े इसके लिए उन्हें स्कूल भेजा जा रहा है। लेकिन स्कूल भी बच्चियां सुरक्षित नहीं है।" उद्धव ठाकरे ने कहा, "मुख्यमंत्री रक्षाबंधन के दिन कहां थे? राखी बंधवा कर फोटो डाल रहे थे, लेकिन बहनों की सुरक्षा का क्या? मैं बदलापुर जरूर जाऊंगा, लेकिन उनके परिवार को तकलीफ नहीं देनी है। राज्य के गृहमंत्री (देवेंद्र फडणवीस) कोई भी जवाबदेही लेने के लिए तैयार नहीं है।" उन्होंने कहा कि बदलापुर की घटना का गुस्सा हर एक के मन में है। पुलिस पर दबाव बनाने वाले गुनहगार हैं। अगर समय पर कार्रवाई हुई होती तो लोग रास्ते पर उतरकर अपना गुस्सा नहीं दिखाते। उन्होंने कहा, "बदलापुर में राजनीति की बात करने वाले की मानसिकता विकृत है। जैसे यौन शोषण करने वाले की मानसिकता विकृत है, उसी प्रकार से ऐसा बयान देने वाले की भी मानसिकता विकृत है।" दरअसल, सीएम एकनाथ शिंदे ने बदलापुर रेलवे स्टेशन पर हुए प्रदर्शन को राजनीतिक साजिश बताया है।

हिंसा के आरोपी पूर्व सदर के बंगले पर चला बुलडोजर 250 के खिलाफ केस दर्ज

छतरपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर में मोहम्मद पैगंबर साहब पर टिप्पणी को लेकर ज्ञापन देने पहुंची भीड़ ने हिंसा कर दी थी। थाने पर पथराव में थाना प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हुए थे। इस मामले को पुलिस-प्रशासन ने सख्ती से लिया और बुलडोजर की कार्रवाई की। हिंसा के आरोपी पूर्व सदर मोहम्मद हाजी अली के आलीशान बंगले पर बुलडोजर चला है। आरोप है कि थाने पर पथराव कर रही भीड़ का नेतृत्व पूर्व सदर ही कर रहा था। पुलिस ने इस मामले में 50 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट की है। साथ ही 200 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया है। अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर के नेतृत्व में तमाम मुस्लिम समुदाय के लोग सिटी कोतवाली थाना पहुंचे थे। वहां महाराष्ट्र के अहमदनगर में रामगिरी महाराज की पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी का विरोध किया और ज्ञापन सौंपा जाा था। मुस्लिम समुदाय कार्रवाई एवं तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहा था।

इमरजेंसी फिल्म पर लगेगा बैन

कंगना रनौत पर भी एफआईआर की मांग, एसजीपीसी ने कहा- 'सिख समुदाय बर्दाश्त नहीं कर सकता'

चंडीगढ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बॉलीवुड फिल्म इमरजेंसी को लेकर एक्टर व बीजेपी सांसद कंगना रनौत की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। पंजाब की शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) और श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह ने इमरजेंसी फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

इसके साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल निभाने वाली कंगना रनौत के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग भी की है। बता दें कि फिल्म इमरजेंसी 6 सितंबर को रिलीज होने वाली है लेकिन उससे पहले विवादों में घिर गई है।

एसजीपीसी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि भारत सरकार को सिखों के चरित्र को गलत तरीके से प्रस्तुत करने वाली फिल्म 'इमरजेंसी' पर तुरंत प्रतिबंध लगाना चाहिए। अपनी सिख विरोधी और पंजाब विरोधी अभिव्यक्तियों के कारण विवादों में रहने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत ने यह फिल्म जानबूझकर सिखों का चित्रण करने के इरादे से बनाई है, जिसे सिख समुदाय बर्दाश्त नहीं कर सकता।

'सिख विरोधी क्रूरता को देश कभी नहीं भूल सकता'

धामी ने आगे कहा कि यह जून 1984 के महान शहीदों के बारे में सिख विरोधी कहानी बनाकर राष्ट्र का अपमान करने का घृणित कार्य है। जून 1984 की सिख विरोधी क्रूरता को देश कभी नहीं भूल सकता और जरनैल सिंह भिंडरावाले को श्री अकाल तख्त साहिब ने राष्ट्रीय शहीद घोषित कर दिया है, जबकि कंगना रनौत इस फिल्म के माध्यम से अपने चरित्र को चित्रित करने की कोशिश कर रही हैं।

कंगना रनौत अक्सर जानबूझकर सिखों की भावनाओं को भड़काने वाली अभिव्यक्ति करती रही हैं, लेकिन सरकार कार्रवाई करने के बजाय उन्हें बचा रही है।

सरकार को कंगना रनौत के खिलाफ फिल्म इमरजेंसी के जरिए सिखों की धार्मिक भावनाएं भड़काने का मामला दर्ज करना चाहिए। फिल्म इमरजेंसी के जारी अंशों से यह स्पष्ट है कि इसमें जानबूझ कर सिखों के चरित्र को गलत तरीके से आतंकवादी के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो एक गहरी साजिश का हिस्सा है।

गुजरात सरकार ने नरबलि के खिलाफ पारित कराया विधेयक, विपक्षी कांग्रेस का भी मिला समर्थन

अहमदाबाद, 22 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा में नरबलि को समाप्त करने के लिए एक विधेयक पारित हुआ. यह विधेयक सर्वसम्मति से पारित हुआ. यह विधेयक अन्य अमानवीय कृत्य और काला जादू जैसी प्रथा को रोकने के खिलाफ भी है. इस विधेयक को गृह मंत्री हर्ष सिंघवी ने मानसून सत्र के दौरान पेश किया. अब इसे राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा. गुजरात की बीजेपी सरकार को इस विधेयक को पारित कराने में विपक्षी कांग्रेस का भी समर्थन मिला है. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक सरकार की ओर से बयान जारी कर बताया गया है कि इस विधेयक को क्यों लाया गया है. यह बताया गया है कि नरबलि और काला जादू के नाम पर ठगों द्वारा आम लोगों का शोषण हो रहा था.

सरकारी बयान में कहा गया है कि हानिकारक और अमानवीय प्रथाओं के बुरे प्रभावों और प्रसार को प्रभावी तरीके से रोकने और खत्म करने के लिए उचित एवं कड़े कानूनी उपाय करना जरूर हो गया है. ऐसा आम लोगों को काला जादू करने वाले और ठगों के जाल से बचाने के लिए किया गया है. ऐसी असमाजिक और हानिकारक गतिविधियां सामाजिक ताने-बाने और विश्वसनीय एवं वैज्ञानिक उपायों पर आम लोगों के भरोसे को गंभीर नुकसान पहुंचा रही हैं.

इस विधेयक में प्रस्ताव दिया गया है कि इसके प्रावधानों का उल्लंघन करना दंडनीय अपराध होगा. इसमें छह महीने से सात साल की सजा होगी और साथ ही पांच हजार से 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया जाएगा. वहीं गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि सरकार महिलाओं को काला जादू से बचाने के लिए यह कानून लाई है क्योंकि अधिकांश मामलों में वहीं पीड़ित होती हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 23 अगस्त, 2024 3

विचार

यदि हम अपनी प्रशंसा व ख्याति सुनकर फूले नहीं समाते, तो निन्दा व अपमान में हम सन्तुलित नहीं रह सकेंगे

जीएचएमसी ने स्टैंडिंग कमेटी में सात मदों को मंजूरी दी

महापौर की अध्यक्षता में स्थायी समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने गुरुवार को जीएचएमसी मुख्यालय में चौथी स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस मौके पर महापौर ने कहा कि समिति की बैठक में सदस्यों ने सात बिंदुओं पर मुहर लगायी।

समिति के सदस्यों से शहर व जनता के विकास के लिए उपयोगी कार्य करने में सहयोग करने को कहा गया। बैठक में आयुक्त आम्रपाली काटा, स्थायी समिति के सदस्य बन्नाला गीता प्रवीण मुदीराज, मोहम्मद मुजफ्फर हुसैन, मोहम्मद कादिर, मोहम्मद नजीर उद्दीन, मन्ने कविता रेड्डी, मोहम्मद राशिद फराजुद्दीन, उप्पलपति श्रीकांत, सबीहा बेगम, अवुला रविंदर रेड्डी, चिंताला विजय शांति, मोहम्मद गौस उद्दीन उपस्थित थे इस बैठक में अधिकारी ईएनसी जिया उद्दीन, अतिरिक्त आयुक्त स्नेहा सबरीश, नलिनी पद्मावती, गीता राधिका, यादगिरी राव, चंद्रकांत रेड्डी, जोनल कमिश्नर वेंकन्ना, रविकिरण, उपेन्द्र रेड्डी, हेमंत केशव पाटिल, अपूर्व चौहान, सीसीपी श्रीनिवास, मुख्य लेखा परीक्षक वेंकटेश्वरलू, हाउसिंग एसई कृष्णा राव, सीई देवानंद, सचिव सत्यनारायण, मुख्य पशुचिकित्सक डॉ. अब्दुल वकील, स्वच्छता, झील, इंजीनियर और अन्य ने भाग लिया। स्थायी समिति ने इंदिरा पार्क से वीएसटी एनटीआर स्टेडियम तक चार लाइन द्वि-दिशा एलिवेशन कॉरिडोर, वीएसटी मेन रोड अशोक नगर जंक्शन आरटीसी क्रॉस रोड पर फ्लाईओवर कार्य और बेग लिंगमपल्ली जंक्शन से तीन लाइन द्वि-दिशा एलिवेटेड कॉरिडोर, 565 करोड़ रुपये की संशोधित अनुमानित लागत रखी गई है।

राम नगर से बाग लिंगमपल्ली वीएसटी से सेकेंड लेवल इंडियन हू मे पाइप कंपनी लिमिटेड और वज़ीर सुल्ताना टोबोको तक सड़क कार्यों के लिए प्रस्तावित, जिसमें से 426 करोड़ रुपये खर्च किये जा चुके हैं। पूर्व में स्वीकृत राशि में से 139 करोड़ की स्वीकृति पर समिति प्रशासन की मुहर लगाई। इसी तरह कौशल प्रशिक्षण और रोजगार प्रदान करने के इरादे से डॉ. विजय कुमार दतला फाउंडेशन को सीएसआर के तहत एक वर्ष की अवधि के लिए बोल्लाराम में एक मॉडल मार्केट बिल्डिंग देने और अनुबंध करने के लिए कुकटपल्ली के जोनल कमिश्नर को अनुमति देने वाली समिति की मंजूरी स्लम क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को अवसर, मार्च 2024 से मई 2024 तक जीएचएमसी से संबंधित आय और व्यय की समिति की मंजूरी, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के ऑनलाइन पोर्टल पर आवंटित डबल बेडरूम मकानों के लाभार्थियों का विवरण अपलोड करने के लिए मेसर्स कोना ई-डेटा सॉल्यूशंस एजेंसी को भुगतान 12,38,534 का अनुमोदन समिति द्वारा किया गया। समिति ने सीएसआर के तहत सेरिलिंगमपल्ली जोन मियर गुरुनाथ तालाब के विकास और उन्नयन के लिए मल्लिगा वड संगठन को एमओयू जारी करने के लिए जीएचएमसी आयुक्त को मंजूरी दी। नवंबर 2023 से अक्टूबर 2026 तक जीएचएमसी के लिए (15) आईटी मॉड्यूल के प्रबंधन समझौते को नवीनीकृत (तीन वर्षों के लिए) 9,88,41,234 रुपये की प्रशासन की मंजूरी के लिए समिति की मंजूरी दी गई। इसी क्रम में जीएचएमसी पार्षदों को 1 से 30 सितंबर तक 50-50 व्यक्तियों की तीन किस्तों में अध्ययन दौरे पर ले जाने के लिए ट्रैवल एजेंसियों से कोटेशन आमंत्रित करने को समिति की मंजूरी मिली।

मेडिकल कॉलेज के काम समय पर पूरे हों : कलेक्टर शशांक

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी एकीकृत जिला कार्यालय परिसर भवन में कलेक्टर कक्ष में महेश्वरम मेडिकल कॉलेज के प्रबंधन पर संबंधित अधिकारियों के साथ कलेक्टर शशांक ने एक समीक्षा बैठक आयोजित की। इस अवसर पर बोलते हुए कलेक्टर ने कहा कि मेडिकल कॉलेज बनने जा रहा है और उसका काम किया जाना है। उपकरण उपलब्ध कराए जाने हैं व सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी हैं।

अधिकारियों को व्यवस्थाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए कदम उठाने का सुझाव दिया। प्रथम स्तर के मेडिकल कॉलेज में विनियमों को पूरा किया जाना है। उन्होंने कहा कि अभी नियमावली पूरी करनी बाकी है। प्रमुख कार्रवाई की जानी चाहिए। मेडिकल कॉलेज कार्य सिविल कार्यों का संचालन करते समय, कर्मचारियों की भर्ती, प्रयोगशालाएं, छात्रावास सुविधाओं एवं अन्य संबंधित कार्यों की समय-सीमा तय की जाती है। तेलंगाना चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अवसंरचना पूएर विकास निगम के अधिकारियों को आदेश दिया गया। बैठक में आरडीओ इब्राहिमपटनम अनंत रेड्डी, कार्यकारी अभियंता श्रीरामुलु, उप कार्यकारी अभियंता रविंदर, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य त्रिवेणी, अधीक्षक बी नागेंद्र, जिला अस्पताल समन्वयक जी. राजू यादव, संबंधित अधिकारी एवं अन्य शामिल हुए।

शी टीम ने एक सप्ताह में 91 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शी टीम ने हैदराबाद शहर की सीमा में एक सप्ताह के भीतर लगभग 91 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिसका उद्देश्य महिलाओं के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों के बारे में जनता को शिक्षित करना है।

इन कार्यक्रमों में आत्मरक्षा तकनीक, कानूनी अधिकार और उत्पीड़न या दुर्व्यवहार की रिपोर्ट शी टीम्स को कैसे करें सहित कई विषयों को शामिल किया गया है। इस तरह की पहल कानून प्रवर्तन में जनता के भरोसे और विश्वास को मजबूत करती है, यह दर्शाती है कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ दुर्व्यवहार और अपराध बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और इसके लिए सख्त कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। पुलिस उप आयुक्त, साइबर अपराध और महिला सुरक्षा, हैदराबाद दारा कविता ने बताया कि नाबालिग लड़की ने उत्पीड़न के बारे में सीधे शी टीम्स को रिपोर्ट की। एक अज्ञात व्यक्ति एक नाबालिग लड़की का पीछा कर रहा था, जब वह अपने स्कूल से अपने घर लौट रही थी। वह शुरू में उससे डरती थी और जब वह हर दिन उसका पीछा करता रहा, तो उसने उसके व्यवहार के बारे में उससे पूछा। फिर, उसने उसे एक अप्रासंगिक जवाब दिया और उसका पीछा करना जारी रखा। नाबालिग लड़की ने शी टीम से संपर्क किया, जिन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया दी, अपराधी को ट्रैक किया और उसे मौके पर ही पकड़ लिया। शी टीम महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक प्रभावशाली बल साबित हुई है, जो हैदराबाद शहर की महिलाओं और बच्चों पर उत्पीड़न की घटनाओं पर तुरंत और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देती है।

ट्रैफिक जाम में पैसे उछालने का स्टंट वायरल

› कुकटपल्ली इलाके में हुई घटना, लोगों में आक्रोश › गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के लिए जवाबदेही की मांग

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक व्यक्ति द्वारा चलती ट्रैफिक के बीच हवा में पैसे उछालने का एक वायरल वीडियो काफ़ी चर्चा में है। हैदराबाद के कुकटपल्ली इलाके में हुई इस घटना में एक व्यक्ति 50,000 रुपये हवा में उछालता हुआ दिखाई देता है, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई और वे पैसे लेने के लिए दौड़ पड़े। सोशल मीडिया पर अपनी पकड़ बनाने के लिए इस लापरवाही भरे कृत्य ने नेटिज़न्स को नाराज़ कर दिया है और उन्होंने इसके निर्माता के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कई लोगों ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जाकर राचकोंडा पुलिस, साइबराबाद पुलिस और तेलंगाना डीजीपी जैसे अधिकारियों को टैग किया है और इस खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के लिए जवाबदेही की मांग की है। कथित तौर पर पैसे फेंकने की जिम्मेदारी लेने वाले कंटेंट क्रिएटर ने इस तरह के स्टंट जारी रखने के इरादे जाहिर किए हैं। उन्होंने दर्शकों को अपने टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया और वादा किया कि जो लोग भविष्य के वीडियो में उनके द्वारा फेंकी जाने वाली राशि का सही अनुमान लगाएंगे, उन्हें इनाम दिया जाएगा, जिससे सट्टेबाजी को बढ़ावा मिलने की चिंता और बढ़ गई है। एक सोशल मीडिया यूज़र ने टिप्पणी की कि इससे बड़ी दुर्घटना हो सकती है और उस व्यक्ति की तत्काल गिरफ़्तारी की मांग की। एक अन्य यूज़र ने इस कृत्य की निंदा करते हुए इसे पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया और अधिकारियों से आग्रह किया कि वे कंटेंट क्रिएटर को सबक सिखाएं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

एससीएससी और सयोध्या ने अंबरपेट में अग्रणी महिला सहायता कार्यक्रम शुरू किया

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एससीएससी का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के लिए सम्मानजनक और सुरक्षित स्थान बनाना है। हमारे समाज में महिलाओं की उपेक्षा के कारण पारिवारिक कलह की घटनाओं में वृद्धि हुई है, हैदराबाद सिटी सुरक्षा परिषद् ने समुदाय-आधारित हस्तक्षेप की रूपरेखा तैयार की थी। ऐसा ही एक हस्तक्षेप कार्यक्रम- एमआईटीआरए का नेतृत्व सयोध्या नामक एक गैर सरकारी संगठन कर रहा है, जो संकट में महिलाओं के साथ काम कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य अंबरपेट में 100 महिला प्रभावशाली लोगों को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की प्रारंभिक पहचान करने और संकट में महिलाओं, विशेष रूप से दुर्व्यवहार और हिंसा से प्रभावित महिलाओं का समर्थन करने के लिए प्रशिक्षण देकर क्षमता का निर्माण करना है। यह कार्यक्रम एचसीएससी के माध्यम से रहेजा आईटी पार्क द्वारा वित्त पोषित है। उस्मानिया विश्वविद्यालय का मनोविज्ञान विभाग समुदायों में परिवारों का समर्थन करने के लिए इस बहुत ही प्रभावशाली और परिवर्तनकारी पहल पर सहयोग कर रहा है। कार्यक्रम में सी. शेखर रेड्डी, महासचिव, एचसीएससी, जे. नरसैया, एडिशनल डीसीपी ईस्ट जोन, प्रशांत कुमार, संयुक्त सचिव, सीएसआर फोरम, गीता गोटी, संयुक्त सचिव, महिला फोरम, एचसीएससी, डॉ. स्वाति, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, मृदुला वेमुलापति, महासचिव, सयोध्या, कोंडावीती सत्यवती, भूमिका महिला सामूहिक और डी.पी. पद्मावती, पूर्व पार्षद, अंबरपेट आदि ने भाग लिया।

टीटीडी ने वार्षिक उत्सव के दौरान कुछ सेवाओं और विशेष दर्शनों को रद्द किया

तिरुमला, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ने 3 अक्टूबर को अंकुरार्पणम के साथ 4-12 अक्टूबर तक निर्धारित आगामी श्रीवारी वार्षिक ब्रह्मोत्सव के दौरान कुछ अर्जिता सेवाओं और दर्शनों को रद्द कर दिया है। टीटीडी ने नौ दिवसीय ब्रह्मोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को आरामदायक और संतोषजनक दर्शन की सुविधा देने के लिए वीआईपी ब्रेक दर्शन (केवल प्रोटोकॉल वीआईपी को स्वयं रिपोर्टिंग करने की अनुमति है) के अलावा शिशुओं, वरिष्ठ नागरिकों और शारीरिक रूप से विकलांग दर्शनों सहित सभी विशेष दर्शनों को रद्द कर दिया है। टीटीडी ने भक्तों से अपील की है कि वे बदलावों पर ध्यान दें और वार्षिक ब्रह्मोत्सव के सुचारू और सफल संचालन के लिए प्रबंधन के साथ सहयोग करें।

केटीआर ने अडानी पर कांग्रेस के दोहरे मापदंड पर उठाया सवाल

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अडानी मुद्दे पर कांग्रेस के दोहरे मापदंड पर सवाल उठाया जबकि कांग्रेस आलाकमान ने अडानी और सेबी अध्यक्ष के बीच मिलीभगत पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग करते हुए देशव्यापी विरोध का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उसी कंपनी को तेलंगाना में निवेश करने के लिए लाल कालीन बिछा रहे हैं। रामा राव ने कहा कि एक तरफ दिल्ली कांग्रेस अडानी कंपनियों पर प्रधानमंत्री मोदी की जेब की कंपनियां होने का आरोप लगाती है, वहीं दूसरी तरफ तेलंगाना में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उसी अडानी समूह के साथ समझौते किए हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने अडानी के खिलाफ रेवंत रेड्डी और तेलंगाना कांग्रेस के अन्य नेताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन को साल का सबसे बड़ा मजाक बताया। उन्होंने कांग्रेस की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे अडानी को आमंत्रित करते हैं, उन्हें गले लगाते हैं, एमओयू पर हस्ताक्षर करते हैं, प्रोत्साहन देते हैं और उन्हें पैसा कमाने देते हैं। उन्होंने कहा कि फिर आपको विरोध करने और उन पर धोखेबाज होने का आरोप लगाने की हिम्मत है। उन्होंने महसूस किया कि कांग्रेस नेता विभाजित व्यक्तित्व विकार से पीड़ित हैं या यह सोचकर भ्रमित हैं कि वे इस ढोंग से भारत को मूर्ख बना सकते हैं। उन्होंने अडानी को प्रोत्साहन देने के कांग्रेस के तर्क पर सवाल उठाया और साथ ही कंपनी पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए पूछा कि क्या पार्टी यह मानती है कि वह इस तरह के नाटकों से देश को धोखा दे सकती है।

अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने निकाली वैकेंसी

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पूर्णकालिक पद के लिए आवेदन आमंत्रित कर रहा है। आवासीय रखरखाव निरीक्षक का पद पूर्णकालिक है, जिसके लिए चयनित उम्मीदवार को प्रति सप्ताह 40 घंटे काम करना होगा। अभ्यर्थियों ने एचवीएसी क्षेत्र में विशेषज्ञता के साथ जर्नी-मैन स्तर के तकनीशियन तैयार करने के लिए मान्यता प्राप्त संस्थान से माध्यमिक विद्यालय या व्यावसायिक प्रशिक्षण पूरा किया होगा। इसके अतिरिक्त, अभ्यर्थियों के पास स्तर III पर अंग्रेजी भाषा कौशल और हिंदी, उर्दू और तेलुगू भाषाओं में से किसी एक में दक्षता होनी चाहिए। आवेदकों को लिखने, बोलने और पढ़ने में कुशल होना चाहिए। चयनित उम्मीदवार को 911,850 रुपये का वार्षिक वेतन मिलेगा।

IN THE COURT OF THE HON'BLE I SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT: HYDERABAD
S.O.P.No. 96 OF 2024

Between:
Mrs. Tasneem Kagalwala
& Others ...Plaintiffs
AND
All Concerned and another
...Defendants

To,
All Concerned

Take notice that the above case is posted to **27-09-2024** for your appearance. Kindly be present on the said date either in person or through Advocate before the Hon'ble Court at 10.30 A.M. Otherwise the matter will be decided as per law.

(ORDER OF THE COURT)
MOHAMMED SHUJAUDDIN,
Advocate,
16-7-311/2, Opp. Sahifa Masjid,
Azampura, Hyderabad-500024.
Cell: 9000007006

राज्य में 25 अगस्त तक येलो अलर्ट

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में 25 अगस्त तक मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। तेज मानसूनी हवाओं के कारण तेलंगाना में बारिश की संभावना है, जिससे मानसून के ज़्यादा सक्रिय होने की शुरूआत होगी। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक इसी तरह की बारिश जारी रहने की उम्मीद है, लेकिन 25 अगस्त से शहर में दिन में भारी बारिश शुरू होने का अनुमान है। इस बीच, राज्य में 25 अगस्त तक येलो अलर्ट जारी रहेगा, जो हल्की से मध्यम बारिश का संकेत देता है। व्यापक बारिश के अलावा, कई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली और तेज़ हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे तक) के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

शुक्रवार के लिए आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, जगितल, राजन्ना सिरसिल्ला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा और जनगांव के लिए पीला अलर्ट जारी किया गया है। विशेष रूप से इन स्थितियों का अनुभव होने की संभावना है। निवासियों को सलाह दी जाती है कि वे खराब मौसम की संभावना के कारण सतर्क रहें तथा आवश्यक सावधानी बरतें।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, ANNAPURNA , D/O: SUB NAKKA SATYANARAYANA , R/O: H.NO.1-23-271/4/1, VRINDAVAN COLONY, NEAR TELECOM COLONY, KHANA-JIGUDA, TRIMULGHERRY, ALWAL, MEDCHAL MALKAJGIRI - 500015 have changed my name from ANNAPURNA to ANNAPURNA NAKKA vide Affidavit dt.22-8-2024 duly Sd.by P.RAVEEN-DRANATH ADV & NOTARY

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

SOUTH CENTRAL RAILWAY
Follow us on @SCRailwayindia
Details of the Tender Notices of S.C Railway can be seen on our website : www.scr.indianrailways.gov.in

NOTICE INVITING e-TENDER
(through http://ireps.gov.in)

Senior Divisional Electrical Engineer, Traction Distribution, Secunderabad invites e-tender on behalf of the President of India for the following works in Single packet system of tendering.

S.No.: 01 **NIT No.:** C/E.29/TRD/SC/23/2024-25 **Name of the work:** Tender No. C/E.29/TRD/ SC/23/2024-25 Dt: 20.08.2024 "SC Division: PDPL-NZB: Provision of anti monkey climbing device on Peddapalli Jn.- Lingampet Jagityal Section" **Estimate Cost (₹):** 26,13,712/- **Completion Period:** 90 days **Date of closing:** 16.09.2024 at 15:00 hrs

1) For bid document and other details, please login to website **http://ireps.gov.in**
2) Tenderers should participate through e-tendering only and no manual offers may be considered.
3) All the prospective tenderers are requested to remit Cost of tender form & EMD through online payments only.
4) All the prospective tenderers are advised to get GSTIN identification Nos. and submit alongwith their offers.
5) Tenderer should watch for any Corrigenda (issued online only) upto the date of commencement of the Tender submission period.

Sr.Divisional Electrical Engineer/ TRD/Secunderabad

Tender Notice No.G/E.29/Tr./ Tender Notice/11/2024-25

Senior Divisional Electrical Engineer / Traction / Guntakal acting for on and behalf of The President of India invites E-Tenders for the following works.

S.No.: 01 **Tender No.:** GTL-TRD-29-eTN-16-2024-25 **Name of work:** Guntakal Division - Proposed construction of RUB in lieu of LC No.160 & LC.No. 162 in GTL-NDL section - TRD Works. **Approximate Value (₹):** 43,29,366/- **EMD (₹):** 86,600/-

S.No.: 02 **Tender No.:** GTL-TRD-29-eTN-17-2024-25 **Name of work:** Provision of AT Supply for Automatic Block Signalling (ABS) huts in Guntakal - Muddanuru section. **Approximate Value (₹):** 1,93,63,382/- **EMD (₹):** 2,46,800/-

Closing date and time: 13.09.2024 at 15.00 hrs.

Note:
1. **Tender Document may be downloaded from www.ireps.gov.in by tenderers free of cost.**

For Bidding the tender and other details login to http://www.ireps.gov.in. Corrigendum if any will be issued online only.

Sr.Divisional Electrical Engineer/ Traction/Guntakal

Tender Notice No.NED/E-GS-02/ 2024-25 Dt.16.08.2024

Offers are invited for the following E-Tenders @ www.ireps.gov.in

S.No.: 01 **Tender No.:** NED/E-GS-02/2024-25 **Name of the work:** Nanded Division-Proposal for Lighting Arrangements of proposed new additional GOODS Line at Maltekdi station - Electrical Arrangements. **Approximate cost (₹):** 63,17,831/- **Bid Security (₹):** 1,26,400/- **Validity of offer:** 60 days **Period of completion:** 6 Months **Available at:** www.ireps.gov.in under Nanded Division Administration **Date and time of closing:** 15.00 hrs of 09.09.2024

For Tender document, details of eligibility criteria, special conditions, etc. go to our web site as mentioned above. It is advised to check if there is any corrigendum published online before submission of offer.

Divisional Railway Manager (Elec.), Nanded
A1080

For further tender conditions / details and for downloading the tender documents, Please visit website at https://www.ireps.gov.in or www.scr.indianrailways.gov.in

उपचुनाव की तैयारियों का जायजा लेने गाजियाबाद आएंगे सीएम योगी

250 से अधिक नेताओं से करेंगे मुलाकात

गाजियाबाद, 22 अगस्त (एजेंसियां)। गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट के उपचुनाव की तैयारियों को लेकर 23 अगस्त को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिंदी भवन में बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन का कार्यक्रम बुधवार को फाइनल हो गया है, भाजपा संगठन द्वारा बैठक को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। 23 अगस्त को दोपहर तीन से शाम चार बजे तक मुख्यमंत्री बैठक करेंगे, जिसमें उपचुनाव की तैयारियों के बारे में चर्चा की जाएगी। बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री बृजेश सिंह , कपिलदेव अग्रवाल , नरेंद्र कश्यप, सुनील शर्मा के साथ सांसद अतुल गर्ग, महापौर सुनीता दयाल की प्रमुख रूप से उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में उपचुनाव की तैयारियों में जुटे सभी मंडल अध्यक्ष, सभी मंडल प्रभारी, महानगर के प्रभारी, सभी शक्ति केंद्र के संयोजक, वार्ड के प्रवासी सहित 250 से अधिक भाजपा नेताओं को मुख्यमंत्री संबोधित करेंगे। उपचुनाव में विपक्ष को शिकस्त देकर किस तरह से जीत हासिल करनी है। इसके बारे में विस्तार से बताएंगे। गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तैयारियों के संबंध में बैठक करने 23 अगस्त को मुख्यमंत्री गाजियाबाद आएंगे, कार्यक्रम फाइनल हो गया है। बैठक को लेकर पार्टी की ओर से तैयारी शुरू कर दी गई है।

राकेश टिकैत के 'बांग्लादेश जैसा हाल' वाले बयान पर बवाल

बीजेपी विधायक ने की एनएसए लगाने की मांग

गाजियाबाद, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत के बांग्लादेश को लेकर दिए गए बयान पर हंगामा मच गया है। टिकैत ने कहा कि तीन साल पहले 26 जनवरी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि अगर उस दिन किसान ट्रेक्टर लेकर लाल किले की जगह पार्लियामेंट चले गए होते तो उसी दिन भारत में बांग्लादेश जैसा हाल हो जाता। उनके इस बयान पर बीजेपी गाजियाबाद की लोनी सीट से विधायक नंद किशोर गुर्जर ने तीखा हमला किया और टिकैत पर एनएसए लगाने की मांग की है। किसान नेता राकेश टिकैत ने बांग्लादेश में तख्तापलट की घटना का जिक्र करते हुए भारत में भी वैसा ही हाल होने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में 15 साल से सत्ता में बैठे लोगों ने विपक्ष के सारे नेताओं को जेल में डाल रखा था। लेकिन, अब वो खुद बंद हैं और भागने का भी कोई रास्ता नहीं मिल रहा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यही हाल भारत में भी हो सकता है टिकैत ने इस दौरान तीन साल पहले किसान आंदोलन की 26 जनवरी की घटना का जिक्र करते हुए कि उस दिन लोगों को गुमराह करके लाल किले पर भेज दिया गया था

वह पत्रकारों को डांटते हैं

बंगाल रेप कांड से लेकर कश्मीर तक के मुद्दे पर राहुल गांधी पर बिफरे गिरिराज सिंह

पटना, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बंगाल रेप कांड के बाद पूरे देश में ममता सरकार निशाने पर आ गई है। बीजेपी लगातार हमला बोल रही है। वहीं, इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने ममता बनर्जी और राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी तभी बोलते हैं जब उन्हें देश को बांटना होता है, भ्रम पैदा करना होता है या हिंदू-मुसलमानों के बीच झगड़ा भड़काना होता है, लेकिन जब एक डॉक्टर बेटी के साथ सामूहिक बलात्कार होता है तो वह पत्रकारों को डांटते हैं। वह दुनिया भर में कश्मीर की आलोचना करेंगे, लेकिन आज कश्मीर के लोगों से वोट मांगने जा रहे हैं। यह राहुल गांधी का दोहरा चरित्र है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बलात्कार-हत्या मामले पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि नैतिकता के आधार पर ममता बनर्जी को इस्तीफा दे देना चाहिए। महाराष्ट्र और यूपी में रेप की घटना के बाद अपराधी पकड़े जाते हैं और ममता बनर्जी की सरकार ने अपराधियों को संरक्षण दिया है। ममता बनर्जी को शर्म आनी चाहिए। बता दें कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों का आकलन करने जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर बुधवार शाम श्रीनगर पहुंचे। दोनों नेता अन्य दलों से संभावित गठबंधन पर नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख डॉ। फारूक अब्दुल्ला से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता दस साल के अंतराल के बाद हो रहे चुनाव के लिए जमीनी स्तर की तैयारियों के बारे में पार्टी कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेंगे।

गर्भवती महिला को नहीं मिली एंबुलेंस

ठेले से पहुंची अस्पताल; कैमूर में स्वास्थ्य विभाग की खुली पोल

कैमूर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। कैमूर जिले के रामगढ़ रेफरल अस्पताल का एक वीडियो सामने आया जो सिस्टम पर ही सवाल खड़ा करता है। यहां गर्भवती महिला को अस्पताल पहुंचने के लिए जब एंबुलेंस नहीं मिली तो ठेले से ही अपने पति के साथ अस्पताल पहुंच गई। हद तो तब हो गई जब डिलीवरी के बाद भी महिला को एंबुलेंस नहीं मिली तो नवजात को गोद में लेकर अपने परिवार के साथ ठेले से ही घर वापस गई। इधर, पूरे मामले में मोहनिया एसडीएम राकेश कुमार सिंह ने कहा कि इस मामले की में स्वत जांच करुंगा। किन परिस्थितियों में ऐसा हुआ, जिला पदाधिकारी को भी इस मामले की जानकारी देंगे और मामले में जांच करेंगे। फिलहाल यह घटना इस बात का सबूत है कि सरकार भले ही स्वास्थ्य सुविधाओं पर करोड़ों रुपए खर्च करने का दावा करे, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। एक तरफ सरकार मरीजों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी लापरवाही बरत रहे हैं।

पुरातत्व विभाग के प्रथम महानिदेशक ने अटाला मस्जिद को बताया था देवी मंदिर

दो सितंबर को आएगा आदेश

जौनपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अटाला माता मंदिर केस की सुनवाई सिविल न्यायालय सीनियर डिवीजन कोर्ट में हुई। इस दौरान अटाला मंदिर केस में पोषणीयता व क्षेत्राधिकार पर दो सितंबर को आदेश आएगा। वादी अधिवक्ता ने बहस में कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के प्रथम महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम ने अपनी रिपोर्ट में अटाला मस्जिद को अटाला देवी मंदिर बताया है, जिसका निर्माण कन्नौज के राजा जयचंद राठौर ने करवाया था। अंग्रेज अधिकारी जेपी हेविट और ईबी हावेल ने अटाला मस्जिद की शिल्प कला को हिंदू शिल्पकला बताया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट में अटाला देवी मंदिर के अनेक फोटोग्राफ दिए गए है जिनमें शंख, त्रिशूल, षटदल कमल, गुड़हल के फूल, बंधन बार आदि हैं जो कि हिंदू शिल्पकला है। वादी अधिवक्ता ने बताया कि अटाला मस्जिद की जमीन राजस्व अभिलेखों में जामा मस्जिद के नाम से दर्ज है, जिसकी वर्तमान मालिक केंद्र सरकार है। अटाला मस्जिद का वक्फ एक्ट 1995 की धारा चार के अनुसार आज तक सर्वे नहीं हुआ है जिस कारण उनके केस पर वक्फ कानून लागू नहीं होता है। अटाला मस्जिद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधीन संरक्षित स्मारक है जिस कारण केस पर पूजा स्थल अधिनियम 1991 लागू नहीं होता। न्यायालय ने सुनवाई करते हुए पोषणीयता व क्षेत्राधिकार पर आदेश की तिथि दो सितंबर नियत की है।

69000 शिक्षक भर्ती मामला

आमने-सामने आए आरक्षित-अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी, टकराव की आशंका से गेट बंद

लखनऊ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। 69000 शिक्षक भर्ती मामले ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद जहां एक तरफ आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी नई सूची जारी करने की मांग को लेकर बेसिक शिक्षा निदेशालय में बैठ गए हैं तो वहीं दूसरी तरफ अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने धरना देना शुरू कर दिया।

उनका कहना है कि उनको योग्यता पर नौकरी मिली है किसी की खैरात पर नहीं। बेसिक शिक्षा निदेशालय में यह दोनों गुट धरना दे रहे हैं। इस बीच निदेशालय के दोनों गेट बंद किए गए। दोनों वर्ग के अभ्यर्थी आमने सामने हैं। पुलिस बीच में बैठी है। किसी भी प्रकार के टकराव को रोकने

के लिए भारी मात्रा में पुलिस बल मौजूद है। अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी सीएम की तस्वीर के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं।

सात वर्षीय बच्ची को भेड़िया ने बनाया निवाला, एक मासूम की हालत गंभीर

बहराइच, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बहराइच जिले में महसी तहसील क्षेत्र में भेड़िये ने फिर बनाया एक पांच वर्षीय बच्चे को अपना निवाला और एक सात वर्षीय बच्ची को किया घायल। हरदी थाना क्षेत्र के भटौली गांव निवासी खुशबू (5) पुत्री राजेश कुमार को बुधवार देर रात भेड़िये ने अपने निवाला बना लिया। कियानी (7) पुत्री फुलचंद निवासी हरदी जो जो रक्षाबंधन में अपने नानी के घर भटोली गई थी को हमला कर घायल कर दिया। इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महर्षि में भर्ती किया गया है। मृतक बच्ची का शव बृहस्पतिवार सुबह सात बजे गांव से कुछ दूर पर गन्ने के खेत में अध खाया बरामद किया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस व द्वारा विधिक कार्रवाई में पूरी का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। भटौली गांव पहुंचकर मौके का निरीक्षण कर एसडीएम अखिलेश कुमार सिंह व पुलिस क्षेत्राधिकारी महसी रूपेंद्र कुमार गौड़ ने पीड़ित परिवार से मिलकर ढांढस बनाया है।

केशव के बाद अब साक्षी शांत पड़े 'सरकार बनाम संगठन' विवाद को फिर क्यों कर दिया जिंदा?

लखनऊ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संगठन को सरकार से बड़ा बताया था। उनका ये बयान काफी दिनों तक चर्चा का विषय रहा और बीजेपी में खींचतान की शुरुआत भी हो गई थी। केशव के इस बयान को सीएम योगी पर निशाने के तौर पर देखा गया। अखिलेश भी तंज कसने लगे थे। लेकिन हाल में केशव मौर्य के सुर अचानक से बदल गए। उन्होंने योगी आदित्यनाथ को देश का नंबर 1 मुख्यमंत्री बता दिया। केशव के इस बयान को डैमेज कंट्रोल के तौर पर देखा जा रहा है। केशव अभी शांत ही हुए थे कि उन्नाव के सांसद साक्षी महाराज ने सरकार बनाम संगठन को फिर से जिंदा कर दिया। साक्षी महाराज ने सीएम आदित्यनाथ और यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के सामने कहा कि मुझे लगता है कि सत्ता में और संगठन में सम्मानजनक साझेदारी नहीं है। साक्षी महाराज ने ये बयान यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री

कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यक्रम में दिया। बीजेपी सांसद ने कहा कि मुझे लगता है कि सत्ता और संगठन में सम्मानजनक साझेदारी नहीं है। दोनों मुखिया आगे बैठे हैं। आगे इसका ध्यान रखेंगे तो कृपा होगी। साक्षी महाराज की गिनती बीजेपी के फायरब्रांड नेताओं में होती है।वह उन्नाव से जीतकर लोकसभा पहुंचे हैं। साक्षी इससे पहले मथुरा, फर्रुखाबाद से भी चुनाव जीत चुके हैं। वह 2000 से 2006 तक राज्यसभा के सदस्य भी रह चुके हैं। साक्षी महाराज का ये बयान ऐसे समय आया है जब प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। सूबे की सीसामऊ, कटेहरी, करहल, मिल्कीपुर, कुंदरकी, फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां और खैर सीट पर चुनाव है। केशव प्रसाद मौर्य की सीएम योगी आदित्यनाथ से कितनी बनती है, सियासत पर नजर रखने वालों को ये बात अच्छी तरह पता है। केशव के बयान से हैरानी नहीं हुई, लेकिन साक्षी का बयान चौंकाता है। हैरान इस वजह से करता है क्योंकि साक्षी महाराज और योगी आदित्यनाथ के बीच कमेस्ट्री अच्छी है। योगी लोकसभा चुनाव में साक्षी महाराज के लिए जनसभा कर चुके हैं। साक्षी महाराज भी योगी आदित्यनाथ की तुलना भगवान श्रीराम से कर चुके हैं। केशव कहते हैं कि संगठन सरकार से बड़ा है तो साक्षी महाराज सरकार और संगठन में सम्मानजनक साझेदारी नहीं होने की बात करते हैं। दोनों नेताओं के बयान इस ओर इशारा करते हैं कहीं कुछ कमी तो जरूर है। दोनों कद्दावर नेता हैं।

नालंदा में एक दारोगा अपने ही थाने में हो गया गिरफ्तार, एससी-एसटी एक्ट में चलेगा केस

नालंदा, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार पुलिस ने एक नजीर पेश की है। नालंदा में एक आरोपित दारोगा को उसी थाने ने गिरफ्तार किया है, जिस थाने में वो पदस्थापित था।

पावापुरी ओपी थाने में तैनात दारोगा हरे राम सिंह को उनके ही थाने की पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। दारोगा हरे राम सिंह पर आरोप था कि उसने शराब पीकर सरकारी काम में बाधा डालने की कोशिश की। मामले के संबंध में बताया जाता है कि पावापुर थाने में पदस्थापित दारोगा हरे राम सिंह को पावापुरी थाने की पुलिस ने सरकारी काम में बाधा, शराब पीने और मारपीट करने का आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दारोगा हरे राम सिंह पर एससी-एसटी एक्ट के थाने में मंगलवार को मामला दर्ज हो गया था। मंगलवार से एक दिन पहले सोमवार को पावापुरी ओपी थाने के दारोगा कारू रविदास सैनिक स्कूल रोड में गश्ती कर रहे थे। इस दौरान नानंद निवासी तीन शराबी श्रवण रविदास, रंजीत महतो और राजेश कुमार को उन्होंने पकड़ लिया। तीनों को थाने लाया गया।

आरा में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत:100 की स्पीड से रेलिंग से टकराई कार

भोजपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के आरा में गुरुवार की सुबह सड़क हादसे में एक ही परिवार को 5 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में पति, पत्नी, बेटा, बहू और पोते की मौत हुई है। हादसे के बाद 3 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। 2 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। 25 साल की बहू और 4 साल की पोती की हालत गंभीर है। आरा सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। एयरबैग खुलने के बाद भी ड्राइव कर रहे विपुल और फ्रंट सीट पर बैठे भूप नारायण की मौत हो गई। गजराज गंज ओपी थाना क्षेत्र के बीबीगंज गांव के पास आरा-बक्सर फोर लेन पर चढ़ने समय कार (टीयूवी 300) पुल की रेलिंग से टकरा गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी की रफ्तार 100 से ज्यादा थी। पूरा परिवार विंध्याचल से पूजा कर के लौट रहा था। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। गजराजगंज ओपी इंचार्ज हरी प्रसाद शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने सभी को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। इसके बाद परिवार को सूचना दी गई। भूप नारायण पाठक पिछले 15 सालों से पूरे परिवार के साथ पटना के डीपीएस मोड़ के पास अर्पणा कॉलोनी में रहते थे। पिता और बेटा दोनों पूजा कराते थे।

नोएडा के पोस्टमार्टम हाउस में देह व्यापार का धंधा! महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मिला सफाईकर्मी

नोएडा, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सेक्टर-94 स्थित पोस्टमार्टम हाउस में रखे शव सुरक्षित नहीं हैं। उनके साथ छेड़छाड़ करके साक्ष्य मिटाया जा सकता है। इससे संबंधित व्यक्ति की मौत की गुत्थी उलझ सकती है। पोस्टमार्टम हाउस के भीतर स्ट्रेचर पर रखे शव के सामने सफाईकर्मी और महिला की आपत्तिजनक स्थिति का वीडियो सामने आने से इसकी पुष्टि हो रही है। इससे साफ हो रहा है कि पोस्टमार्टम हाउस में अनाधिकृत लोग जा रहे हैं। इससे वहां रखे शव सुरक्षित नहीं हैं।सोशल मीडिया पर 6.17 मिनट का वीडियो वायरल हुआ है। उसके अनुसार, एक व्यक्ति वीडियो बनाते हुए चाय की दुकान से पोस्टमार्टम हाउस के डीप फ्रीजर

वाले कक्ष में पहुंचता है। वहां एक सफाईकर्मी महिला के साथ मौजूद है। वह महिला से जमीन पर कुछ बिछाने की बात कह रहा है। फिर वीडियो बनाने वाला व्यक्ति दूसरे कमरे से चादर लाकर सफाईकर्मी को देकर बाहर आता है। कुछ देर बाद जब वह दोबारा डीप फ्रीजर वाले कक्ष में जाता तो सफाईकर्मी महिला के साथ जमीन पर आपत्तिजनक स्थिति में मिला। वह महिला के साथ जोर जबरदस्ती करता दिखा। वहां स्ट्रेचर पर एक शव भी रखा है। महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मौजूद सफाईकर्मी पहले दनकौर स्वास्थ्य केंद्र में तैनात था। इस वर्ष जून में पोस्टमार्टम हाउस में ड्यूटी लगाई गई थी। इन दिनों वह अवकाश पर अपने घर गया है। उस पर पूर्व में ड्यूटी के बाद पोस्टमार्टम हाउस में शराब पीकर पेशाब करने का आरोप लगा चुका है।

शवों से साक्ष्य मिटाने का खतरा

वीडियो ने पोस्टमार्टम हाउस में पहुंचने वाले शवों के साथ छेड़खानी करके साक्ष्यों को मिटाने की संभावना को बल दिया है। वीडियो में दिख रही महिला बाहरी है, क्योंकि पोस्टमार्टम हाउस में कोई भी महिला कर्मचारी काम नहीं करती है। पोस्टमार्टम हाउस में प्रतिदिन पांच से सात शव पोस्टमार्टम के लिए पहुंचते है। इनमें महिला, किशोरी, बच्चियों के साथ सभी आयु के पुरुष और महिला के शव होते हैं। उनमें हत्या, लूट, डकैती, दुष्कर्म के बाद हत्या, आत्महत्या आदि करने वालों का शव होता है। अभी पोस्टमार्टम हाउस में दो शिफ्ट में दो गार्ड तैनात होते हैं।

गाजियाबाद में रेलवे ट्रैक पर मिली ईडी अधिकारी की लाश

हुआ चौंकाने वाला खुलासा

गाजियाबाद, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के कथित आरोप में फंसे प्रवर्तन निदेशालसय (ईडी) के अधिकारी अलोक रंजन का शव 18 अगस्त को गाजियाबाद के रेलवे ट्रैक पर मिला था। अलोक रंजन पर सीबीआई ने मुकदमा दर्ज किया था। भ्रष्टाचार के मामले में उनके खिलाफ जांच चल रही थी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक यह घटना गाजियाबाद रेलवे स्टेशन की है, जहां 18 अगस्त को एक सिर कटी लाश मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा किया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि सीबीआई जांच के बाद आलोक रंजन काफी परेशान चल रहे थे। इसी महीने 07 अगस्त को ईडी के एक अधिकारी संदीप सिंह को 20 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए दिल्ली के लाजपत नगर से सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

सीबीआई ने एफआईआर में आलोक रंजन के नाम का किया था जिक्र

सीबीआई से मुंबई के एक ज्वैलर ने शिकायत कर बताया था कि कुछ महीने पहले उसके यहां ईडी की रेड पड़ी थी। इस रेड के बाद ईडी ने उसके बेटे से पूछताछ की थी। चूंकि ईडी बेटे को गिरफ्तार कर सकती थी तो सहायक निदेशक संदीप सिंह ने बेटे को गिरफ्तार नहीं करने के एवज में 50 लाख रुपए की मांग की थी। जिसे 20 लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया जिस ज्वेलर के यहां रेड की थी संदीप सिंह भी उस टीम का हिस्सा थे। इसके बाद सीबीआई ने जब घूस लेने को लेकर संदीप सिंह से पूछताछ शुरू की तो आलोक कुमार रंजन का नाम भी सामने आया। सीबीआई ने अपनी एफआईआर में आलोक रंजन के नाम का भी जिक्र किया। आलोक रंजन इसी बात से परेशान चल रहे थे। ऐसा अंदेशा लगाया जा रहा है कार्रवाई के डर से उन्होंने आत्महत्या की है।

नहीं मानी मां की बात, गलत रास्ते पर चल पड़ा अवनीश वेतन 20 हजार और ऐसे बना ली 20 करोड़ की संपत्ति

कानपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस की रिमांड में प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित ने कई बड़े खुलासे किए हैं। उसने कई ऐसे लोगों के नाम लिए हैं, जिन्होंने समय समय पर अवनीश दीक्षित की मदद की और इसका नाजायज लाभ भी लिया। पुलिस की पूछताछ में अवनीश ने बताया कि उसे महज 20 हजार रुपये वेतन मिलता था, हालांकि वह यह नहीं बता पाया कि इतनी कम तनख्वाह में उसने 20 करोड़ से भी अधिक की संपत्ति कैसे बनाई। इस संपत्ति में उसका 5 करोड़ का बंगला भी शामिल है।

इस पूछताछ के दौरान पुलिस ने अवनीश दीक्षित का उसकी मां से भी आमना सामना कराया। मां को सामने देखकर अवनीश भावुक हो गया। इस दौरान उसकी मां ने कहा कि वह पहले ही उसे मना कर रही थी। हवा में नहीं उड़ने के लिए अगाह किया था, लेकिन वह नहीं माना। अवनीश दीक्षित फिलहाल कानपुर पुलिस के कस्टडी रिमांड पर है। पुलिस टीम उसे

लेकर औरैया स्थित उसके पैतृक घर पहुंची थी।

पुलिस को उम्मीद थी कि यहां डीवीआर और मोबाइल बरामद हो जाएंगे। हालांकि पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ा। कानपुर के डीसीपी ईस्ट के मुताबिक अवनीश की लग्जरी गाड़ियों के अलावा 5 करोड़ का बंगला समेत कई संपत्तियों का ब्यौरा मिला है। इन संपत्तियों की कीमत 20 करोड़ से भी अधिक है। उन्होंने बताया कि अवनीश से इन संपत्तियों के बारे में पूछताछ की गई। उससे पूछा गया है कि महज 20 हजार रुपये की नौकरी में उसने इतनी संपत्ति कैसे बनाई। इसके जवाब में आरोपी ने बताया कि उसके रिश्तेदारों ने सहयोग किया था।

मंदिर में घंटी बजाने से हुआ ध्वनि प्रदूषण नोएडा की सोसाइटी को मिला नोटिस

नोएडा, 22 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा की एक सोसाइटी में मंदिर में घंटी बजाने से हुए ध्वनि प्रदूषण पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) की तरफ से एक नोटिस भेजा गया है। इस नोटिस की कॉपी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। लोगों ने जमकर कमेंट किए हैं और लिखा है कि अगर योगीराज में यह होगा तो फिर क्या किया जाए। जानकारी के मुताबिक, मामला गौर सौंदर्यम सोसाइटी का है। वहां रहने वाले एक निवासी ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को शिकायत दी थी कि सोसोयटी के मंदिर में बजने वाली घंटियों से काफी ज्यादा ध्वनि प्रदूषण होता है। इस पर यूपीपीसीबी ने सोसायटी को नोटिस भेजा है। सोसाइटी में रहने वाले मुदित बंसल ने 30 जुलाई को ई-मेल से यूपीपीसीबी को शिकायत भेजी थी।

इसके बाद 5 अगस्त को यूपीपीसीबी ने मंदिर की घंटी से होने वाले ध्वनि प्रदूषण का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान मंदिर की घंटी से 70 डेसिबल का शोर मिला। सोसाइटी को जारी नोटिस में कहा गया कि ध्वनि प्रदूषण नियम, 2000 के प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे लोगों को घंटी के शोर से समस्या न हो। सोसायटी से नोटिस पर जवाब भी मांगा गया है। यह नोटिस सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है, जिस पर लोग नाराजगी जाहिर कर रहे है।

लोगों का कहना है कि यूपीपीसीबी प्रदूषण पर नियंत्रण करने में नाकाम साबित हो रहा है। प्रदूषण की जगह मंदिर की घंटी पर नोटिस जारी कर रहा है, जो गलत है। मंदिर की घंटी से ध्वनि प्रदूषण नहीं होता है। निवासियों ने कार्रवाई वापस लेने की मांग की है।

बदलापुर कांड के बाद एक्शन में शिंदे सरकार

स्कूलों में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य; दिशा-निर्देश जारी

मुंबई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बदलापुर कांड के बाद शिंदे सरकार ने कई सख्त कदम उठाए हैं। मुंबई उपनगरीय जिले के कैबिनेट और गार्जियन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने मुंबई उपनगरीय के जिला कलेक्टर को महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। गार्जियन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने एक पत्र जारी करते हुए महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

किंडरगार्टन से लेकर स्नातकोत्तर स्तर को मिले सख्त निर्देश

लोढ़ा ने कहा कि 1 सितंबर से राज्य भर के सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के स्कूलों/कॉलेजों में युवतियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा। महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में किंडरगार्टन से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक की सभी शैक्षणिक संस्थाओं को सख्त निर्देश दिए जाने चाहिए।

सुरक्षा को लेकर स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न संस्थाओं को भी अपने यहां नियुक्त कर्मचारियों का पूरी तरह से सत्यापन करने का भी निर्देश दिया गया। लोढ़ा ने आगे कहा कि यह सभी निर्देश इसलिए दिया गया ताकि कोई अप्रिय घटना न हो और सभी को सावधानी बरतनी चाहिए!

महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराध चिंता का विषय

मंत्री लोढ़ा ने अपने पत्र में कहा कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराध सरकार, प्रशासन और हमारे समाज के लिए चिंता का विषय हैं। बदलापुर में हुई घटना ने रोकथाम के उपायों के लिए जनता के सुझाव दिए हैं। महिला सुरक्षा को लेकर लापरवाही के कारण ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

'पूरा स्कूल परिसर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हो'

मंत्री लोढ़ा ने अपने पत्र में निर्देश दिया कि, शौचालयों को छोड़कर पूरे स्कूल परिसर को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में लाया जाना चाहिए। कैमरे लगाए जाने चाहिए तथा उनकी सुरक्षा और उचित कार्यप्रणाली की नियमित रूप से बीट मार्शलों या गश्त करने वाली पुलिस टीमों द्वारा जांच की जानी चाहिए। लड़कियों के शौचालयों के बाहर निगरानी के लिए एक महिला कर्मचारी को स्थायी रूप से नियुक्त किया जाना चाहिए।

गंजाम में भीषण हादसा, तेल टैंकर ने बस को मारी टक्कर; चार लोगों की मौत, 20 घायल

भुवनेश्वर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के गंजाम जिले में गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में कुल चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि लगभग 20 यात्री घायल हो गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल टीम मौके पर पहुंची। एम्बुलेंस के जरिए सभी घायलों को बरहमपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया। घायल यात्रियों में से कई की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, घटना गजाम जिले के हिंजिली थाना क्षेत्र के सम्बरझोल कंजुरू चौक पर हुई है। तेल टैंकर एक ट्रक को ओवरटेक कर रहा था। इसी दौरान, सामने से आ रही यात्री बस से उसकी भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के आगे का हिस्सा चकनाचूर हो गया।

बांग्लादेश में बाढ़ इंडियन डैम से पानी छोड़ने से नहीं आई

विदेश मंत्रालय ने आरोप को गलत बताया

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारत सरकार ने बांग्लादेश के पूर्वी सीमावर्ती जिलों में बाढ़ की स्थिति के लिए डुम्बूर बांध से पानी छोड़े जाने को जिम्मेदार ठहराने वाली खबरों को तथ्यात्मक रूप से गलत बताया है। डुम्बूर बांध त्रिपुरा की गुमटी नदी पर बना है। भारत सरकार ने साफ किया है कि इस क्षेत्र में आई बाढ़ की मुख्य वजह पिछले दिनों में गुमटी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में हुई मूसलाधार बारिश है। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि डुम्बूर बांध बांग्लादेश की सीमा से करीब 120 किलोमीटर ऊपर की ओर स्थित है और इसकी ऊंचाई केवल 30 मीटर है। इस बांध का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है, जिसमें से 40 मेगावाट बिजली बांग्लादेश को भी दी जाती है। ऐसे में बाढ़ की स्थिति के लिए बांध से पानी छोड़े जाने को जिम्मेदार ठहराना बिल्कुल गलत है।

पिछले कई दिनों से क्षेत्र में भारी बारिश

गुमटी नदी के करीब 120 किलोमीटर लंबे मार्ग पर तीन जल स्तर मापन स्टेशन स्थित हैं- अमरपुर, सोनामुरा और सोनामुरा। दो दिन से त्रिपुरा और बांग्लादेश के आस-पास के जिलों में भारी बारिश हो रही है, जिसकी वजह से स्वचालित रूप से बांध से पानी छोड़ा गया है। भारत सरकार ने बताया कि अमरपुर स्टेशन द्विपक्षीय प्रोटोकॉल के तहत आता है, जिसके तहत बांग्लादेश को रियल टाइम में बाढ़ का डाटा भेजा जा रहा है। 21 अगस्त 2024 को दोपहर 3 बजे तक बांग्लादेश को बढ़ते जल स्तर के बारे में जानकारी दी गई थी। शाम 6 बजे के आसपास बाढ़ की वजह से बिजली कटौती हुई, जिससे संचार में कुछ समस्याएं पैदा हुईं, इसके बावजूद अन्य माध्यमों से डाटा का संचार भेजा गया।

गोवा एक्सप्रेस में महिला को पड़ा दिल का दौरा ग्वालियर स्टेशन पर 40 मिनट तड़पती रही, मौत

ग्वालियर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। गोवा एक्सप्रेस में यात्रा कर रही 66 वर्षीय महिला, विजया भारती को हार्ट अटैक आया, जिसके बाद एम्बुलेंस की देरी के कारण उनकी मौत हो गई। यह घटना बीती देर रात की है, जब ट्रेन आगरा से पुणे के लिए रवाना हुई थी। महिला अपने पति के साथ ए-1 कोच की सात नम्बर सीट पर सवार थीं और मुरैना स्टेशन के पास उन्हें सीने में तेज दर्द हुआ। महिला की तबियत बिगड़ने पर उनके पति राजवीर सिंह और अन्य यात्रियों ने टीटी और ट्रेन स्टाफ को सूचित किया। ट्रेन ग्वालियर स्टेशन पर रुकी और महिला को उतारा गया। डिप्टी एसएस दिनेश सिंह सिकरवार ने 108 एम्बुलेंस सेवा को कई बार कॉल किया, लेकिन एम्बुलेंस लगभग चालीस मिनट बाद भी नहीं पहुंची। इसके बाद, प्राइवेट एम्बुलेंस से महिला को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अधिक समय बीत जाने के कारण उनकी मौत हो गई। सरकारी एम्बुलेंस महिला की मौत के बाद स्टेशन पर पहुंची।

ग्वालियर स्टेशन पर तीसरी मौत

यह पहला मामला नहीं है जब एम्बुलेंस की देरी के कारण किसी यात्री की मौत हुई हो। बीते कुछ महीनों में ग्वालियर स्टेशन पर यह तीसरी मौत है, जिसमें पहले एक वाइस चांसलर की भी मौत हो चुकी है। इससे पहले, एक यात्री का पैर ट्रेन की चपेट में आ गया था और एम्बुलेंस आधे घंटे की देरी से आई, जिसके कारण उसकी हालत बिगड़ गई थी। शहरी क्षेत्रों में 108 एम्बुलेंस का रिस्पांस टाइम 18 मिनट निर्धारित है, जबकि इस मामले में एम्बुलेंस 50 मिनट की देरी से पहुंची, जिससे मरीज की स्थिति और बिगड़ गई।

पश्चिम बंगाल में ये क्या हो रहा? विवाहिता का बंदूक की नोक पर अपहरण, रेप के बाद प्राइवेट पार्ट में डाल दी पिस्टल

कोलकाता, 22 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में लेडी डॉक्टर के साथ रेप के बाद हत्या का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है कि राज्य में एक और महिला हैवानियत का शिकार हुई है. महिला को पहले बंदूक की नोक पर किडनैप किया गया. फिर दरिंदा उसे गौशाला ले गया. यहां उसने न सिर्फ महिला का रेप किया, बल्कि उसे इतना टॉर्चर दिया कि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई. महिला ने घटना के बाद आत्महत्या की कोशिश भी की. लेकिन पति ने उसे बचा लिया. फिर दंपति ने थाने में जाकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया. पुलिस ने बताया कि आरोपी को महिला जानती थी. वो उससे पहले से ही शारीरिक संबंध बनाना चाहता था. लेकिन महिला ने उसे पहले

तो कई दफा इग्नोर किया. लेकिन एक बार महिला ने उसे इस हरकत के लिए डांट दिया. आरोपी ने फिर एक दिन मौका पाकर महिला का अपहरण कर लिया और उसके साथ दरिंदगी तो की ही. साथ ही उसके टॉर्चर भी दिया. बाद में उसे सुनसान इलाके में छोड़कर भाग गया. फिलहाल आरोपी का तलाश जारी है. घटवा बीरभूम जिले के बोलपुर थाना क्षेत्र की है. यहां एक शख्स ने शादीशुदा महिला को रास्ते में रोका. फिर बंदूक की नोक पर उसका अपहरण कर गौशाला में ले गया. वहां पहले तो महिला का रेप किया. उसके बाद महिला को मारा-पीटा और उसके प्राइवेट पार्ट में बंदूक डाल दी. महिला को टॉर्चर देने के बाद वो उसे सुनसान इलाके में छोड़कर फरार हो गया. घायल हालत में महिला जैसे तैसे अपने घर पहुंची. यहां महिला ने कमरे में जाकर फांसी का फंदा बनाया. फिर उसमें लटककर जान देने लगी. लेकिन तभी उसका पति वहां आ गया. उसने पत्नी को बचा लिया.

पति के सुनाई पूरी कहानी

पत्नी ने फिर पति को सारी कहानी सुनाई. दोनों थाने पहुंचे. यहां महिला ने पुलिस को बताया- मेरे पति चेन्नई में नौकरी करते हैं. वो कभी कबार ही घर आते हैं. हमारा 4 साल का एक बेटा भी है. मैं बेटे के साथ यहां रहती हूं. यहीं पर गांव में रहने वाला एक युवक मुझे कई दिनों से परेशान कर रहा था. कहता था कि वो मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाना चाहता है. मैं उसे इग्नोर करती रही. लेकिन 17 अगस्त को उसने रास्ते से बंदूक की नोक पर मेरा किडनैप किया और मेरे साथ हैवानियत की. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है. पुलिस ने कहा कि जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा. आरोप सही पाए जाने पर उसे बख्शा नहीं जाएगा.

अयोध्या गैंगरेप मामले में आरोपी मोईद खान के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर चला बुलडोजर

अयोध्या, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या के भदरसा गैंगरेप मामले में आरोपी मोईद खान के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई में कई बुलडोजर को बुलाया गया है। इस बिल्डिंग में एक बैंक का कार्यालय भी था। कार्रवाई के कार्रवाई भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, शॉपिंग कंपलेक्स को खाली कराया जा चुका है। पीएनबी ने भी अपने दफ्तर को खाली कर दिया है। शॉपिंग कंपलेक्स का एक तिहाई हिस्सा नेस्तनाबूद होगा। आरोप है कि मोईद खान ने शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाया था।

इससे पहले आरोपी मोईद खान की बेकरी पर भी बुलडोजर चलाया जा चुका है। आरोपी मोईद खान व राजू खान के डीएनए टेस्ट के लिए सैंपल लिया जा चुका है। रिपोर्ट का इंतजार का अभी इंतजार है। अयोध्या पुलिस ने 30 जुलाई को जिले के पूराकलंदर थाना क्षेत्र के भदरसा नगर में बेकरी की दुकान चलाने वाले मुईद खान और उसके कर्मचारी राजू खान को 12 साल की लड़की से सामूहिक दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि मुईद और राजू खान ने दो महीने पहले नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया था और इस कृत्य को रिकॉर्ड भी किया था। घटना का खुलासा तब हुआ जब हाल ही में मेडिकल जांच में पता चला कि पीड़िता गर्भवती है।

थाने में 'खाइके पान बनारस वाला' गाने पर डांस करना पड़ा भारी, 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड

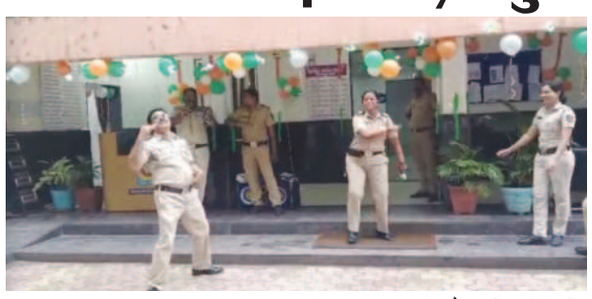

नागपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। 15 अगस्त को पुलिस थाने में पुलिस कर्मियों को डांस करना महंगा पड़ गया। डांस का वीडियो वायरल होने के बाद उन पर कार्रवाई की गई है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर खुशी के माहौल में तहसील थाने में डांस करने करने वाले एएसआई सहित 4 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित किए गए कर्मचारियों में तहसील थाने के एएसआई संजय पाटणकर, हेड कांस्टेबल अब्दुल कय्युम गणी, भाग्यश्री गिरी और कांस्टेबल निर्मला गवली हैं। जो वीडियो वायरल हो रहा है वह 15 अगस्त का है। स्वतंत्रता दिवस पर तहसील थाने में सुबह 6.45 बजे ध्वजारोहण संपन्न होने के बाद खुशी का माहौल था। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने थाने के भीतर उपलब्ध स्पीकर और माइक पर फिल्मी गाने गाए और डांस भी किया। खाइके पान बनारस वाले गाने की धुन पर पुलिसकर्मी यूनिफॉर्म में डांस कर रहे थे। यह क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। जिस पर अलग-अलग प्रकार की टिप्पणी भी होने लगीं। किसी ने पुलिस कर्मियों को भी एंजॉय करने का हक होने की बात कही तो किसी ने आपत्ति भी जताई। वायरल वीडियो को आला अधिकारियों ने गंभीरता से लिया। परिमंडल-3 के प्रभारी डीसीपी राहुल मदने ने मंगलवार को चारों पुलिस कर्मियों को निलंबित करने के आदेश जारी कर दिए।

चारों पुलिसकर्मी 3 महीने के लिए सस्पेंड

आदेश में बताया गया कि पुलिस अनुशासन प्रिय दल है। शासकीय गणवेश धारण करने के बाद जनसामान्य में पुलिस की छवि आदर रखने वाली होनी चाहिए। इस बारे में पहले भी आला अधिकारी सूचना दे चुके हैं। इसके बावजूद फिल्मी गाने गाकर नृत्य करने से पुलिस की छवि खराब हुई है, इसीलिए अधिकारों का उपयोग कर चारों को 3 महीने के लिए निलंबित किया गया है।

प्रवासी मजदूरों के बहिष्कार मामले में पंजाब सरकार को एचसी की फटकार, निपटारे के लिए कमेटी गठित

चंडीगढ़, 22 अगस्त (एजेंसियां)। कुराली के एक गांव से प्रवासी मजदूरों का बहिष्कार किए जाने के मामले में गुरुवार को पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया। सरकार ने कोर्ट को बताया कि इस विवाद के निपटारे के लिए एक पांच सदस्यीय कमेटी बना दी गई है। इस मामले में हाईकोर्ट ने ग्राम पंचायत और पंजाब सरकार को फटकार लगाई और कहा कि ऐसे कामों से बचा जाए। आपस में मिल बैठकर विवाद का निपटारा किया जाए। हाईकोर्ट ने कहा कि अगर इस तरह से प्रवासी मजदूरों को निकाला जाएगा तो गांव की फसलों को कौन काटेगा, किसान और मजदूर मिलकर काम करते हैं। सरकार द्वारा कमेटी बनाने पर हाईकोर्ट ने याचिका का निपटारा कर दिया। कमेटी में डीएसपी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और दो अन्य सदस्यों को शामिल किया गया है। याचिकाकर्ता वैभव वत्स ने हाईकोर्ट को बताया था कि कुराली के गांव मुंडो सगतियां की पंचायत ने ऐसा प्रस्ताव पास किया है, जिसके बारे में खबरें भी प्रकाशित हुई हैं कि इस गांव से प्रवासी मजदूरों, यूपी, बिहार और राजस्थान के, का बहिष्कार किया जा रहा है। इसी के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी।

'कांग्रेस की सरकार हरियाणा में बन गई तो दिल्ली वाले 6 महीने में गिरा देंगे', बीजेपी के मंत्री के बयान पर बवाल

चंडीगढ़, 22 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज होती जा रही है। इसी बीच कैबिनेट मंत्री जेपी दलाल का विवादित बयान सामने आया है। भिवानी में पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेपी दलाल ने कहा कि अगर किसी तरह हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बन भी गई तो म्हारे दिल्ली आलै छटा महीना कौन्या पकड़ण दें (दिल्ली वाले 6 महीने भी सरकार नहीं चलने देंगे)। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेपी दलाल ने कहा प्रदेश में हर तरफ शोर मच रहा है कि कांग्रेस आएगी। इससे पहले (लोकसभा चुनाव में) इतना रौला कर रखा था (शोर मचा रखा था) फिर भी आधी-आधी हो गई (5-5 सीटें) आई। इस बार तो बात 40-42 की है। मंत्री ने कहा मैं कहता हूं कि अगर बुरी से बुरी अगर हमसे भगवान नाराज भी हो गया

महिला ने पति की गर्लफ्रेंड पर भी कर दिया केस अदालत पहुंचा केस तो मामला ही बदल गया

मुंबई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने हाल ही में कहा कि पति की गर्लफ्रेंड को घरेलू हिंसा कानून के तहत रिश्तेदार नहीं माना जा सकता, जिससे उसे आईपीसी की धारा 498ए के तहत आरोप से छूट मिल जाती है। एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर रखने के आरोप में एक महिला की याचिका पर जवाब देते हुए कोर्ट के फैसले ने घरेलू हिंसा से जुड़े कानून के बारे में एक पूरी जानकारी दी और एक मिसाल कायम की। धारा 498ए के अनुसार पति या उसके रिश्तेदारों पर विवाहित महिला के साथ क्रूरता या उत्पीड़न करना अपराध है, जिसके लिए तीन साल तक की कैद और जुर्माना सहित सजा का प्रावधान है। लेकिन अगर याचिकाकर्ता महिला के पति की रिश्तेदार नहीं है, तो ऐसे में धारा 498ए लागू नहीं होगी। उसके खिलाफ चार्जशीट सिर्फ इस बुनियाद पर दायर की जाती है क्योंकि आरोप लगाए गए हैं कि शिकायतकर्ता महिला के पति का किसी और महिला के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर है।

महाराष्ट्र के चंद्रपुर का मामला

दरअसल जस्टिस विभा कंकनवाड़ी और वृषाली जोशी की बेंच ने इस मामले पर कहा कि यह मामला महाराष्ट्र के चंद्रपुर की निवासी और एक शैक्षणिक संस्थान में कार्यरत महिला से जुड़ा था। उस पर शिकायतकर्ता के पति के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर रखने का आरोप था। पुलिस ने उसके साथ-साथ उसके पति और उसके परिवार पर भी धारा 498ए के तहत आरोप लगाए। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि धारा 498ए सिर्फ पति और उसके रिश्तेदारों पर लागू हो सकती है। एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर में शामिल किसी तीसरे पक्ष पर नहीं। महिला ने तर्क दिया कि उस पर व्यक्तिगत रंजिश की वजह आरोप लगाया गया था क्योंकि वह शिकायतकर्ता के पति के करीब थी।

कोलकाता डॉक्टर रेप-हत्या मामले में टीएमसी में बगावत! अभिषेक बनर्जी ने ममता बनर्जी को दे दी सलाह

कोलकाता, 22 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या का मामला अब राजनीतिक मोड़ ले चुका है। राज्य में जहां भाजपा सीएम ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग कर रही है। वहीं, इस बीच तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी। ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले पर अभिषेक बनर्जी राज्य सरकार को कार्रवाई करने की नसीहत दे डाली। वहीं, इस मामले में भाजपा के आरोपों पर पलटवार करते हुए मजबूत कानून लाने की अपील की, जिसमें 50 दिनों के भीतर ट्रायल और दोषसिद्धि के आदेश दिए जाएं। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने अपने सोशल मिडिया पोस्ट में कहा कि पिछले 10 दिनों से देश आरजी कर मेडिकल

कॉलेज और अस्पताल घटना को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में 900 दुष्कर्म की घटनाएं हुईं। रोज 90 दुष्कर्म की घटनाएं सामने आती है और हर 15 मिनट में एक घटना होती है। अभिषेक बनर्जी ने अपने पोस्ट में आगे कहा कि दुख की बात यह है कि अभी तक एक स्थायी समाधान पर चर्चा नहीं हुई। हमें मजबूत कानून की जरूरत है, जिसमें 50 दिनों के भीतर ट्रायल और दोषसिद्धि के आदेश दिए जाएं। हमें खोखले वादे नहीं चाहिए। राज्य सरकारों को कार्रवाई करनी चाहिए और केंद्र पर दुष्कर्म विरोधी कानून के लिए दबाव बनाना चाहिए।

'शरद पवार को कौन मारेगा?

उनको जेड श्रेणी की सुरक्षा मिलने पर बीजेपी विधायक ने कसा तंज

मुंबई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार को 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से महाराष्ट्र के 83 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री को सुरक्षा मुहैया कराने को कहा है।

बीजेपी विधायक ने कसा तंज

शरद पवार को सुरक्षा मिलने पर महाराष्ट्र बीजेपी विधायक विधायक नितेश राणे ने तंज कसा है। राणे ने कहा, शरद पवार को जेड प्लस सुरक्षा मिली है। 55 सीआरपीएफ उनकी सुरक्षा करेंगे। मुझे नहीं पता कि इन्हें कौन मारेगा और इन्हें किससे खतरा है?? खबर पढ़ी तो सोचा कि क्या देश और प्रदेश में 50 साल बाद भी किसी को जेड प्लस

सुरक्षा मिलती है या क्या??यहां बता दें, शरद पवार की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ के 55 सशस्त्र जवानों की एक टीम को तैनात किया गया है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे के आकलन की समीक्षा में पवार को मजबूत सुरक्षा प्रदान करने की सिफारिश की गई है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने उन्हें 'जेड प्लस' श्रेणी का सुरक्षा घेरा प्रदान किया है। सूत्रों के अनुसार सीआरपीएफ की एक टीम इस कार्य को करने के लिए पहले से ही महाराष्ट्र में है। 'जेड प्लस' सुरक्षा सशस्त्र वीआईपी सुरक्षा की सर्वोच्च श्रेणी है। वीआईपी सुरक्षा श्रेणी का वर्गीकरण उच्चतम 'जेड प्लस' से शुरू होता है। इसके बाद 'जेड', 'वाई प्लस', 'वाई' और 'एक्स' आते हैं। सीआरपीएफ की वीआईपी सुरक्षा शाखा एक विशेष समूह है जो गृह मंत्रालय द्वारा नियुक्त लोगों को सुरक्षा प्रदान करता है। इन वीआईपी में केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राजनेता, सरकारी अधिकारी, आध्यात्मिक नेता, व्यवसायी और अन्य प्रमुख व्यक्ति शामिल हैं।

बीवी फरार-बेटा जेल में फिर कौन संभाल रहा अतीक और अशरफ का साम्राज्य?

प्रयागराज, 22 अगस्त (एजेंसियां)। प्रयागराज में कुख्यात माफिया डॉन रहे अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की मौत के बाद भी उनका टेरर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। प्रयागराज पुलिस का दावा है कि इनका गैंग अभी भी ऑपरेट हो रहा है। चूंकि अतीक अहमद की बीवी शाइस्ता परवीन और अशरफ की बीवी आयशा नूरी फरार हैं। वहीं अतीक के दोनों बड़े बेटे जेल में हैं तो दो छोटे बेटे नाबालिग होने की वजह से बाल शेल्टर में रह रहे हैं। ऐसे में गैंग को ऑपरेट कौन कर रहा है और किसके इशारे पर शहर में उगाही हो रही है? अभी तक इस सवाल का जवाब पुलिस को भी नहीं मिला है। यही नहीं, इनके खिलाफ दर्ज मुकदमों की पैरवी कौन कर रहा है, पुलिस इस सवाल पर भी उलझ कर रह गई है। पुलिस को मिले इनपुट के मुताबिक फरार चल रही शाइस्ता और आयशा को नियमित पैसा भेजा जा रहा है। इसी प्रकार कोर्ट में इनके मुकदमों की पैरवी कर रहे करीब आधा दर्जन वकीलों को भी फीस की रकम मिलने में देरी नहीं हो रही है। यह इनपुट कुछ दिन पहले ही पुलिस को मिल गए थे, लेकिन पुलिस अब तक यह पता नहीं कर सकी है कि यह रकम कौन दे रहा है? इसका जवाब तलाशने के लिए पुलिस अतीक अशरफ के वकीलों से भी पूछताछ कर चुकी है। दरअसल,अतीक और अशरफ की हत्या

के बाद से ही पुलिस यह मान कर चल रही थी कि गैंग बिखर चुका है। पुलिस अब तक अतीक से जुड़े 100 से अधिक बदमाशों, सहयोगियों और फाइनेंसरों को जेल भेज चुकी है। पुलिस के रिकार्ड में अतीक अहमद की गैंग आईएस-227 नेस्तनाबूद हो चुकी है। ऐसे में यह सवाल और भी गंभीर हो गया है कि इतने बड़े स्तर पर कार्रवाई के बाद भी अतीक-अशरफ का ऐसा कौन सा खैरख्वाह खुले में घूम रहा है और पर्दे के पीछे गैंग को ऑपरेट कर रहा है। प्रयागराज पुलिस के साथ ही एसटीएफ के तमाम अधिकारी भी हैरान हैं और गोपनीय तरीके से इस इस खैरख्वाह का विवरण जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले दिनों एसटीएफ ने शक जाहिर किया था कि अतीक का बड़ा बेटा अली नैनी जेल में बैठकर गैंग के पुर्नगठन की कोशिश कर रहा है। इसलिए उसकी निगरानी बढ़ा दी गई थी। हालांकि अब तक एस्टीएफ को कोई ठोस सुराग नहीं मिले हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 23 अगस्त- 2024

संविधान रक्षा के नाम पर तांडव

एक तरफ तो विपक्ष संविधान की दुहाई देते नहीं थकता तो दूसरी ओर हकीकत इसके ठीक विपरीत है। आखिर यह कौन नहीं जानता कि सुप्रीम कोर्ट की स्थापना संविधान के तहत ही हुई है। सुप्रीम कोर्ट को सरकार से ऊपर का दर्जा प्राप्त है। आम आदमी के लिए तो सुप्रीम कोर्ट भगवान के मंदिर से कम नहीं है। जब आदमी प्रशासन या सरकार से न्याय की उम्मीद खो देता है तो अंत में वह अदालतों का ही दरवाजा खटखटाता है। आम आदमी के मन में सुप्रीम कोर्ट बड़े देवालय से कम नहीं है। लेकिन राजनीतिक दलों में वोट की ऐसी भूख मची है कि अब उनके लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले भी संदिग्ध नजर आने लगे हैं। नजीर के तौर पर अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षण में वर्गीकरण के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सड़क पर जबर्दस्त विरोध किया गया। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को लेकर विपक्षी दलों के गठबंधन ने भी जमकर बवाल मचाया। बुधवार को देश भर में विपक्ष ने इस फैसले के खिलाफ बंद रखा गया। बंद सफल रहा या विफल यानी जनता का इसे समर्थन मिला या विरोध हुआ, चिंता का मूल यह नहीं है। सूचनाओं के मुताबिक इस बंद से लोगों को तकलीफ जरूर हुई। बिहार में कई स्थानों पर ट्रेनें रोकी गईं। लोग रेल पटरियों पर बैठ गए। देश के दूसरे हिस्सों में भी बंद से लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। बंद की सफलता के दावा विपक्ष कर रहा है तो सत्ता पक्ष इसे खारिज करने का प्रतिदावा कर रहा है। सवाल है कि जिन राजनीतिक दलों को संवैधानिक व्यवस्था पर आपत्ति है, उससे आप संविधान की रक्षा की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? अदालतों में जब कोई मामला चल रहा होता है या अदालतें कोई फैसला सुनाती हैं तो उस पर किसी तरह की टीका-टिप्पणी न करने का ज्ञान अब तक सबको दिया जाता रहा है। विपक्ष भी नरेंद्र मोदी को संविधान के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगा कर दलील देता रहा है कि उसके ही हाथ में संविधान सुरक्षित है। इस मुद्दे पर विपक्ष ने सभाओं से लेकर संसद तक में संविधान की प्रतियां लेकर प्रहसन तक कर डाला। उनकी जेबों या बैग में संविधान की प्रति ऐसे हमेशा साथ रहती है, जैसे कभी दिवंगत पीएम वीपी सिंह बोफोर्स घोटाले बाजों के नाम-नंबर का कागज जेब में लेकर घूमते थे। उन्होंने वह कागज कभी किसी को न दिखाया न ही दिया, लेकिन दावा जरूर करते थे कि उनके पास घोटालेबाजों के तमाम ब्यौरे की लंबी सूची है। संविधान में शासन, प्रशासन और न्याय के लिए तीन अंगों की व्यवस्था के बारे में देश की बहुतायत जनता को भी पता है। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में सर्वोच्च स्थान न्यायपालिका को मिला है। भारतीय न्याय व्यवस्था का आदर दुनिया में भी है। बता दें कि जब देश की प्रधानमंत्री रहते इंदिरा गांधी का चुनाव हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट से भी उन्हें कोई बड़ी राहत नहीं मिली। न्यायपालिका को पंगु बनाने के लिए उसके बाद इंदिरा गांधी ने वह सबकुछ करने का प्रयास किया जिसे असंवैधानिक कहा जा सकता है। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है, उस पर आपत्ति का निवारण भी न्यायिक तौर पर ही संभव है, सडक पर उतर कर नहीं। इसमें संविधान प्रिय कोई ईमानदार सरकार हस्तक्षेप नहीं कर सकती। सरकार करेगी तो फिर वह इंदिरा गांधी के कारनामों की ही पुनरावृत्ति मानी जाएगी, जिसके लिए केंद्र सरकार ने आपातकाल की बरसी को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है। जनता को इस पर गहराई से सोचना होगा कि संविधान के साथ छेड़छाड़ की नियत किसकी है।

भारत वसुधैव कुटुम्बकम के मंत्र से खुशहाली के प्रयास में आगे बढ़ा

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियां के अनेक देशों में 40-50 वर्षों से कोई भारतीय पीएम नहीं गया था वहां केअधिकृत दौरे जैसे अभी पोलैंड,पापुआ न्यू गिनी,ऑस्ट्रिया सहित अनेक ऐसे देश में गए। वहीं वैश्विक टकराहट का कारण बने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन भी जा रहे हैं, तो वहीं प्रशांत क्षेत्र का भारत को एक ताकतवर देश के रूप में देखा है, तो वहीं ग्लोबल साउथ में भी भारत नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। इसी प्रकार जी-20 की मेजबानी अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का रुतबा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य के लिए भारत की लॉबिंग सहित अनेक ऐसे मौके आए हैं,जहां भारत को वजनदार प्रतिष्ठा मिली है, जिसमें आज दुनियां में भारत की जोरदार गूंज हो रही है, तो वहीं दूसरी ओर दुनियां का सबसे ताकतवर बादशाह कहे जाने वाले अमेरिका में भी शिकागो में चल रहे 18-22 अगस्त 2024 तक चल रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के नेशनल कन्वेंशन में भारतीय मूल की कमला हैरिस राष्ट्रपति पद चुनाव की औपचारिक कैंडिडेट बन गई है जो हर भारतीय के लिए गौरववित करने वाली बात है। हालांकि इसके नतीजे कुछ भी हो सकते हैं,परंतु एक मूल भारतीय उम्मीदवार बनी है यह रेखांकित करने वाली बात है, तो दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यक्रम में इशारा दे दिया है कि वह अगर राष्ट्रपति बने तो एलन मस्क को अपने कैबिनेट में मंत्री या व्हाइट हाउस में सलाहकार का दर्जा देंगे। चूंकि भारत वसुधैव कुटुम्बकम के मंत्र से पूरी दुनियां को एक सूत्र में बांधकर खुशहाली के प्रयास में आगे बढ़ रहा है और अमेरिका में कुछ ही महीनों में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की धूम मची हुई है, जिसपर पूरे विश्व की नज़रें लगी हुई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे दुनियां में भारत के विज़न 2047 व अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की गूंज हो रही है। साथियों बात अगर मलेशिया के प्रधानमंत्री के भारत दौरे की करें तो, माननीय राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने कहा राष्ट्रपति को यह जानकर प्रसन्नता हुई कि दोनों पक्षों ने अपनी भागीदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी केस्तर तक ले जाकर भारत मलेशिया संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने का फैसला किया है और सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में इसके कार्यान्वयन के लिए एक कार्य उन्मुख रोड मैप की दिशा में काम कर रहे हैं।आगे कहा कि भारत मलेशिया को ग्लोबल साउथ में एक मजबूत साझेदार के रूप में देखता है। मलेशिया आसियान में भारत का एक प्रमुख भागीदार है तथा हमारी एक्ट ईस्ट नीति और इंडो पैसिफिक विजन में एक महत्वपूर्ण देश है।राष्ट्रपति ने 2025 में मलेशिया के आसियान की अध्यक्षता संभालने के लिए शुभकामनाएं दीं और दोहराया कि भारत मलेशिया के साथ काम करना जारी रखेगा तथा शांतिपूर्ण और समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के हमारे साझा उद्देश्यों को हासिल करने की कोशिश में हरसंभव सहयोग देगा। माननीय पीएम ने कहा, भारत और मलेशिया के बीच विस्तृत राजनीतिक साझेदारी का एक दशक पूरा हो रहा है। और पिछले दो सालों में, प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के सहयोग से हमारी पार्टनर्शिप में एक नई गति और ऊर्जा आई है। आज हमने आपसी सहयोग के सभी क्षेत्रों पर व्यापक रूप से चर्चा की। हमने देखा कि हमारे द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर प्रगति हो रही है। अब हमारा व्यापार रुपये और रिंगिट में भी हो रहा है। गत वर्ष में,मलेशिया से भारत में 5बिलियन डॉलर के निवेश पर काम हुआ है। आज हमने निर्णय लिया है कि हमारी साझेदारी को कंप्रीहेंसिव स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के रूप में एलीवेट किया जाएगा। हमारा मानना है कि आर्थिक सहयोग में अभी और बहुत पोटेंशियल है। द्विपक्षीय व्यापार और निवेश का विस्तार किया जाना चाहिए। नए तकनीकी क्षेत्रों,जैसे कि सेमीकंडक्टर फिंटेक,रक्षा उद्योग, एआई और क्वांटम में हमें आपसी सहयोग बढ़ाना चाहिए। हमने भारत और मलेशिया के बीच कंप्रेसिव इकोनामिक कोऑपरेशन एग्रीमेंट के रिव्यू में गति लाने पर बल दिया है। डिजिटल टेक्नोलॉजी में सहयोग के लिए डिजिटल काउंसिल की स्थापना करने का, और स्टार्टअप एलाइंस बनाने का निर्णय लिया है। भारत के यूपीआई और मलेशिया के पे-नैट को जोड़ने के लिए भी काम किया जायेगा। आज सीईओ फोरम की मीटिंग से नई संभावनाए सामने आई हैं। हम दोनों ने रक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग की नई संभावनाओं पर भी बात की है। आतंकवाद और अतिवाद के खिलाफ लड़ाई में भी हम एकमत हैं।पीएम और उनके मलेशियाई समकक्ष के बीच व्यापार, निवेश,रक्षा समेत विभिन्न क्षेत्रों पर गहन बातचीत के बाद भारत और मलेशिया ने मंगलवार को फैसला किया कि दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को समग्र रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाएंगे।दोनों देशों ने कम से कम आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें से एक मलेशिया में भारतीय श्रमिकों की भर्ती को बढ़ावा देने तथा उनके हितों की सुरक्षा से संबंधित है। साथियों बात अगर हम जापान के रक्षा और विदेश मंत्री के भारत दौरे व 2 + 2 बातचीत की करें तो,भारत और जापान ने मंगलवार को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक सैन्य स्थिति से निपटने के लिए जोरदार तरीके से काम करने की प्रतिबद्धता जताई। दोनों पक्षों ने कहा कि वे स्वतंत्र और नियम आधारित हिंद- प्रशांत सुनिश्चित करने के साझा लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली में आयोजित तीसरी विदेश और रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता में भारत और जापान समग्र रणनीतिक संबंधों को और विस्तार देने की इच्छा जताई। इसके लिए दोनों देश सुरक्षा सहयोग के एक नए ढांचे को तैयार करने पर भी सहमत हुए। वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया, जबकि जापान की ओर से विदेश मंत्रीयो को कामिकावा और रक्षा मंत्री कि हारा मिनोरू मौजूद रहे। भारत के विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री ने 2+2 वार्ता से पहले अपने जापानी समकक्षों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय वार्ता की। जापान के साथ 2+2 वार्ता द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा सहयोग को और गहरा करने तथा दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूती प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। भारत का 2+2 अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और रूस के बाद जापान से ही है।रक्षा मंत्री ने कहा कि 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने में जापान अहम भूमिका निभाएगा। उसके साथ रक्षा उद्योग क्षेत्रों में साझेदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, भारत और जापान के बीच सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध बढ़े हैं। रक्षा इन संबंधों में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा, घरेलू रक्षा क्षमताओं का निर्माण इस विजन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। रक्षा प्रौद्योगिकी और उद्योग के क्षेत्र में जापान के साथ साझेदारी भारत के इस विजन को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रक्षा मंत्री ने कहा, मौजूदा वैश्विक स्थिति को देखते हुए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्रता, समावेशिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह हमारी साझेदारी महत्वपूर्ण है। साथियों बात अगर हम शिकागो अमेरिका में 18-22 अगस्त 2024 को डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन की करें तो,अमेरिकी के शिकागो में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन 18 अगस्त को शुरू हो गया है। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को मशाल सौंपी। इसके साथ ही कमला डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति का औपचारिक कैंडिडेट बन गई हैं।

घूरे के दिन फिरे, ग्लोबल हुआ कचरा

जयप्रकाश जय

अब से तीन दशक पहले पूरी दुनिया में भला किसने सोचा होगा कि आने वाले वक्त में कूड़ा-करकट भी एक दिन लाख-करोड़ ही नहीं, अरबों-खरबों का संगठित कारोबार बन जाएगा! कचरा आज़ विश्व के विभिन्न देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में शुमार हो चुका है। हमारे देश में सालाना करीब 34 लाख टन तो अकेले प्लास्टिक कचरा ही पैदा होता है। देश की इकोनॉमी ग्रोथ में इसकी हैरतअंगेज साझेदारी है। कई एक ताज़ा स्टडी बताती हैं कि वर्ष 2030 तक ई-वेस्ट, बैटरी रिसाइकलिंग सेक्टर 9.5 अरब डॉलर का हो जाएगा। दिनोदिन कचरे का दबाव इतना बढ़ता जा रहा है कि पर्यावरण बचाने एवं पुनर्चक्रण कर दोबारा इस्तेमाल के लिए आज़ तमाम समृद्ध देश इलेक्ट्रॉनिक और मेडिकल कचरा-निस्तारण के सस्ते संसाधन प्रबंधित करने में जुटे हैं। यूरोपियन यूनियन का डाटा खुलासा करता है कि भारत समेत दुनिया के कई देश करोड़ों मीलियन टन कूड़ा-करकट हर साल आयात-निर्यात कर रहे हैं, जिसमें डेढ़ दशक में 77 प्रतिशत तक उफान आ चुका है। महानगरीय बसावटों की तेज़ रफ़्तार के अनुपात में अथाह कचरा एक भारी-भरकम बड़ी कारोबारी संभावना बनता जा रहा है। एक ओर जहां कच्चे माल और ऊर्जा की किल्लत दिन-प्रति-दिन बढ़ती जा रही है, तापबिजली संयंत्रों से निःसृत कचरे के उत्सर्जन पर काबू पाने के लिए भारतीय सीमेंट उद्योग राख, फ्लाईऐश का उपयोग बढ़ाकर ऊर्जा की लागत और कार्बन डाई ऑक्साइड की रफ्तार शिथिल करने में जुटा है। इसी तरह भारत में कागज उद्योग भारी मात्रा में कचरे का निस्तारण कर नया कागज उत्पादित कर रहा है। हमारे देश में हर साल पांच लाख टन से अधिक तो इलेक्ट्रॉनिक कचरा निकल रहा है, जिसमें कंप्यूटर से लेकर फैक्स मशीन, मोबाइल फोन तक शामिल हैं। इस बीच अपने-अपने परिक्षेत्र का पर्यावरण बचाने के लिए यूरोपीय संघ, जापान आदि व्यापार के नाम पर अपने इलेक्ट्रानिक कचरे दुनिया के दूसरे देशों पर थोपने की जुगत में हैं। व्यापारिक मसौदे में जैसाकि ई-कचरा प्रबंधन के नियमों पर अमल के लिए गंदगी के संगठित कारोबार का वैश्विक मॉडल जैसा दिखता है, दरअसल, वैसा है नहीं। ई-कचरे के आयात का लाइसेंस हासिल करने के लिए सबसे ज्यादा खेल तो इस कारोबार के पंजीकरण में ही सामने आ रहे हैं। कंपनियां धंधा तो फ्लरिशिंग के कारोबार का कर रही हैं और लाइसेंस ई-कचरे के पुनर्चक्रण का हासिल कर लेती हैं अथवा करना चाहती हैं। लाइसेंस मिलने के बाद, वे कचरे को अपने भारतीय बाजार में ही किसी और, सर्वाधिक असंगठित कारोबारियों को बेच दे रही हैं, जिसके गंभीर दुष्प्रभाव पर्यावरणीय प्रदूषण को असहनीय बना रहे हैं। ऐसे में दुनिया भर से कचरा भारत में इंपोर्ट करने से पहले इस उद्योग का मॉडल एक बार फिर नए सिरे से विचारणीय हो चला है। उल्लेखनीय है कि भारत में प्रति वर्ष पैदा हो रहे करीब 34 लाख टन प्लास्टिक कचरे में से मात्र 30 प्रतिशत ही पुनर्चक्रित हो पा रहा है। इस बीच बीते पांच-छह वर्षों (2016 से 2021) में देश में प्लास्टिक की खपत सालाना 9.7 प्रतिशत (1.4 करोड़ टन) से बढ़कर दो करोड़ टन से ज्यादा हो चुकी है। अकेले तीन राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु का ही, उत्सर्जित कुल प्लास्टिक कचरे का 38 प्रतिशत हिस्सा है। 'रूरल प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट स्टडी-2022' के मुताबिक, ग्रामीण भारत में औसतन 67 फीसदी परिवार नियमित रूप से प्लास्टिक कचरा जला देते हैं। इसका भी पर्यावरण पर अप्रत्यक्ष प्रभाव सामने आ रहा है। निस्तारण-संसाधनों का हाल ये है कि देश के मात्र 36 प्रतिशत गांवों में सार्वजनिक कूड़ेदान हैं। लगभग 70 प्रतिशत गांवों में कचरे के सिंगल यूज प्लास्टिक, कागज, कार्डबोर्ड, प्लास्टिक, रैपर, बोतलें, डिब्बे आदि ढोने के वाहन तक ही नहीं। मात्र 47 प्रतिशत गांवों में एक-एक सफाई कर्मचारी हैं। सचाई तो ये है कि हम एक ओर विदेशों से (प्रतिवर्ष 2.4 मिलियन टन) कचरा इंपोर्ट कर इकोनॉमी ग्रोथ की बात करते हैं, दूसरी तरफ़, आज़ भी सत्तर फ़ीसद से अधिक की बसावट वाले कस्बों-गांवों में कचरा प्रबंधन के बुनियादी संसाधन तक नहीं हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अकेले ई-वेस्ट, बैटरी रिसाइकलिंग सेक्टर का कारोबार ही दुनिया में दस अरब डॉलर तक पहुंचने वाला है। आगामी दो-तीन वर्षों में अकेले यही उद्योग दो अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। भारत में फाइबर, कंस्ट्रक्शन, गार्डनिंग सेक्टरों में भारी मात्रा में रिसाइकल मैटेरियल निकल रहा है। बेहतर प्रोसेसिंग सिस्टम के जरिये देश में सूखा कचरा रिसाइकल कर हर साल 10-11 हजार करोड़ और गीले कचरे से 2000 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की जा सकती है। देश में हर साल पड़े-पड़े सड़ जा रहे लाखों टायरों और खपत के अनुपात में भारी मात्रा में अनुपयोगी रह जा रहे नारियल कचरे से भारी रेवेन्यू जनरेट किया जा सकता है। हर साल करीब 10 लाख टन प्लास्टिक वेस्ट निकल रहा है, जिनमें से प्लास्टिक की बोतलों से कपड़े का उत्पादन हो रहा है। रिसाइकल यार्न, पीसीबी मेटल, स्मार्टफोन की चांदी, नारियल भूसा, फाइबर, कंस्ट्रक्शन, गार्डनिंग आदि का तरह-तरह से इस्तेमाल किया जा रहा है। दिल्ली, मुरादाबाद, पानीपत आदि में वेस्ट रिसाइकलिंग अरबों डॉलर की इंडस्ट्री बन चुकी है। यद्यपि छोटे-मझोले शहरी इलाकों में डिस्पोजल, रिसाइकलिंग आदि के रास्ते में अभी कई तरह की बड़ी रुकावटें हैं। इस दिशा में तमिलनाडु की पहल अग्रता बनाए हुए है। राज्य की ओर से वहां कचरा निस्तारण का एक बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन सिस्टम काम कर रहा है। कचरा बैंक हैं, जहां के लिए छह रुपए किलो कचरा बिक जाता है। राज्य में एक समूह 'कचरा बैंक' के माध्यम से लोगों को अपशिष्ट पृथक्करण, अप-साइक्लिंग और कचरा पुनर्चक्रण के लिए आम लोगों को प्रशिक्षित करता रहता है। पिछले पांच-छह वर्षों से ये सिस्टम स्वयं घरों के कचरे अलग करता है। उससे पहले मिश्रित कचरा बड़ा पर्यावरणीय मुद्दा रहा है। उसके बाद स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, आवासीय समुदायों, कार्यक्रमों के माध्यम से इस दिशा में लोगों को जागरूक, शिक्षित, सशक्त और समृद्ध करने की सामाजिक पहल तेज होने लगी। अपशिष्ट केंद्रित कक्षाएं और कार्यशालाएं आयोजित होने लगीं। कचरे की 42 अलग-अलग वस्तुओं में छंटाई होने लगी। इस तरह धीरे-धीरे कागज, प्लास्टिक, धातुएं और ई-अपशिष्ट कचरा छंटाई के बाद बैंकों तक पहुंचने लगे। संग्रहण के दौरान बायोवेस्ट, प्लास्टिक और कागज के लिए तीन अलग-अलग डिब्बे होते हैं। अब ये सामूहिक उद्यम सदस्यों की पूर्णकालिक नौकरियों में तब्दील हो चुका है। कचरा बैंक परियोजना में उद्यमियों, प्रिंसिपलों, शिक्षकों, आईटी पेशेवरों की सहभागिता रहती है। कचरा संग्रहण के लिए लोगों के एक समूह को अलग-अलग दिनों में अलग-अलग स्थानों पर तैनात किया जाता है। बायोवेस्ट खाद बनाने में इस्तेमाल होता है। रानीपेट जिले के 20 हजार वॉलंटियर्स इस दिशा में विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं।

नमक और चीनी में प्लास्टिक

रजनीश कपूर

पिछले सप्ताह एक एनजीओ द्वारा किए गए शोध से पता चला कि देश में अधिकतर नमक और चीनी निर्माता हमें प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण खिला रहे हैं। 'टॉक्सिक्स लिंक' नाम की एक एनजीओ के पर्यावरण अनुसंधान विभाग द्वारा किए गए एक शोध के बाद यह दावा किया। जबसे यह खबर उजागर हुई तो उपभोक्ताओं के मन में कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। भारत में बढ़ते हुए कैंसर रोग के मरीज़ों, दिल के रोग के मरीज़, मोटापे और अन्य बीमारियों का कारण भी कहीं रोज़मर्रा खाने वाले नमक और चीनी में मौजूद ये प्लास्टिक के कण तो नहीं? यदि ऐसा है तो यह एक गंभीर मामला है। घरेलू नमक और चीनी में पाये जाने वाले माइक्रोप्लास्टिक के कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि इन्हें आप अपनी आँख से देख भी नहीं सकते। चिंता की बात यह है कि प्लास्टिक के इतने सूक्ष्म कण आपके शरीर में कई सालों तक रह सकते हैं। इतने वर्ष तक यदि ऐसे कण आपके शरीर में रह जाएँगे तो इनका आपकी सेहत पर दुष्प्रभाव तो पड़ेगा ही। अब चूँकि यह शोध सामने आया है तो इसे गंभीरता से लेते हुए इसकी विस्तृत जाँच भी होनी चाहिए और साथ ही दोषियों के ख़िलाफ़ उचित क़ानूनी कार्यवाही भी की जानी चाहिए। आज के दौर में हम जितना भी सादा भोजन करें हम किसी न किसी मात्रा में नमक और चीनी तो लेते ही होंगे। यदि इन ज़रूरी तत्वों के सेवन से हमें कैंसर और दिल के रोग होने लग जाएँ तो इंसान कहाँ जाए ? यदि मिलावटी मसालों की बात होती है तो हम अपनी दादी-नानी के घरेलू नुस्ख़े आज़मा कर रोज़मर्रा के मसालों को घर में ही कूट-पीस सकते हैं। यदि दूषित पानी और कीटनाशक से उगी सब्ज़ियों और फलों की शिकायत मिले तो हम जैविक खेती की मदद से शुद्ध सब्ज़ियों और फलों का सेवन कर लेते हैं। परंतु यदि हर घर में इस्तेमाल होने वाले नमक और चीनी में ही इस क़दर मिलावट होने लगे तो आपक्या करेंगे ? लालच इंसान को किस हद तक ले जाता है कि मुनाफ़े के चक्कर में कुछ चुनिंदा उद्योगपति आम जनता को ज़हर परोस रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक्स इन सॉल्ट एंड शुगर नाम की इस स्टडी में 'टॉक्सिक्स लिंक' ने टेबल सॉल्ट, रॉक सॉल्ट, समुद्री नमक और स्थानीय कच्चे नमक सहित 10 प्रकार के नमक और ऑनलाइन तथा स्थानीय बाजारों से खरीदी गई पांच प्रकार की चीनी का टेस्ट करने के बाद इस स्टडी को पेश किया। अध्ययन में यह चौकने वाला सच सामने आया कि नमक और चीनी के सभी नमूनों में अलग-अलग तरह के माइक्रोप्लास्टिक्स शामिल थे। इनमें फाइबर, पेलेट्स, फिल्म्स और फ्रैगमेंट्स पाये गये। शोध के अनुसार इन माइक्रोप्लास्टिक्स का आकार 0.1 मिमी से 5 मिमी के बीच पाया गया। सबसे अधिक माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा आयोडीन युक्त नमक में पाई गई, जो मल्टीकलर के पतले फाइबर और फिल्म्स के रूप में थे। जाँच रिपोर्ट के अनुसार, चीनी के नमूनों में, माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा 11.85 से 68.25 टुकड़े प्रति किलोग्राम तक पाई गई, जिसमें सबसे अधिक मात्रा गैर-ऑर्गेनिक चीनी में पाई गई। वहीं ग़ौरतलब है कि नमक के नमूनों में प्रति किलोग्राम माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा 6.71 से 89.15 टुकड़े तक पाई गई। आयोडीन वाले नमक में माइक्रोप्लास्टिक्स की सबसे अधिक मात्रा (89.15 टुकड़े प्रति किलोग्राम) और ऑर्गेनिक रॉक सॉल्ट में सबसे कम (6.70 टुकड़े प्रति किलोग्राम) पाई गई। उल्लेखनीय है कि इस विषय पर किए गए पिछले शोधों में पाया गया है कि औसत भारतीय हर दिन 10.98 ग्राम नमक और लगभग 10 चम्मच चीनी का सेवन करता है, जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की तय सीमा से काफी अधिक है। ऐसे में यदि हमारे शरीर में माइक्रोप्लास्टिक भी प्रवेश कर रहा है तो यह हमें कितना नुक़सान पहुँचाएँगे इसका अंदाज़ा नहीं लगाया जा सकता। माइक्रोप्लास्टिक के कण मानव शरीर में मिलावटी भोजन के अलावा हवा और पानी के ज़रिये भी प्रवेश कर सकते हैं। एक अन्य शोध में यह भी पता चला कि माइक्रोप्लास्टिक मानव शरीर में फेंफड़े, हृदय जैसे अन्य महत्वपूर्ण अंगों में बड़ी आसानी से प्रवेश कर लेते हैं। इतना ही नहीं एक शोध में यह भी पाया गया कि नवजात व अजन्में बच्चों में भी माइक्रोप्लास्टिक प्रवेश कर चुके हैं। चिंता का विषय यह है कि भारत में निर्मित चीनी और नमक में इतनी मात्रा में मिलने वाले ऐसे तत्व क्यों पाये जा रहे हैं? क्या ऐसी स्टडी पहली बार हुई है? इससे पहले भी कई तरह के शोध मिलावटी उत्पादों को लेकर हुए हैं। क्या उन पर उचित कार्यवाही की गई? क्या सरकार ने ऐसे कड़े नियम बनाए कि ऐसी गलती करने पर निर्माताओं के ख़िलाफ़ कड़ी क़ानूनी कार्यवाही की जाए? वैज्ञानिक शोध का मतलब स्पष्ट रूप से यही होता है कि जिस भी शोध में कुछ भी हानिकारक पता चले, उसे जनता के सामने पेश किया जाए।

सूनी रह गयीं कलाईं, सैकड़ों भाई बहनों ने दुर्घटना में जान गंवाईं!

मनोज कुमार अग्रवाल

हमारे यहाँ भाई बहन के पवित्र रिश्तों के त यो हा र रक्षाबंधन और भैया दोज पर बहनों की पीहर यानि भाई के घरों की दौड़ सैकड़ों जीवन के लिए असमय काल कवलित कर रही है। इन दोनों त्योहार पर करोड़ों बहनें अपने पति बाल गोपाल बच्चों के साथ सार्वजनिक व निजी वाहनों से भाई को राखी बांधने व तिलक करने के लिए एक नगर से दूसरे शहर कस्बे गांव का सफर तय करती है इस दिन सड़कों राजमार्गों पर रोजाना से बीस गुना अधिक वाहनों का लोड हो जाता है इनमे खचाखच भरी सार्वजनिक परिवहन बस ट्रेन के अलावा लाखों की संख्या में चौपहिया व दोपहिया मोटर साइकिल स्कूटर बाइक सड़कों पर दौड़ती है।

त्यौहार पर भैया के घर पहुंचने की जल्दबाजी में कुछ वाहन चालक यातायात नियमों की अनदेखी कर वाहनों को अंधाधुंध दौड़ाते है लाखों वाहन एक ही दिन सड़क पर होने के कारण यातायात का लोड बढ़ जाता है और हर जिले में दर्जनों दुर्घटना सामने आती है इस बार भी रक्षाबंधन को सड़कें दुर्घटना में खून से लाल हो गईं। उत्तर भारत के अनेक शहर कस्बों में सैकड़ों सड़क दुर्घटना घटित हुई और सैकड़ों बहनों की राखियाँ उनके भाईयों की कलाई तक नहीं पहुंच सकी। कई बहनें और भाई दुर्घटना का शिकार होकर दम तोड़ गए जो अपने भाई या बहन के घर गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने से पहले ही सड़क दुर्घटना का शिकार बन गए वहीं कितने ही बहन भाई बच्चे सड़क दुर्घटना में चोटिल होकर अस्पतालों के बिस्तर पर कष्ट भुगतने के लिए मजबूर हो गए। इस तरह त्योहार पर कई जाने वाली भागदौड़ अनजाने में ही सड़क दुर्घटना के लिए न्योता बन रही है। आपको बता दें कि भाई-बहन के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन अनेक परिवारों के लिए बहुत दुखद न भूलने वाले गम दे गया इस उल्लास के पर्व पर कुछ ऐसी दुखद घटनाएं घटीं, जिन्होंने सम्बन्धित परिवारों में शोक की लहर दौड़ा दी। कई बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधे बिना ही तथा कई भाई राखी बंधवाने से पहले ही इस संसार से विदा हो गए। पिछले तीन दिनों दिनों की ऐसी ही अनेक दुर्घटनाएं घटित हुई है कुछ अखबार की सुर्खियां बनी इन में 17 अगस्त को अपनी बहन से राखी बंधवाने सीकर से नारनौल (हरियाणा) आ रहे शेखर नामक युवक की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। 18 अगस्त को नालंदा (बिहार) से बुराड़ी स्थित अपने मायके में भाइयों को राखी बांधने नई दिल्ली आई बॉबी नामक महिला और उसके भतीजे की मोटरसाइकिल को वजीराबाद फ्लाईओवर पर एक ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे बॉबी की घटनास्थल पर ही जान चली गई।

18 अगस्त को ही औरंगाबाद (बिहार) के 'लभरी परसावा' गांव के निकट रक्षाबंधन के लिए खरीदारी करके लौट रहे एक परिवार को एक कार ने टक्कर मार दी जिससे एक मां-बेटी की मौत हो गई जबकि उसकी दूसरी बेटी तथा मोटरसाइकिल चला रहा देवर गंभीर रूप से घायल हो गए।18 अगस्त को ही प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) के 'बेलवानिया' में अपने ससुराल से मायके में भाइयों को राखी बांधने के लिए निकली 'सोना देवी' नामक महिला की गांव में बना 'चैक डैम' पार करते समय अचानक आए पानी के तेज बहाव में बह जाने के कारण मौत हो गई।

पोस्ट मॉर्टम

डॉ टी महादेव राव

पोस्ट मॉर्टम आजकल आम और सबका परिचित शब्द हो गया है। आखिर हम दिन ब दिन विकास से विकसित पथ की ओर अग्रसर जो हो रहे हैं। नेतागण पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों से ज्यादा किसी भी व्यक्ति या परिस्थिति की चीर फाड़ करते हैं। अगर कोई सीबीआई या आयकर के छापे में पकड़ा गया कई रुपए, सोने चांदी के साथ तो यह भूल जाते हैं कि इन्होंने कितना निगल लिया और पवित्र साधू बनकर पकड़े गए नेता के चरित्र की चीर फाड़ इस खूबी से करते हैं कि लोगों को मुगालता होने लगता है कि इतना शरीफ, पावन व्यक्ति राजनीति में कैसे आ गया? वे कहते हैं छी छी छी पराया धन और पराई नार पर लोग कैसे फिसल जाते हैं। पाप के पंक में फंस जाते हैं। ईश्वर को क्या मुंह दिखाएंगे? और अपने गाल पर हल्की चपत लगाते हुए पाप का प्रक्षालन करने का अभिनय करने लगते हैं। इसी तरह पड़ोसन की बुराई करने में दो महिलाएं भी किसी शव परीक्षण करने वाले विशेषज्ञ से अधिक प्रवीणता का प्रदर्शन करती पाई जाती हैं। उसे बिना मेक अप के देखना, भूतनी लगती है। उसका पति बेचारा कितना सीधा सादा है। उसी पर हुकुम चलाती है तानाशाहनी की तरह। दोनों भूल जाती हैं कि उनके अपने पतियों को गाली गलौच के साथ वे पीटती भी हैं जब पीकर आते हैं। अब नेताओं की बात लें तो उनसे बड़ा पोस्ट मॉर्टम स्पेशलिस्ट कोई नहीं होगा। विपक्ष के नेता के चरित्र की इतनी धज्जियां उड़ाते हैं कि अगर शर्म से उसके टुकड़े हो जाएं तो खोजने पर एक टुकड़ा नहीं मिल पाएगा। खुद के सारे दुर्गुण, दुर्व्यसन और दुरुद्देश्य सारे सामने वाले पर ऐसा चिपकाते हैं कि लोग यकीन करने पर मजबूर हो जाते हैं। विशेषकर मनी और महिलाओं के मामले में उनके पोस्टमार्टम की धज्जियां सॉरी रिपोर्ट कुछ खास ही होती है। महिला की बात से याद आया। हमारे पहले प्रधानमंत्री की सारी अच्छाइयां दर किनार करने उनकी महिलाओं के साथ विभिन्न संदर्भों में लिए गए चित्रों को इस शिद्दत से पेश किया गया कि लगा अपने चौदह साल के कार्यकाल में उन्होंने सिर्फ स्त्री संगत ही की है और कुछ नहीं। यह होता है पोस्टमार्टम स्पेशलिस्ट महान नेताओं की प्रतिभा, प्रवीणता।

अब जब हर जगह यह शब्द इतना चल गया है कि कुछ टीवी चैनलों ने अपने एक दो कार्यक्रमों के नाम यही पोस्ट मॉर्टम रख छोड़ा है जिसमें वे किसी एक राजनीतिक दल का पक्ष लेते हुए अन्य दलों के नेताओं की बखिया उधेड़ते रहते हैं, जिसे विश्लेषणात्मक टिप्पणी कहते हैं। यह वास्तव में पोस्ट मार्टम ही होता है।कल मेरे पड़ोस में पति पत्नी बात कर रहे थे। पति ने कहा मुझे क्या बीमारी है, डॉक्टर पता नहीं लगा पा रहा है।

बलराम जयंती कल

हल षष्ठी का महत्व

24 अगस्त 2024 शनिवार, हल छठ व्रत के मुहूर्त और शुभ समय :
ब्रह्म मुहूर्त- तड़के 04:27 से 05:11 तक।
प्रातः सन्ध्या- सुबह 04:49 से 05:55 तक।
अभिजित मुहूर्त- अपराह्न 11:57 से 12:49 तक।
विजय मुहूर्त- दोपहर 02:32 से 03:24 तक।
गोधूलि मुहूर्त- शाम 06:51 से 07:13 तक।
सायाह्न सन्ध्या- सायं 06:51 से 07:58 तक।
अमृत काल- अपराह्न 11:26 से 12:55 तक।
निशिता मुहूर्त- 25 अगस्त को 12:01 ए एम से 12:46 तक।
रवि योग- शाम 06:05 से 25 अगस्त को तड़के 05:56 तक।

हिन्दू पंचांग के अनुसार प्रतिवर्ष श्री कृष्ण जन्माष्टमी से 1 या 2 दिन पूर्व हल षष्ठी व्रत पड़ता है। वर्ष 2024 में बलराम या बलदाऊ जयंती अथवा हल षष्ठी का पर्व 24 अगस्त, दिन शनिवार को मनाया जा रहा है। धर्मशास्त्रों के मुताबिक द्वापर युग में भगवान बलराम सृजन के देवता थे। श्री कृष्ण के बड़े भ्राता और भगवान विष्णु के अवतार भगवान बलराम के जन्म दिवस के रूप में हल षष्ठी अथवा हल छठ का त्योहार मनाया जाता है।

कथा : हल षष्ठी व्रतकथा के अनुसार प्राचीन काल में एक ग्वालिन थी। उसका प्रसव काल अत्यंत निकट था। एक ओर वह प्रसव से व्याकुल थी तो दूसरी ओर उसका मन गौ-रस यानि दूध-दही बेचने में लगा हुआ था। उसने सोचा कि यदि प्रसव हो गया तो गौ-रस यूं ही पड़ा रह जाएगा। यह सोचकर उसने दूध-दही के घड़े सिर पर रखे और बेचने के लिए चल दी किन्तु कुछ दूर पहुंचने पर उसे असहनीय प्रसव पीड़ा हुई।

वह एक झरबेरी की ओट में चली गई और वहां एक बच्चे को जन्म दिया। वह बच्चे को वहीं छोड़कर पास के गांवों में दूध-दही बेचने चली गई। संयोग से उस दिन हल षष्ठी थी। गाय-भैंस के मिश्रित दूध को केवल भैंस का दूध बताकर उसने सीधे-सादे गांव वालों में बेच दिया। उधर जिस झरबेरी के नीचे उसने बच्चे को छोड़ा था, उसके समीप ही खेत में एक किसान हल जोत रहा था। अचानक उसके बैल भड़क उठे और हल का फल शरीर में घुसने से वह बालक मर गया।

इस घटना से किसान बहुत दुखी हुआ, फिर भी उसने हिम्मत और धैर्य से काम लिया। उसने झरबेरी के कांटों से ही बच्चे के चिरे हुए पेट में टांके लगाए और उसे वहीं छोड़कर चला गया। कुछ देर बाद ग्वालिन दूध बेचकर वहां आ पहुंची। बच्चे की ऐसी दशा देखकर उसे समझते देर नहीं लगी कि यह सब उसके पाप की सजा है। वह सचने लगी कि यदि मैंने झूठ बोलकर गाय का दूध न बेचा होता और गांव की स्त्रियों का धर्म भ्रष्ट न किया होता तो मेरे बच्चे की यह दशा न होती। अतः मुझे लौटकर सब बातें गांव वालों को बताकर प्रायश्चित करना चाहिए। ऐसा निश्चय कर वह उस गांव में पहुंची, जहां उसने दूध-दही बेचा था। वह गली-गली घूमकर अपनी करतूत और उसके फलस्वरूप मिले दंड का बखान करने लगी। तब स्त्रियों ने स्वधर्म रक्षार्थ और उस पर रहम खाकर उसे क्षमा कर दिया और आशीर्वाद दिया।

बहुत-सी स्त्रियों द्वारा आशीर्वाद लेकर जब वह पुनः झरबेरी के नीचे पहुंची तो यह देखकर आश्चर्यचकित रह गई कि वहां उसका पुत्र जीवित अवस्था में पड़ा है। तभी उसने स्वार्थ के लिए झूठ बोलने को ब्रह्म हत्या के समान समझा और कभी झूठ न बोलने का प्रण कर लिया। अतः इस दिन हल षष्ठी व्रत करने तथा कथा सुनने से संतान को लंबी आयु तथा सुखी जीवन का आशीर्वाद मिलता है।

हथेली पर बना यह निशान बनाता है भाग्यशाली

हर किसी की हथेली पर कई तरह की शुभ अशुभ रेखाएं बनी होती हैं जो जातक के जीवन में विशेष प्रभाव डालती है हथेली पर कई तरह की रेखाएं बनती है जो शुभ अशुभ दोनों तरह का प्रभाव जीवन पर डालती है साथ ही भविष्य के बारे में भी बताती है।

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार आज हम आपको एक ऐसे शुभ निशान के बारे में बता रहे हैं जिसके हथेली पर होने से जातक करोड़ों में खेलता है इनके पास धन की कमी नहीं रहती है और खूब मान सम्मान भी हासिल होता है तो आइए जानते हैं कि वो कौन सा निशान है।

'X' का निशान बनाता है भाग्यशाली-

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार जिस किसी जातक की हथेली पर 'X' का निशान होता है वह बहुत ही भाग्यशाली माना जाता है। हस्तरेखा शास्त्र में इस चिह्न को बेहद ही शुभ बताया गया है। कहते हैं जिस जातक की हथेली पर यह निशान होता है उसे हर भौतिक सुख सुविधाओं की प्राप्ति होती है साथ जीवन भी खुशहाल बना रहता है।

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार अगर किसी जातक की हथेली के गुरु पर्वत पर 'X' का निशान बना होता है तो उसे जीवन में सभी सुख मिलते हैं ऐसे लोग अपने जीवनसाथी से बहुत प्रेम करते हैं और इनका वैवाहिक जीवन सुखहाल रहता है साथ ही इन्हें समाज में मान सम्मान की प्राप्ति होती है और ये लोग बड़ा मुकाम हासिल करते हैं। अगर हथेली के शनि पर्वत पर 'X' का निशान बना होता है तो इसे अशुभ माना जाता है शनि पर्वत पर इस चिह्न के बने होने से किसी अनहोनी के होने, वाद विवाद या चोट लगने के सं के त मिलते हैं ऐसे में जातक को सा व धा नी ब र त नी चाहिए।

मुंबई में भी है वैष्णोदेवी का दरबार

गुफाओं से गुजरकर होते हैं माता के दर्शन

भारत के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक जम्मू में स्थित माता वैष्णोदेवी का मंदिर है, जहां दूर-दूर से भक्त दर्शन करने के लिए आते हैं। ऐसा ही एक मंदिर मुंबई के मलाड में भी है। इस मंदिर का नाम वैष्णोदेवी मंदिर है। जम्मू में स्थित माता वैष्णोदेवी मंदिर की पवित्र गुफा की तर्ज पर मुंबई के मालाड में स्थापित वैष्णो देवी दिव्यधाम मंदिर श्रद्धालुओं का केंद्र बना हुआ है। इस मंदिर को बहुत ही खास तरीके से बनाया गया है।

मंदिर में है आर्टिफिशियल गुफा

जैसा कि जम्मू में स्थित वैष्णोदेवी मंदिर में दर्शन के लिए गुफा से होकर गुजरना पड़ता है, वैसे ही मलाड के इस मंदिर में भी गुफा से होते हुए माता के दर्शन करने को मिलता है। यह कोई असली गुफा नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल गुफा है। इसे इतनी बारीकी से बनाया गया है कि इसमें असली गुफा की तरह पानी भी बहता है। मंदिर में माता के अलावा भैरव बाबा की प्रतिमा भी है। यहां हर रोज बहुत से भक्त दर्शन करने आते हैं।

मंदिर बनाने का कारण

इस मंदिर को सेठ गिरीश शाह ने बनवाया था। इस मंदिर को बनवाने के पीछे की कहानी बहुत ही दिलचस्प है। एक बार सेठ गिरीश शाह जम्मू में माता वैष्णोदेवी के दर्शन के लिए गये थे। वहां से आने के बाद उन्हें ख्याल आया कि मेरे पास इतना सब होते हुए भी कितनी मुश्किल से माता के दर्शन करने जा पाया, तो जिन भक्तों को पैसों को कमी होगी या कोई और दिक्कत होगी, वो कैसे माता के दर्शन कर पायेंगे। इस ख़्याल के बाद उन्होंने मुंबई के मलाड में इस मंदिर का निर्माण करवाया, ताकि जो भक्त जम्मू में स्थित माता वैष्णोदेवी के दर्शन करने नहीं जा पाता है, वो मुंबई में इस मिनी वैष्णोदेवी मंदिर में माता के दर्शन कर सकता है।

22 मूर्तियों वाला अनोखा मंदिर

जहां 3 धर्मों के लोग करते हैं पूजा

हर मंदिर और देवी देवताओं की प्रतिमाएं किसी न किसी धर्म को दर्शाती है। हर मंदिर किसी एक धर्म के लोगों के दर्शन के लिए होता है, पर मुंबई में एक ऐसा भी मंदिर है जहां एक नहीं बल्कि कुल तीन धर्म के देवी देवताओं की पूजा होती है। इस मंदिर का नाम त्रिमंदिर है। यहां तीन धर्म के भगवानों को पूजा जाता है। इसी वजह से इस मंदिर का नाम त्रिमंदिर है।

इस मंदिर में होती है 3 धर्मों के देवताओं की पूजा

इस मंदिर का पूरा परिसर हरे-भरे जंगल से घिरा हुआ है। इस मंदिर में दो 2 मंजिल हैं। पहली मंजिल पर मंदिर है और मंदिर के भूतल पर सत्संग हॉल है। मंदिर के भीतर, आपको जैन धर्म, शैव और वैष्णव तीनों धर्म देवताओं के साथ-साथ अन्य धर्मों के देवी-देवताओं की मूर्तियां मिलेंगी। इसी कारण यहां हर धर्म को मानने वाले भक्त दर्शन के लिए आते हैं।

सफेद संगमरमर से बना है मंदिर

इस मंदिर को समंदर से 300 फीट की ऊंचाई पर बनाया गया है। इस विशाल मंदिर में कुल 22 देवी देवताओं की मूर्ति है। इसके अलावा छोटे छोटे मंदिर भी है। यह मंदिर भक्तों के लिए सुबह 7 बजे से रात के 9 बजे तक खुला रहता है। इस मंदिर में हर रोज 2 बार आरती होती है। पूरा मंदिर दिखने में सफेद दूध जैसा लगता है, क्योंकि सफेद संगमर से बना है।

मुंबई में हैं कई सारे फेमस मंदिर

त्रिमंदिर के अलावा भी सपनों की नगरी मुंबई में कई सारे प्रसिद्ध मंदिर हैं। जैसे गणेश भगवान की पूजा के लिए आप सिद्धिविनायक मंदिर में जा सकते हैं। इसके अलावा मुंबई का महालक्ष्मी मंदिर भी बहुत फेमस है।

मुंबई के त्रिमंदिर में कैसे पहुंचे ?

त्रिमंदिर मुंबई के बोरिवली ईस्ट इलाके में है। 9 बजे के बाद आपको इस मंदिर में एंट्री नहीं मिलेगी, इसलिए 9 बजे से पहले जाने का प्लान बनाएं।

बनते-बनते बिगड़ रहे काम तो जन्माष्टमी के दिन जरूर करें ये उपाय

कुछ दिनों में जन्माष्टमी का त्योहार पूरे धूमधाम से देश भर में बनाया जाएगा। जन्माष्टमी का पर्व भगवान श्री कृष्ण को समर्पित रहता है। क्योंकि इस दिन भगवान श्री कृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल की पूजा आराधना की जाती है। माना जाता है कि लड्डू गोपाल की पूजा आराधना करने से घर में सुख समृद्धि की वृद्धि होती और संतान इच्छुक दम्पति को संतान के रूप मे पुत्र की प्राप्ति होती है। किसी भी देवी देवताओं की पूजा आराधना में उनका प्रिय भोग अवश्य लगाना चाहिए।

जन्माष्टमी भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। इस साल जन्माष्टमी का व्रत 26 अगस्त दिन सोमवार को रखा जाएगा। जन्माष्टमी के दिन लड्डू गोपाल की पूजा आराधना की जाती है। अगर भक्त का कोई भी कार्य बनते बनते बिगड़ जा रहा है या फिर समस्या उत्पन्न हो रही है तो फिर लड्डू गोपाल को उनका प्रिय भोग अवश्य लगाएं।

यह है लड्डू गोपाल का प्रिय भोग

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि लड्डू गोपाल को प्रिय भोग लगाने से वह बेहद प्रसन्न होते हैं, क्योंकि वह छुप छुप कर माखन खाते ही रहते हैं। इसलिए तो उन्हें प्यार से माखन चोर भी कहते हैं। लड्डू गोपाल का प्रिय भोग माखन मिश्री है। उसके बाद मखाने की खीर का भोग अवश्य लगाना चाहिए। इसके साथ ही नारियल का लड्डू भी चढ़ा सकते हैं। ज्योतिषाचार्य भी बताते हैं कि भोग में तुलसी का पत्ता अवश्य डालें। तुलसी को माता लक्ष्मी का रूप माना गया है। बिना तुलसी के पत्ते का भोग लगाने से भोग अधूरा माना जाता है।

क्या है व्रत की तिथि और पूजा का शुभ मुहूर्त

26 अगस्त दिन सोमवार को रोहिणी नक्षत्र अष्टमी तिथि पड़ने जा रही है, इसलिए इसी दिन जन्माष्टमी का व्रत रखा जाएगा। क्योंकि भगवान श्री कृष्ण का जन्म रोहिणी नक्षत्र अष्टमी तिथि के दिन चंद्रदय के बाद हुआ था तो जन्मआष्टमी के दिन रात 11 बजकर 05 मिनट के बाद ही पूजा आराधना कर भगवान श्री कृष्णा का जन्म कराएं।

राशि अनुसार घर में लगाएं पेड़-पौधे

बरगद, पलाश और पाकड़ लगाना चाहिए। सूर्य देव की कृपा से आरोग्य का वरदान मिलता है।

कन्या राशिः धन-धान्य में वृद्धि के लिए कन्या राशि के जातकों को चमेली और बेल पत्ते का पौधा लगाना चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मकता बनी रहती है।

तुला राशिः जीवन के हर क्षेत्र में कामयाबी प्राप्त करने के लिए तुला राशि वालों को नागकेशर का पौधा लगाना चाहिए।

वृश्चिक राशिः इस राशि के स्वामी मंगल हैं। इसलिए उन्हें सेमल का पेड़ लगाना चाहिए।

धनु राशिः इस राशि के स्वामी बृहस्पति हैं और ये सूर्य के नक्षत्र में आते हैं। इसलिए इन लोगों को शाल का पौधा लगाना चाहिए।

मकर राशिः शनि देव की कृपा प्राप्त करने के लिए मकर राशि के जातकों को शमी, साल और कटहल पौधा लगाना चाहिए।

कुम्भ राशिः कुंभ राशि के जातक यदि मदार और कदंब का पेड़ लगाते हैं तो जल्द ही मनचाहा फल देखने को मिलता है।

मीन राशिः मीन राशि के जातकों को नीम का पेड़ लगाना चाहिए।

मेष राशिः ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मेष राशि के जातकों को आंवले और गूलर का पौधा लगाना चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन में ग्रह दोष शांत रहते हैं।

वृष राशिः वृष राशि के जातक यदि अगर जामुन और बबूल का पेड़ लगाते हैं तो घर में हमेशा सुख-शांति बनी रहती है।

मिथुन राशिः अगरू और बांस का पौधा मिथुन राशि वालों के लिए बहुत ही शुभ होता है। इस उपाय को करने मिथुन राशि वाला व्यक्ति जल्द ही ऊंचाइयों को छूता है।

कर्क राशिः अपने भाग्य को प्रबल बनाने के लिए कर्क राशि के जातकों को नागकेशर का पौधा लगा सकते हैं। सिंह राशिः सिंह राशि वाले लोगों के स्वामी सूर्य होते हैं। इन लोगों को

आचार्य चाणक्य के अनुसार ये 5 अवगुण होते हैं मान हानि का बड़ा कारण

बिना सहायता के कुछ न कर पाने वाले लोग आप कभी न कभी ऐसे लोगों से मिले होंगे जो अपने बलबूते कुछ नहीं कर पाते। ऐसे लोग अक्सर झुंड के साथ मिलकर योजनाएं बनाते हैं और इनकी योजनाएं सफल नहीं हो पाती हैं, या अटक जाती हैं। चाणक्य ऐसे गुण वाले लोगों को अच्छा नहीं मानते। ऐसे लोगों पर से सबका विश्वास उठ जाता है और इसी कारण से समाज में इनकी कोई इज्जत नहीं रह जाती।

दूसरों का अनादर करने वाले लोग

चाणक्य कहते हैं कि, जो लोग दूसरों का आदर नहीं करते उनको भी कभी आदर-सत्कार नहीं मिलता। ऐसे लोग अक्सर खुद को महत्वपूर्ण दर्शाने की कोशिश करते हैं और दूसरों की बात पर कोई ध्यान नहीं देते। अगर आप भी दूसरों की अनादर करते हैं तो आपको इस गुण को दूर करने की कोशिश करनी चाहिए, नहीं दो आपको भी जीवन में मान-सम्मान नहीं मिलेगा।

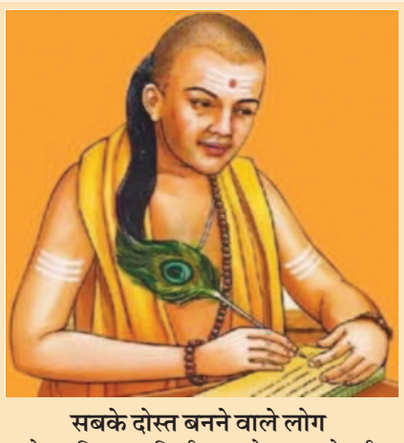

सबके दोस्त बनने वाले लोग

जो व्यक्ति हर किसी का दोस्त बनने की कोशिश करता है, वो असल में किसी का दोस्त नहीं होता। ऐसे लोग आपके सामने रहकर दूसरों को भला-बुरा बोलते हैं और दूसरों के पास जाकर आपकी बुराई करते हैं। इस तरह के लोगों से भी अक्सर अन्य लोग दूरी बनाना शुरू कर देते हैं, और इनका आदर भी कोई नहीं करता।

मीठी और बनावटी बातें करने वाले लोग

अगर आपको कोई व्यक्ति बहुत मीठी-मीठी बातें बनाता दिखे तो समझ जाइए वो अपने अंदर की कमियों को छुपाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे लोग भले ही ये सोचें की अपनी बातों से उन्होंने सामने वाले का दिल जीत लिया है, लेकिन सच्चाई ये होती है कि ज्यादा मिठास और बनावटी पर लोगों को आपसे दूर कर देता है।

जानवरों पर अत्याचार करने वाले लोग

जो लोग बेजुबान जानवरों के प्रति क्रूर होते हैं ऐसे लोगों की भी समाज में कोई इज्जत नहीं होती। इस तरह के लोगों से भी सब दूर भागते हैं, ऐसे लोगों भले ही दूसरों से आदर सत्कार की उम्मीद करें लेकिन इनके बुरे कर्मों के कारण लोग इनसे दूर रहना ही पसंद करते हैं।

'प्रभास के आगे ऋतिक कुछ नहीं', 17 साल पहले राजामौली ने ऋतिक रोशन को दिखाया था नीचा

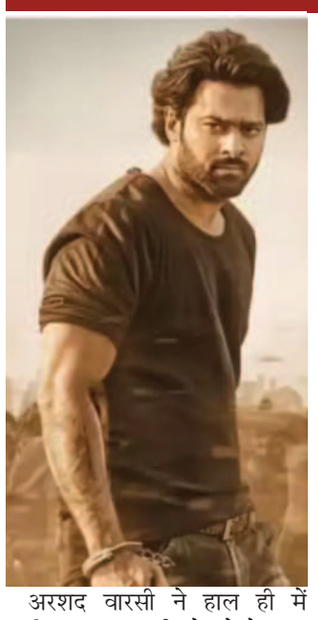

अरशद वारसी ने हाल ही में 'कल्कि 2898 एडी' देखने के बाद प्रभास की स्क्रीन प्रेजेंस पर सवाल उठाते हुए उन्हें जोकर कहा। इसके बाद बॉलीवुड और साउथ भारतीय सिनेमा के बीच बहस तेज हो गई है। जहां कई फिल्म प्रेमियों ने अरशद का सपोर्ट किया है, वहीं प्रभास के फैंस ने उनके कमेंट के लिए अरशद की आलोचना की है। इसके अलावा, इंटरनेट ने एसएस राजामौली का एक पुराना वीडियो भी खोजा है, जब उन्होंने कहा था कि ऋतिक रोशन के आगे कुछ नहीं हैं।

एक यूजर ने एक वायरल वीडियो शेयर किया जहां राजामौली प्रभास की 'बिल्ला' (2007) के प्रमोशन पर बोल रहे थे। फिल्ममेकर ने कहा, 'जब धूम 2 (2006) हिंदी में रिलीज हुई। मुझे दुख हुआ कि बॉलीवुड को अच्छी क्वालिटी क्यों नहीं मिल रही है। हमारे पास ऋतिक रोशन जैसे हीरो क्यों हैं? और आज, बिल्ला का गाना और पोस्टर देखने के बाद और अब हमने ट्रेलर देखा, अब मैं कहना चाहता हूं कि प्रभास की तुलना में ऋतिक रोशन कुछ भी नहीं हैं। तेलुगू सिनेमा बॉलीवुड से कहीं बेहतर है और अब हम अंग्रेजी फिल्मों

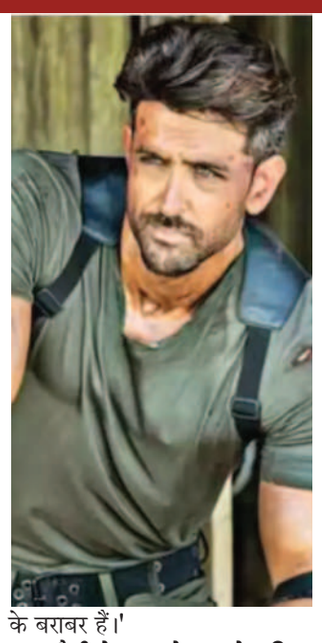

के बराबर हैं।'

राजामौली ने प्रभास के सामने ऋतिक को कहा था 'छोटा'

बाद में, एक बातचीत के दौरान, राजामौली ने साफ किया था कि उनका इरादा वॉर 2 एक्टर का अनादर करना नहीं था, क्योंकि उनके मन में उनके लिए बहुत सम्मान है।

ऋतिक के फैंस को हुई आपत्ति

वीडियो शेयर करते हुए एक यूजर ने उनके ट्वीट को कैप्शन दिया, '@ssrajamouli अगर आप बकवास करते हैं तो #Arshad-Warsi बिल्कुल जायज हैं। एक्टिंग, डांस, शारीरिक बनावट, स्क्रीन प्रेजेंस के मामले में #ऋतिकरोशन #प्रभास से मीलों आगे हैं। एक्टर ऋतिक की तुलना ढोंग करने वाले प्रभास (रोने वाली इमोजी) से नहीं की जा सकती।'

अल्लू अर्जुन ने भी राजामौली को किया सपोर्ट

इवेंट के एक और वीडियो में, अल्लू अर्जुन ने राजामौली के बयान को सही ठहराते हुए कहा, 'प्रभास का लुक बेहद अच्छा है। वह शानदार फाइट करते हैं और सभी में नंबर 1 हैं। जैसा कि राजामौली ने कहा, प्रभास के सामने ऋतिक रोशन कुछ भी नहीं हैं। यह सच है।' एक यूजर ने ट्वीट किया, 'ऋतिक के फैंस से कोई नफरत नहीं, लेकिन #अल्लूअर्जुन ने कथित तौर पर #प्रभास की तुलना में #ऋतिकरोशन को बेकार कहा! कुछ फंडिंग पेज अल्लू की तारीफ क्यों कर रहे हैं जबकि प्रभास से नफरत कर रहे हैं और केवल एसएसआर वीडियो पोस्ट कर रहे हैं और बॉलीवुड के वैश्विक बदलाव के बारे में अचानक वीडियो क्यों?

पॉडकास्ट 'अनफिल्टर्ड विद समदीश' में 'कल्कि 2898 एडी' के अपनी ईमानदार रिव्यू को देते हुए, 'अरशद ने कहा, प्रभास, मैं वास्तव में दुखी हूं, वह क्यों था... वह एक जोकर की तरह था। क्यों? मैं मैड मैक्स देखना चाहता हूं। मैं वहां मेल गिब्सन को देखना चाहता हूं। तुमने उसको क्या बना दिया यार। क्यों करते हो ऐसा मुझे नहीं समझ में आता।'

मनोज बाजपेयी ने बेचा मुंबई में अपना आलीशान घर 11 साल पहले खरीदा था, अब 9 करोड़ में हुई डील

बॉलीवुड के दमदार और दिग्गज एक्टर मनोज बाजपेयी को बीते दिनों 'गुलमोहर' के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड (स्पेशल मेंशन) मिला है। वह 100 फिल्में कर चुके हैं। उनकी 100वीं फिल्म 'भैया जी' पिछले दिनों रिलीज हुई थी। वह इसके प्रोड्यूसर भी थे। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह असफल रही। 55 साल के एक्टर के पास मुंबई में कई प्रॉपर्टीज हैं। खबर है कि उन्होंने इनमें से एक को बेच दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मनोज बाजपेयी ने अपना आलीशान अपार्टमेंट 9 करोड़ रुपये में बेच दिया है। यह घर उन्होंने साल 2013 में अपनी पत्नी शबाना बाजपेयी के साथ खरीदा था।

बताया जाता है कि 2013 में इस अपार्टमेंट की कीमत 6.4 करोड़ रुपये थी। ऐसे में 11 साल बाद इसे 9 करोड़ रुपये में बेचकर एक्टर ने 2.6 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। 'बॉलीवुड हंगामा' की रिपोर्ट में कहा गया है कि एक्टर ने तब 54 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी देकर यह घर खरीदा था। इस घर की रजिस्ट्री इसी साल अगस्त महीने में हुई थी।

मिनर्वा के महालक्ष्मी टावर में है ये अपार्टमेंट

मनोज बाजपेयी का यह घर मुंबई के मिनर्वा में स्थित है। यहां महालक्ष्मी टावर में मौजूद इस अपार्टमेंट का कारपेट एरिया 1247 स्क्वायर फीट है। मनोज बाजपेयी फिलहाल, अपनी पत्नी और बेटी के साथ अंधेरी के लोखंडवाला में रहते हैं। वह पिछले कुछ साल से वहां रह रहे हैं। ऐसे में अनुमान यही है कि एक्टर ने 2013 में महालक्ष्मी टावर में यह अपार्टमेंट संपत्ति निवेश के लिए ही खरीदी थी।

'स्त्री 2' को टक्कर देने आई आम्रपाली दुबे की भोजपुरी फिल्म 'घूंघट में घोटाला 3'

भोजपुरी सिनेमा के फैंस के बीच उत्साह खत्म होने वाला नहीं है क्योंकि 'घूंघट में घोटाला 3' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। आम्रपाली दुबे, प्रवेश लाल यादव, नीलम गिरी और ऋचा दीक्षित अभिनीत यह फिल्म हॉरर और कॉमेडी के एक रोमांचक मिश्रण का वादा करती है जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगी। 'घूंघट में घोटाला 3' लोकप्रिय भोजपुरी हॉरर फ्रेंचाइजी का नया वर्जन है, जो डर और मनोरंजन के अनूठे मिश्रण के लिए जाना जाता है। फिल्म की पहली झलक में लीड एक्टर्स को दिखाया गया था, जिसमें आम्रपाली दुबे, जिन्हें आखिरी बार ब्लॉकबस्टर 'निरहुआ हिंदुस्तानी 4' में देखा गया था, से एक बार फिर दर्शकों को प्रभावित करने की उम्मीद है। फिल्म में प्रवेश लाल यादव, नीलम गिरी और ऋचा दीक्षित भी शामिल हैं, जो फिल्म में कॉमेडी का तड़का लगाते नजर आएंगे।

आम्रपाली दुबे ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर भी शेयर किया था, उन्होंने टैगलाइन के साथ एक मजेदार अनुभव को छेड़ते हुए लिखा, 'घूंघट में घोटाला 3 महिलाओं को डराने के लिए आ रहा है।' उम्मीद है कि फिल्म का हॉरर और कॉमेडी का मिश्रण ज्यादातर दर्शकों को अपनी ओर खींचेगा, जो भोजपुरी सिनेमा के फैंस और हंसी-मजाक का आनंद लेने वालों लोगों को पसंद आएगा।

निरहुआ के साथ पिछली फिल्म

भोजपुरी फिल्म 'घूंघट में घोटाला 3' के पोस्टर से लेकर ट्रेलर पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, भूतनी चाची। वहीं दूसरे ने लिखा- धांसू है यार। एक ने लिखा- मजा आने वाला है भाई। वर्कफ्रंट की बात करें तो आम्रपाली दुबे आखिरी बार दिनेश लाल निरहुआ के साथ 'निरहुआ हिंदुस्तानी 4' में नजर आई थीं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। आम्रपाली दुबे और निरहुआ की ये फिल्म 15 अगस्त को रिलीज हुई थी और अब भी लोग इसे देखने के लिए जा रहे हैं।

महिला के टच से अनकंफर्टेबल हुईं हेमा मालिनी

छूने पर चिढ़कर बोलीं- हाथ मत लगाओ, सोशल मीडिया पर हुईं ट्रोल

हेमा मालिनी हाल ही में भजन लॉन्च इवेंट के लिए इस्कॉन टेंपल पहुंची थीं। इस इवेंट से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक्ट्रेस एक महिला के टच से इरिटेट होकर उसका हाथ हटाती हुई नजर आ रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद से ही हेमा मालिनी को उनके बर्ताव के लिए जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

दरअसल, हेमा मालिनी भजन के रिलीज इवेंट के लिए इस्कॉन टेंपल पहुंची थीं। इवेंट में अनुप जलोटा और नितिन मुकेश समेत कई सेलेब्स शामिल हुए थे। इवेंट में हेमा, भजन गायक अनुप जलोटा के साथ तस्वीरें क्लिक करवा रही थीं कि तभी सफेद कपड़े पहने हुए एक महिला, हेमा मालिनी के साथ तस्वीर क्लिक करवाने आ गईं। महिला हेमा मालिनी के करीब आईं और उन्होंने कंधे पर हाथ रखने की कोशिश की। इससे एक्ट्रेस चिढ़ गईं और असहज होते हुए उनका हाथ हटाने लगीं। साथ ही उन्होंने कहा- हाथ मत लगाओ।

महिला ने आगे हेमा मालिनी से दूरियां बनाईं और तस्वीरें क्लिक करवाईं, लेकिन इस दौरान भी हेमा असहज ही नजर आईं। वीडियो सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर लगातार हेमा मालिनी को ट्रोल किया जा रहा है। एक यूजर ने लिखा है, आप ऑडियंस और फैंस की वजह से स्टार बनी हैं। क्या गलत है अगर वो आपके साथ तस्वीर क्लिक करवाते हुए कंधे में हाथ रख दे। ये खुद को क्या समझते हैं।

वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है, ये लोग कभी भी जमीन से जुड़ी हुई पर्सनालिटी नहीं थे, ये बस स्क्रीन पर शो ऑफ करते हैं।

वहीं एक्ट्रेस मलिश्का, हेमा मालिनी के सपोर्ट में आगे आई हैं। उन्होंने वीडियो पर कमेंट कर लिखा है, लोगों को उनकी मर्जी के खिलाफ मत छुओ। अगर वो कंफर्टेबल नहीं हैं, तो नहीं हैं। ये एटीट्यूड नहीं डीसेंसी और स्पेस है। सिर्फ इसलिए कि हम किसी को स्क्रीन किसी तरह देखते हैं, इसका मतलब ये नहीं है कि वो रियल नहीं हैं, जिन्हें एक अनजान के बिना इजाजत छूने से असहज महसूस हो।

सलमान खान और आमिर खान 30 साल बाद फिर साथ करेंगे फिल्म?

सलमान खान और आमिर खान जब 'अंदाज अपना अपना' में नजर आए थे, तो तहलका मचा दिया था। दोनों की जोड़ी के साथ-साथ फिल्म भी कल्ट क्लासिक बन गई। इसके बाद से सलमान और आमिर ने किसी फिल्म में काम नहीं किया, और फैंस इंतजार ही करते रह गए। पर ऐसा लगता है कि अब सलमान और आमिर 30 साल बाद एक फिल्म में साथ आने वाले हैं। ऐसा आमिर खान प्रोडक्शन्स के एक पोस्ट से लग रहा है। फैंस सवाल पूछ रहे हैं कि क्या सच में सलमान और आमिर 30 साल बाद साथ आ रहे हैं?

दरअसल हाल ही आमिर के प्रोडक्शन हाउस ने सलमान का 14 साल पुराना ट्वीट खोज निकाला और उस पर रिएक्ट किया। सलमान ने साल 2010 में आमिर के लिए ट्वीट किया था, 'फिल्म के बाद मैंने आमिर को खुद को छूने नहीं दिया। अगर मुझे गोल्ड में बदल देता तो?' इस ट्वीट पर अब 14 साल बाद आमिर खान प्रोडक्शन्स ने जवाब में लिखा, 'हम इसके बारे में बहुत सोचते हैं।'

फैंस हुए क्रेजी, पूछा- क्या पक रहा है? फिल्म आ रही क्या?

इस पर कयासों का दौर शुरू हो गया है और हर कोई पूछ रहा है कि क्या दोनों की नई फिल्म आ रही है। एक फैन ने लिखा है, 'नई फिल्म का हिंट है क्या?' एक अन्य फैन ने लिखा, 'दोनों साथ में कोई फिल्म करने जा रहे हैं।' फैंस जहां सलमान और आमिर के साथ आने को लेकर एक्साइटेड हैं, वहीं दोनों खान में से किसी ने भी इस पर रिएक्ट नहीं किया है।

मुंज्या' फेम अभय वर्मा ने एक्टर्स को बनाया अपना टीचर

बोले- फिल्म इंस्टीट्यूट की फीस लायक पैसे नहीं थे, जो भी सीखा फिल्में देखकर ही सीखा

दिनेश विजान के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स के तहत बनी फिल्म 'मुंज्या' का टीवी पर पहली बार 24 अगस्त को प्रीमियर होने जा रहा है। फिल्म में एक्टर अभय वर्मा लीड रोल में नजर आए है। इस फिल्म को मिली सफलता और आगे के प्रोजेक्ट्स समेत कई बातों पर उनसे खास चर्चा हुई।

छोटा फायदा यह हुआ कि मुझे लोगों के प्यार के साथ-साथ कई गिफ्ट्स भी मिल रहे हैं। कई फैंस ने मुझे मेरे स्केच बनाकर भेजे हैं। मुझे लगता है कि बहुत समय बाद कोई ऐसी फिल्म आई जिसे परिवार का सबसे छोटा मेंबर भी देख सकता था और बड़ा भी। यही वजह है कि लोगों ने मुझे एक्सेप्ट कर लिया।

बड़ा फायदा यह हुआ कि हाल ही में मुझे करण जौहर और इम्तियाज अली से काफी तारीफ मिली है। हां, मैं क्रिकेट बहुत खेलता था। नेशनल लेवल तक भी पहुंच गया था पर उसी बीच मेरा हाथ फ्रैक्चर हो गया, जिसके बाद से बॉलिंग करना मेरे लिए मुश्किल हो गया। इसी दौरान मेरा रूझान फिल्मों की ओर ज्यादा हो गया। मुझे फिक्शनल नॉवेल पढ़ने का भी शौक हो गया। मुझे लगता है कि एक्सीडेंट से मेरी लाइफ में काफी बदलाव हुए हैं।

'मन बैरागी' फिल्म मैंने 6 साल पहले की थी। ये मेरी पहली फिल्म भी है पर किसी कारण से यह रिलीज नहीं हो पाई। मैं संजय लीला भंसाली सर की फिल्म देखकर ही एक्टर बनने के लिए इंस्पायर हुआ था। उन्होंने ही ये फिल्म प्रोड्यूस की थी। खुशी है कि उन्हीं के साथ मुझे पहला मौका मिला खुद को स्क्रीन पर दिखाने का।

ईमानदारी से कहूं तो एक्टिंग ट्रेनिंग करने के लिए किसी बड़े फिल्म इंस्टीट्यूट जैसी जगह की फीस तो मैं अफोर्ड नहीं कर पाया। आगे मैं सीखना जरूर चाहूंगा। बाकी फिल्में देख-देख कर ही सीखा हूं थोड़ा बहुत तो इस लिहाज से मेरे टीचर एक्टर्स ही रहे हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि मैं इस फील्ड में आ चुका हूं तो सीखूंगा नहीं, मुझे जहां-जहां से कुछ भी नया सीखने को मिलेगा मैं सीखूंगा।

दिनेश विजान के साथ एक प्रोजेक्ट है तो। उसमें 'मुंज्या' जैसी ही एक दुनिया है। बाकी 'मुंज्या-2' भी आएगी इसका मुझे अभी पता नहीं है। लकी हूं कि कॅरिअर के इतने शुरुआती फेज में ही मुझे इतने अच्छे और बड़े प्रोजेक्ट मिल गए हैं।

मैंने अपने आपको किसी तरह के डिब्बे में बंद करके रखने की कोशिश नहीं की है। लोगों ने मुझे 'मुंज्या' के पहले भी काफी प्यार दिया है तो मैं क्यों खुद में किसी तरह का बदलाव लाना चाहूंगा। मैं तो कहूंगा कि कोई भी कहानी चाहे छोटी हो या बड़ी, चाहे उसमें दो ही लाइन क्यों न हो मेरी, या पूरी फिल्म हो। मुझे बस किरदार से मतलब होता है। वह क्या करने वाला है, उसकी वजह से क्या बड़े बदलाव हैं उस पर फोकस रहता है। मैं टीवी को थिएटर्स से बड़ा माध्यम मानता हूं। मैं खुद भी बचपन से स्टार गोल्ड देखता रहा हूं। आज मेरी ही फिल्म का इस चैनल पर रिलीज होना मेरे लिए एक बड़ी बात है। 24 अगस्त को मैं खुद ही अपनी फिल्म की पहली ऑडियंस बनने वाला हूं।

सलीम खान की दूसरी शादी पर बोले बेटे अरबाज

'मां ने कभी हेलन आंटी के बारे में गलत नहीं कहा, हम उन्हें बहुत प्यार करते हैं'

हाल ही में रिलीज हुई डॉक्यूमेंट्री 'एंग्री यंग मैन' चर्चाओं में बनी हुई है। डॉक्यूमेंट्री के तीसरे एपिसोड में सलीम खान और हेलन की जर्नी के बारे में बताया गया है। सलीम खान ने दो शादियां की थीं, पहली शादी सलमा खान के साथ हुई थी जिससे सलमान,अरबाज, सोहेल और अलवीरा का जन्म हुआ था। वहीं, उन्होंने दूसरी शादी अपने समय की चर्चित एक्ट्रेस हेलन से की थी।

फिल्म 'काबली खान' में साथ काम किया; नहीं होती थी बात

डॉक्यूमेंट्री 'एंग्री यंग मैन' में हेलन ने कहा, 'फिल्म काबली खान की शूटिंग चल रही थी। फिल्म में सलीम साहब ने विलेन का रोल निभाया था। वहीं, मैं फिल्म की हीरोइन थी। मैंने सलीम साहब को कभी विलेन के तौर पर इमेजिन नहीं किया था। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हमारे बीच कभी बात भी नहीं हुई। हां, फिल्म 'डॉन' की शूटिंग के दौरान पहली बार मैं उनसे सही मायनों में मिली थी।'

फिल्म 'डॉन' की शूटिंग के दौरान बढ़ी बॉन्डिंग

साल 1978 में रिलीज हुई फिल्म 'डॉन' में अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में थे। फिल्म की स्क्रिप्ट सलीम खान और जावेद अख्तर ने लिखी थी। सलीम खान बताते हैं, 'शूटिंग के बाद हेलन अक्सर मेरे पास आया करती थीं, हम ड्रिंक्स लेते और इसके बाद वे चली जाती थीं'। जब सलीम साहब से पूछा गया कि आपको कब हेलन से प्यार हुआ ? तो उनका जवाब था, 'प्यार तो आपने अगर किया होगा तो पता लगेगा'।

मां ने कभी हेलन आंटी के बारे में गलत नहीं कहा- अरबाज

डॉक्यूमेंट्री में अरबाज खान ने बताया कि उनकी मां सलमा ने कभी भी उनसे पिता सलीम खान और हेलन आंटी के बारे में गलत बात नहीं कही। अरबाज ने कहा कि हम आज भी उन्हें हेलन आंटी ही कहते हैं, क्योंकि वे तब हमारे लिए आंटी ही थीं। हम भले ही उन्हें आंटी कहें, लेकिन हम उन्हें अपनी मां की तरह प्यार करते हैं।

सलीम खान ने बच्चों से कहा था, तुम नहीं समझोगे

सलीम खान बताते हैं, 'मैंने अपने सभी बच्चों को बैठाया और उनसे कहा तुम अभी ये नहीं समझोगे, लेकिन जब बड़े होगे तब सब समझ आ जाएगा। मैं हेलन आंटी से प्यार करता हूं और मैं ये भी जानता हूं कि तुम उनसे उतना प्यार नहीं करोगे जितना अपनी मां से करते हो, लेकिन मैं चाहता हूं कि तुम सब उन्हें भी वही सम्मान दो जो अपनी मां को देते हो'।

जब अक्षय से सगाई पर बोलीं रवीना टंडन

कहा, 'लड़कियां हर हफ्ते बॉयफ्रेंड बदल लेती हैं मेरा मन एक एंगेजमेंट टूटने में लगा रह गया'

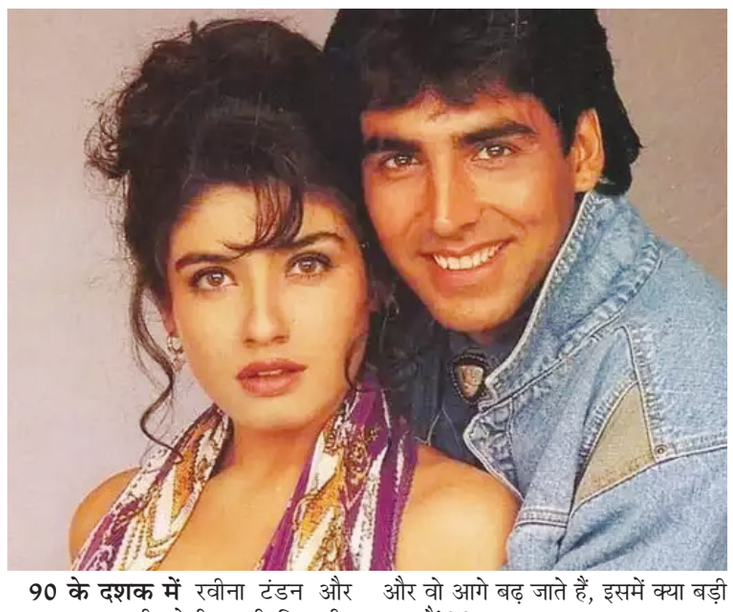

90 के दशक में रवीना टंडन और अक्षय कुमार की जोड़ी काफी हिट थी। दोनों की सबसे चर्चित फिल्मों में फिल्म 'मोहरा' का नाम शामिल है जो कि 1994 में रिलीज हुई थी। फिल्मों में साथ काम करते हुए रवीना और अक्षय रियल लाइफ में करीब आ गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने जल्दबाजी में सगाई भी कर ली थी हालांकि बाद में इनका ब्रेकअप हो गया और 1998 में दोनों अलग हो गए।

एंगेजमेंट टूटने की बात मेरे मन में अटक गईः रवीना

कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में रवीना से अक्षय से एंगेजमेंट के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा, 'हम 'मोहरा' के दौरान एक हिट जोड़ी बन चुके थे। आज भी जब हम किसी सोशल इवेंट में एक-दूसरे से मिलते हैं तो हम खूब बातें करते हैं। हर कोई आगे बढ़ जाता है। लड़कियां कॉलेज में एक-एक हफ्ते में बॉयफ्रेंड बदल लेती हैं, यहां पता नहीं क्यों एक एंगेजमेंट का टूटना मेरे दिमाग में अटका हुआ था। हर कोई आगे बढ़ जाता है, लोगों के तलाक हो जाते हैं और वो आगे बढ़ जाते हैं, इसमें क्या बड़ी बात है'??

'टिप टिप बरसा पानी' की शूटिंग के समय था बुखार

हाल ही में रवीना ने अक्षय के साथ हिट गाने 'टिप टिप बरसा पानी' की शूटिंग के बारे में भी बात की। रवीना ने इस दौरान बताया कि गाने की शूटिंग के वक्त उन्हें 102 डिग्री बुखार था क्योंकि इस गाने की पूरी शूटिंग उन्होंने बारिश में भीग-भीगकर की थी। फिल्म की शूटिंग गोवा के एक जेल में हुई थी। उस वक्त बारिश का मौसम नहीं था, जिस कारण नकली बारिश का जुगाड़ करके इस गाने को शूट किया गया था। मेकर्स को पानी के टैंकर का जुगाड़ करना पड़ा था। गाने के एक सीन में रवीना को जिस फ्लोर पर फिसलना था, वह इतना खुरदुरा था कि उसके कारण उनके घुटने छिल गए, उनके पांव में कील चुभ गई। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने डांस करना नहीं छोड़ा। आखिरकार कड़ी मेहनत और मुश्किलों के बाद यह गाना बनकर तैयार हुआ।

चिरंजीवी की कांस्टेबल के बेटे से 'मेगास्टार' बनने की कहानी

साउथ सिनेमा के 'मेगास्टार' चिरंजीवी 69 साल के हो गए हैं। 22 अगस्त को वह अपना जन्मदिन मना रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर भी उनमें एक गजब का स्वैग है। कुछ ऐसा कि वह अपने बेटे और सुपरस्टार राम चरण पर अभी भी भारी पड़ते हैं। चिरंजीवी एक दमदार एक्टर तो हैं ही, वह अपने दान-पुण्य के काम के लिए खूब मशहूर हैं। तेलुगू सिनेमा में चिरंजीवी की शख्सियत का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि नब्बे के दशक में वह अमिताभ बच्चन से भी अधिक फीस लेते थे। भारत सरकार ने उन्हें 2006 में पद्म भूषण और 2024 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया। वह भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे सफल एक्टर्स में से हैं। तेलुगू इंडस्ट्री में उनके नाम सबसे अधिक हिट फिल्मों का रेकॉर्ड है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कभी फिल्म के सेट पर उन्हें सरेआम बेइज्जत किया गया था। इसका खुलासा खुद चिरंजीवी ने किया था। बताया था कि उसी दिन उन्होंने तय किया था कि वह एक दिन सुपरस्टार जरूर बनेंगे।

चिरंजीवी का पूरा नाम, जन्म और माता-पिता

चिरंजीवी का पूरा नाम कोनिडेला शिवशंकर वरप्रसाद है। आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले के मोगलथुर में 22 अगस्त 1955 को वह पैदा हुए। पिता कोनिडेला वेंकट राव पुलिस कांस्टेबल थे। मां का नाम अंजना देवी। काम के कारण पिता का ट्रांसफर होता रहता था। इसलिए चिरंजीवी का बचपन गांव में ही

दादा-दादी के साथ बीता।

चिरंजीवी की पढ़ाई और परिवार

कॉमर्स से ग्रेजुएशन की डिग्री लेने के बाद चिरंजीवी चेन्नई आ गए। वहां उन्होंने 1976 में मद्रास फिल्म इंस्टिट्यूट में दाखिला लिया। साल 1980 में उन्होंने सुरेखा से शादी की, जो मशहूर तेलुगू एक्टर अल्लू रामलिंगैया की बेटी हैं। चिरंजीवी और सुरेखा की दो बेटियां सुष्मिता और श्रीजा हैं और एक बेटा राम चरण हैं। मेगास्टार एक्टर के दो भाई हैं। इनमें से नागेंद्र बाबू मशहूर एक्टर और प्रोड्यूसर हैं। जबकि दूसरे भाई पवन कल्याण हैं, जो अब सुपरस्टार एक्टर होने के साथ ही आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री भी हैं।

1978 में फिल्मों में डेब्यू, 1992 में ली थी 1.25 करोड़ की फीस

चिरंजीवी ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1978 में रिलीज 'प्रणाम खरीदू' फिल्म से की थी। हालांकि, उन्होंने इससे पहले 'पुनाधिरल्लू' फिल्म साइन की थी, जो 1979) में रिलीज हुई। साल 1990 आते-आते वह तेलुगू सिनेमा के सबसे बड़े स्टार बन चुके थे। साल 1992 में उन्होंने 'आपदाबंधवुडु' फिल्म के लिए 1.25 करोड़ रुपये की फीस ली थी। यह तब भारत में किसी भी दूसरे एक्टर से अधिक फीस थी। अमिताभ बच्चन भी उनसे पीछे छूट गए थे।

जब चिरंजीवी को सेट पर किया गया था जलील

बीते 46 साल से तेलुगू इंडस्ट्री में चिरंजीवी का सिक्का चल रहा है। हालांकि, उनका अपना स्ट्रगल रहा है। इसी साल की शुरुआत में एक कार्यक्रम में पहुंचे मेगास्टार ने बताया था कि कैसे एक फिल्म के सेट पर उन्हें सरेआज जलील किया गया था। वह तब जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर काम करते थे। चिरंजीवी ने कहा, 'मैं कई दूसरे जूनियर कलाकारों के साथ जगय्या और सारदा जैसे बड़े एक्टर्स के साथ काम कर रहा था।'

उसी दिन सोच लिया था, एक दिन सुपरस्टार बनूंगा

चिरंजीवी ने फिल्म का नाम तो नहीं बताया, लेकिन कहा, 'एक दिन सेट पर डायरेक्टर मुझ पर बुरी तरह चिल्लाए। उन्होंने कहा- क्या आपको लगता है कि आप सुपरस्टार हैं?' चिरंजीवी ने आगे कहा, 'मैंने बहुत अपमानित महसूस किया। यह सही नहीं था। वह मुझे पूरे सेट के सामने चिल्लाए थे। उस दिन मैंने तय किया कि मैं सुपरस्टार बनूंगा। मैंने इस घटना का इस्तेमाल अपनी महत्वाकांक्षा को बढ़ाने के लिए किया। केवल मैं ही जानता हूं कि आज यहां तक पहुंचने के लिए मैंने कितनी मेहनत की है।'

ऑस्कर अवॉर्ड से आया था आमंत्रण, डबल रोल और ट्रिपल रोल में भी सुपरहिट

चिरंजीवी की काबिलियत और उनके स्टारडम का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि 1987 में एकेडमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर) के लिए आमंत्रित किए जाने वाले वह पहले दक्षिण भारतीय स्टार थे। वह एकमात्र ऐसे हीरो हैं जिन्होंने पर्दे पर सोलो, डबल रोल और ट्रिपल रोल, तीनों में सुपरहिट फिल्में दी हैं।

चैरिटेबल ट्रस्ट चलाते हैं चिरंजीवी, हजारों लोगों की बदल चुके हैं जिंदगी

चिरंजीवी अपने चैरिटेबल वर्क के लिए मशहूर हैं। उन्होंने 2 अक्टूबर 1998 को 'चिरंजीवी चैरिटेबल ट्रस्ट' की स्थापना की। ट्रस्ट में एक ब्लड बैंक और एक आई बैंक शामिल है। यह पूरे आंध्र प्रदेश में रक्त दान और नेत्र दान का सबसे बड़ा ट्रस्ट है। सितंबर 2022 तक CCT ने 930,000 यूनिट से अधिक रक्त जमा किए। इसमें से 70% गरीबों को मुफ्त में दिया गया। इसी तरह इस ट्रस्ट ने 2022 तक 4,580 कॉर्निया ट्रांसप्लांट करवाया है। बताया जाता है कि 350,000 से अधिक लोगों ने इस ट्रस्ट को अपनी आंखें दान देने का संकल्प लिया है।

चिरंजीवी की नेट वर्थ, संपत्ति और लग्जरी गाड़ियां

चिरंजीवी की नेट वर्थ 1650 करोड़ रुपये है। वह हर साल करीब 50 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करते हैं। मेगास्टार के पास हैदराबाद के जुबली हिल्स इलाके में लग्जरी विला है। इसकी कीमत 2022 में 28 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा उनके पास बेंगलुरु में भी पॉश प्रॉपर्टी है। वह लग्जरी गाड़ियों के भी शौकीन हैं। उनके पास रोल्स रॉयस फैंटम है, जिसकी कीमत 9 करोड़ रुपये है। इसके अलावा 1.2 करोड़ रुपये की रेंज रोवर वोग, 90 लाख रुपये की टोयोटा लैंड क्रूजर, 2.5 करोड़ रुपये की मर्सिडीज-बेंज एएमजी जी क्लास भी है। बताया जाता है कि चिरंजीवी के पास एक मिलियन डॉलर का एक प्राइवेट जेट भी है।

पति मैथियास बो का मैच देखने कभी नहीं गईं तापसी पन्नू, कहा- लाइव देखना लगता है तनावपूर्ण

अभिनेत्री तापसी पन्नू इन दिनों अपनी फिल्म 'खेल खेल में' और 'फिर आई हसीन दिलरुबा' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में दिए गए एक साक्षात्कार में तापसी ने खुलासा किया कि उन्होंने कभी अपने पति मैथियास बो को लाइव खेलते हुए नहीं देखा है, क्योंकि उन्हें तेज गति वाले मैच देखना तनावपूर्ण लगता है। बता दें कि तापसी ने मार्च 2024 में उदयपुर में एक निजी समारोह में मैथियास बो से शादी की है। हाल ही में अभिनेत्री मैथियास का समर्थन करने के लिए पेरिस ओलंपिक में गई थीं, क्योंकि वह पुरुष युगल बैडमिंटन टीम के कोच थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एएनआई से बातचीत में तापसी ने बताया कि यह मैथियास का आखिरी ओलंपिक हो सकता है, इसलिए वह पहुंची। उन्होंने कहा, 'यह आखिरी ओलंपिक हो सकता है जिसमें मैथियास हिस्सा लेंगे। इसलिए मैं वहां पहुंची। मैं उन्हें खेलते हुए देखने कभी नहीं गई, क्योंकि उन्हें लाइव खेलते हुए देखना बहुत तनावपूर्ण था।'

तापसी और मैथियास अब तक जितने साल साथ रहे हैं, उसमें तापसी केवल दो से तीन सुपर सीरीज टूर्नामेंट में उन्हें खेलते हुए देखने गई हैं, लेकिन प्रमुख टूर्नामेंट में वह जाने से बचती रही हैं। हालांकि, मैथियास अब खिलाड़ी नहीं बल्कि कोच हैं, इसलिए अभिनेत्री को लेगा कि कम तनावपूर्ण स्थिति में उनके एक्शन को देखना महत्वपूर्ण होगा।

अपनी ट्रोलिंग को लेकर तापसी पन्नू ने कहा कि ट्रोलिंग हर किसी के जीवन का हिस्सा बन गई है और उनका मानना है कि ट्रोल होना उनकी प्रासंगिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अगर वह प्रासंगिक नहीं होतीं, तो लोग उन पर अपना समय और ऊर्जा खर्च नहीं करते।

तापसी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार अक्षय कुमार, एमी विर्क, वाणी कपूर, प्रज्ञा जायसवाल, आदित्य सील और फरदीन खान के साथ 'खेल खेल में' दिखाई दी हैं। इसके बाद, वह 'वो लड़की है कहां' में नजर आएंगी।

क्या 'वीडी 14' फिल्म में डबल रोल निभाएंगे विजय देवरकोंडा?

फैमिली स्टार के फ्लॉप होने के बाद हाल ही में विजय देवरकोंडा ने कल्कि 2898 एडी में एक विशिष्ट भूमिका निभाई थी। अर्जुन के रूप में उनके अभिनय को लोगों ने खूब पसंद किया था। इस फिल्म के बाद अभिनेता की एक और फिल्म को लेकर काफी चर्चा हो रही है।

फिल्म का अस्थाई नाम वीडी 14 है। यह एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें विजय अपनी अदाकारी का जलवा दिखाते नजर आने वाले हैं। हाल ही में इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में वह डबल रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म अभी प्रोडक्शन के शुरुआती चरण में हैं।

ब्रिटिश काल की दिखेगी कहानी

रिपोर्ट्स की मानें तो अगले साल की पहली छमाही तक इसकी शूटिंग शुरू होने की उम्मीद

है। दावे के मुताबिक फिल्म में विजय पिता और पुत्र के किरदार में दिखेंगे। फिल्म की कहानी को ब्रिटिश काल के इर्द-गिर्द बुना गया है, जिसे फ्लैशबैक दृश्यों के माध्यम से लोगों के सामने रोचक अंदाज में पेश करने की कोशिश की जाएगी। कहा जा रहा है कि फिल्म में पिता का किरदार शक्तिशाली व्यक्ति के रूप में चित्रित किया जा सकता है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक इन रिपोर्ट्स की पुष्टि नहीं की है।

इस साल मई में विजय ने अपनी इस फिल्म का एक पोस्टर साझा किया था। इसके लिखा था, ₹महाकाव्य लिखे नहीं जाते, वे नायकों के खून में उकेरे जाते हैं। पोस्टर में सूखी जमीन पर एक योद्धा की प्राचीन मूर्ति दिखाई दी थी, जो अपने घोड़े पर सवार है और तलवार थामे हुए है। फिल्म में कहानी 1854 से 1878 के बीच की दिखाए जाने की उम्मीद है। विजय देवरकोंडा और राहुल सांकृत्यायन ने इससे पहले 2018 की फिल्म 'टैक्सीवाला' में साथ काम किया था, जिसमें प्रियंका जावलकर, मालविका नायर, मधुनंदन, रवि वर्मा, शिजू ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं।

मलयालम के बाद अब तमिल इंडस्ट्री पर लगे संगीन आरोप एक्ट्रेस सनम शेट्टी बोलीं- यहां भी खूब होता है यौन शोषण

जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट ने साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में भूचाल ला दिया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रेसेस की हालत बदतर है। वहां महिलाओं का यौन शोषण चरम पर है। मलयालम फिल्मों ने जहां हमें मोहनलाल, ममूटी, दुलकर सलमान और फहाद फासिल जैसे स्टार्स दिए हैं, उसी इंडस्ट्री पर आई रिपोर्ट में संगीन आरोप हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि वहां जूनियर आर्टिस्ट और क्रू मेंबर्स की स्थिति जानवरों से भी बदतर है। अब इसी बीच तमिल फिल्मों की एक्ट्रेस सनम शेट्टी ने कॉलीवुड पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। सनम का कहना है कि तमिल फिल्मों की दुनिया में भी महिलाओं का खूब उत्पीड़न होता है और वो जो भी कह रही हैं, अपने अनुभवों से कह रही हैं। सनम शेट्टी तमिल फिल्मों की जानीमानी एक्ट्रेस हैं। वह 'बिग बॉस तमिल' की भी कंटेस्टेंट रह चुकी हैं। सनम ने दावा किया कि तमिल फिल्म उद्योग में सिर्फ महिलाओं का ही नहीं, पुरुषों का भी यौन शोषण किया जाता है। मंगलवार को एक्ट्रेस चेन्नई पुलिस आयुक्त कार्यालय के बाहर जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दे रही थीं।

जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट पर सरकार को कहा धन्यवाद

सनम शेट्टी कोलकाता रेप और हत्या मामले के खिलाफ एक रैली आयोजित करने की अनुमति मांगने पुलिस आयुक्त के पास पहुंची थीं। वहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे हेमा कमेटी की रिपोर्ट की

डिटेल नहीं पता है। लेकिन मैं इस कदम का स्वागत करती हूं। मैं न्यायाधीश और केरल सरकार को इस तरह की रिपोर्ट लाने और मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के शोषण के सभी मुद्दों को लिस्ट करने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।'

एक्ट्रेसेस से सनम बोलीं- कॉम्प्रमाइज मत कीजिए, काम मिलेगा

सनम शेट्टी ने अपनी बात रखते हुए आगे कहा, 'तमिल सिनेमा की दुनिया में भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं। कोई भी मना नहीं कर सकता। मैं अपने अनुभव से बोल रही हूं।' एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'मैं इस खतरनाक और क्रूर हालात के खिलाफ आवाज उठा रही हूं कि काम पाने के लिए एडस्ट या कॉम्प्रमाइज ही एकमात्र त री का नहीं है। मैं अपने निजी अनुभव से कहती हूं, काम के लिए बेताब मत होइए। अगर आपको खुद पर भरोसा है, तो आपको बिना कॉम्प्रमाइज के काम मिल जाएगा। इसलिए, इंतजार करें।'

'इंडस्ट्री में हर कोई बुरा नहीं'

हालांकि, एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि इंडस्ट्री में हर कोई 'बुरा' नहीं है। इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ-साथ पुरुष भी यौन शोषण का सामना करते हैं। उन्होंने कहा कि वह यही चाहती हैं कि जिनके साथ भी ऐसा हुआ है, वह अपनी आवाज उठाए। सनम कहती हैं, 'इसके लिए बहुत हिम्मत की जरूरत होती है। लेकिन, प्लीज आगे आएं और ऐसे लोगों को बेनकाब करें।'

क्या है जस्टिस हेमा कमेटी रिपोर्ट

जानकारी के लिए बता दें कि सोमवार को केरल सरकार ने जस्टिस हेमा आयोग की रिपोर्ट जारी की। इसका गठन 2017 में एक प्रमुख मलयालम अभिनेत्री के अपहरण और त्रिशूर से कोच्चि जाते समय चलती कार में यौन उत्पीड़न के बाद किया गया था। इसमें 13 आरोपियों में से एक लोकप्रिय अभिनेता दिलीप हैं। रिपोर्ट में सिनेमा की दुनिया में महिलाओं के शोषण की चिंताजनक समस्याओं के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसमें सेट पर बुनियादी सुविधाओं की कमी, आर्थिक भेदभाव, यौन शोषण, बायकॉट करने और कास्टिंग काउच शामिल हैं।

पल में तोला पल में माशा है प्रभास की नई हीरोइन यूएस में पली-बढ़ी हसीना को सब कह रहे नेशनल क्रश

खूबसूरती के कद्रदानों के बीच इमानवी इस्माइल का नाम दो दिनों से चर्चा में है। सोशल मीडिया पर उन्हें नई 'नेशनल क्रश' भी कहा जा रहा है। इमानवी अचानक तब सुर्खियों में आ गईं, जब निर्देशक हनु राघवपुडी ने उन्हें प्रभास के साथ अपनी अगली फिल्म में कास्ट किया। जैसे ही फिल्म मे मुहूर्त की तस्वीरें सामने आईं, हर कोई इस हसीना पर लट्टू हो गया। पिछले हफ्ते हैदराबाद में एक भव्य पूजा समारोह के साथ फिल्म को लॉन्च किया गया है। प्रभास के साथ इस नए चेहरे को देखकर करोड़ों दिल फिसलने लगे हैं। हर कोई जानना चाह रहा है कि वो कौन हैं, कहां से आई हैं, तो आइए देर किस बात की, आपके सारे सवालों का जवाब ढूंढ़ने की कोशिश करते हैं। वैसे, मुहूर्त पूजा में अगर इमानवी की सादगी ने आपका भी दिल लूटा है, जो जरा खुद को संभालिए, क्योंकि आगे की तस्वीरों में उनके रूप के जलवे आपके होश उड़ा देंगे!

इमानवी हनु के डायरेक्शन प्रभास के अपोजिट जिस फिल्म से बड़े पर्दे पर आ रही हैं, वह एक पीरियड ड्रामा है। इस फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स कर रहे हैं। फिल्म में प्रभास के अलावा उन्हें मिथुन चक्रवर्ती और जया प्रदा जैसी दिग्गजों के साथ काम करने का मौका मिला है।

डांसर और कंटेंट क्रिएटर है इमानवी इकबाल इस्माइल

इमानवी इस्माइल का पूरा नाम इमान इकबाल इस्माइल है। उनका पहला परिचय तो ये है कि वह एक एक डांसर और कंटेंट क्रिएटर हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। इंस्टाग्राम पर इमानवी के 881k फॉलोअर्स हैं, जो अब तेजी से बढ़ रहे हैं।

2020 में वायरल हुआ था 'रमता जोगी' पर डांस वीडियो

इमानवी एक एक यूट्यूब चैनल भी चलाती हैं, जिसके

1.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इमानवी पहली बार चर्चा में तब आई थीं, जब 2020 में फिल्म 'ताल' के गाने 'रमता जोगी' पर उनका डांस वीडियो वायरल हुआ था।

साल 2023 में 'एनिमी' के गाने 'तुम तुम' पर उनका डांस वीडियो पर आग की तरह फैला। उन्होंने अपने वीडियो के लिए कई मशहूर कंटेंट क्रिएटर्स के साथ भी काम किया है।

इमान इकबाल इस्माइल का जन्म एक फौजी परिवार में हुआ। उनके पिता इकबाल इस्माइल खान ने सेना में सेवा दे चुके हैं। दिल्ली में पैदा हुईं इमानवी आठ साल की उम्र में परिवार के साथ कैलिफोर्निया चली गईं।

शॉर्ट फिल्म 'बीइंग साराह' से किया था एक्टिंग डेब्यू

इमानवी को पहला एक्टिंग ब्रेक इलियास कुरैशी ने दिया। इलियास के डायरेक्शन में बनी एक शॉर्ट फिल्म 'बीइंग साराह' में इमानवी ने काम किया है। यह उनका एक्टिंग डेब्यू था।

29 साल की हैं इमानवी इस्माइल

इमानवी का जन्म 20 अक्टूबर 1995 को हुआ। वह 29 साल की हैं। इसी साल 2024 की शुरुआत में डांसर ईशानी पटेल से बात करते हुए इमानवी ने बताया कि उन्होंने कभी डांस की ट्रेनिंग नहीं ली है। जो सीखा है, वह देखकर सीखा है।

इमानवी बताती हैं, 'मेरी मां ने बचपन से ही मुझे रेखा, माधुरी दीक्षित, वैजयंतीमाला जैसी सदाबहार और खूबसूरत अभिनेत्रियों को खूब दिखाया है। मां कहती थी कि इनके हाव-भाव देखो, वो कैसे चलती हैं। मैंने उनको देखकर बहुत कुछ सीखा है।'

क्या है प्रभास और इमानवी की फिल्म की कहानी

बहरहाल, इमानवी डांस में तो दमदार हैं ही, वह अपनी अदाओं से दीवाना बनाना भी बखूबी जानती हैं। वैसे बड़े पर्दे पर प्रभास के साथ उनकी पहली फिल्म एक ऐतिहासिक घटना पर बनी है। यह कहानी एक योद्धा की है, जो अपने देशवासियों को न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ रहा है। वह यह मानता है कि युद्ध ही दफन अन्याय और भूली हुई सच्चाइयों का एकमात्र जवाब है, जिसे इतिहास ने दुनिया से छिपा

कर रखा था। यह कहानी 1940 के दशक में सेट है।

निर्मला सीतारमण ने अफसरों को दिया है टारगेट

6 महीने में खत्म करना होगा काम

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आपका बॉस आपको कोई टारगेट दे और उसकी टाइमलाइन भी फिक्स कर दे, तब आपके ऊपर उस काम को करने का बहुत प्रेशर होता है. ये बात सिर्फ प्राइवेट जॉब में लागू नहीं होती, बल्कि सरकारी मंत्रालयों में भी अधिकारियों को मंत्रियों के आदेश पर इसी तरह काम करना होता है.

जैसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल बजट में उनके मंत्रालय के तहत आने वाले एक विभाग को 6 महीने में एक बेहद जरूरी काम को निपटाने का आदेश दिया, जिसे तय समय में पूरा करने के लिए अधिकारी भी जी जान से जुटे हैं. दरअसल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले महीने जब 2024-25 का पूर्ण बजट पेश किया था, तब उन्होंने कहा था कि सरकार देश में डायरेक्ट टैक्स को आसान बनाने की कोशिश कर रही है. इसलिए सरकार आयकर कानून 1961 की समीक्षा 6 महीने के भीतर करेगी. अब केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अधिकारी इसमें जी जान से जुटे हैं.सीबीडीटी के चेयरमैन रवि अग्रवाल का कहना है कि आयकर कानून-1961 की समीक्षा का काम 6 महीनों की निर्धारित समयसीमा में पूरा कर लिया जाएगा आयकर विभाग का नियंत्रण सीबीडीटी ही करता

है.इसलिए उससे जुड़ी किसी भी नीति या किसी भी बदलाव पर आखिरी फैसला सीबीडीटी ही करती है.

सीबीडीटी के चेयरमैन रवि अग्रवाल का कहना है कि उनकी टीम के पास इनकम टैक्स कानून के रिव्यू का बड़ा काम है. इसका मकसद देश में टैक्स से जुड़ी मुकदमेबाजी को कम करना और टैक्सपेयर्स को राहत प्रदान करना है. रवि अग्रवाल ने कहा कि सीबीडीटी ने इसके लिए मिशन मोड में काम शुरू कर दिया है. यह काम चुनौतीपूर्ण और बड़ा बदलाव लाने वाला है.सीबीडीटी चेयरमैन का कहना है कि देश में इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की नई व्यवस्था कुछ साल पहले शुरू की गई थी. ये लोगों को बहुत पसंद आ रही है. करीब 72 प्रतिशत टैक्सपेयर्स ने इसे चुना है. रिटर्न भरने की अंतिम तारीख 31 जुलाई तक 58.57 लाख लोगों ने पहली बार आयकर रिटर्न दाखिल किए. अब तक फेस-लैस सिस्टम के तहत कुल 6.76 लाख इनकम टैक्स एसेसमेंट पूरे किए गए हैं, जबकि जुलाई तक 2.83 लाख अपीलों को अंतिम रूप दिया गया.

'एमएसएमई के प्रति और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाएं', डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन ने ऋणदाताओं को दी नसीहत

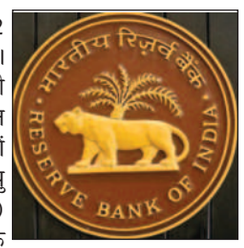

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने वित्तीय संस्थानों से एमएसएमई (लघु व मध्यम उद्योगों) के प्रति अधिक संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने को कहा है। डिप्टी गवर्नर ने एमएसएमई के लिए ऋणों के पुनर्गठन विकल्पों जैसे सहायक उपायों को लागू करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि ऐसा करना चाहिए ताकि अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस क्षेत्र का समर्थन किया जा सके। विदेशी मुद्रा डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वार्षिक दिवस पर बोलते हुए, डिप्टी गवर्नर ने कहा कि एमएसएमई को किफायती ऋण तक पहुंच, भुगतान में देरी, बुनियादी ढांचे की अड़चनें और अनुपालन की आवश्यकताओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के मजबूत विकास के बिना भारत के आर्थिक परिवर्तन की यात्रा पूरी नहीं हो सकती। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा, एमएसएमई न केवल हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, बल्कि वे विकास, नवाचार और रोजगार के इंजन हैं। स्वामीनाथन ने कहा, हालांकि, इन उद्यमों को वास्तव में फलने-फूलने और आगे बढ़ने के लिए, वित्तीय क्षेत्र को नए समाधान, संवेदनशीलता और दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

हस्तशिल्प का निर्यात बढ़ाने के लिए नए बाजार खोजे जाएंगे

नई दिल्ली,22 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि हस्तशिल्पों का निर्यात बढ़ाने पर नए सिरे से जोर दिया जाए। इससे न सिर्फ शिल्पियों के लिए रोजगार के अवसर खुलते हैं बल्कि देश को विदेशी मुद्रा की भी प्राप्ति होती है। उनका कहना है कि जो देश परंपरागत रूप से भारतीय हस्तशिल्प की खरीदारी करते हैं, वहां तो फोकस हो ही, साथ नए बाजार खोजने पर भी जोर हो। वह बुधवार को हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद के 24वें हस्तशिल्प निर्यात पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे। इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि गिरिराज सिंह ने कहा कि हस्तशिल्प के निर्यात में बेहतरीन करने वालों को यहां पुरस्कार मिल रहा है। उन्हें 'चैंपियन' बताते हुए मंत्री ने उनसे असाधारण विरासत की मौजूदा ताकत को और बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने निर्यातकों से नए बाजारों की तलाश करने का भी आग्रह किया। साथ ही उम्मीद जताई कि डाइवर्सिफिकेशन को प्राथमिकता देने के साथ इस क्षेत्र में नए इंटर्न द्वारा विश्व बाजारों में भारत की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस अवसर पर केंद्रीय कपड़ा सचिव रचना शाह ने कहा कि हस्तशिल्प भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के अद्वितीय कला रूपों की विविधता का जश्न मनाने की आवश्यकता पर बल दिया और छोटे शहरों और गांवों को वैश्विक व्यापार से जोड़ने, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने और आजीविका प्रदान करने में हस्तशिल्प की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। शाह ने ब्रांडिंग और गुणवत्ता प्रमाणन मानकीकरण की बढ़ती आवश्यकता, प्रत्येक शिल्प को उसकी अनूठी कहानियों और परंपराओं से जोड़ने के महत्व और नए अवसरों की खोज करते हुए पारंपरिक निर्यात बाजारों को बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने बाजार पहुंच के विस्तार में ई-कॉमर्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी और निर्यात अवसरों का विस्तार करके इस क्षेत्र के विकास का समर्थन करने के लिए 50 ई-कॉमर्स हब स्थापित करने की सरकार की योजना का उल्लेख किया।

इस अवसर पर वर्ष 2019-20 के 62 विजेताओं और वर्ष 2020-21 के 61 विजेताओं को कुल 123 पुरस्कार प्रदान किए गए। उसमें एक प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार भी दिया गया। साल 1989 में स्थापित ये पुरस्कार चार व्यापक श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं।

सोना-चांदी के दाम घटे

10 शहरों के 24-22-18 कैरेट गोल्ड के रेट

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आप सोने-चांदी की खरीदारी करने के बारे में सोच रहे हैं तो बता दें कि घरेलू बाजार में सोना सस्ता है. वहीं चांदी की कीमतों में भी आज मामूली गिरावट देखने को मिल रही है. ऐसे में गोल्ड-सिल्वर की शॉपिंग पर आपको कम दाम चुकाने होंगे.

एमसीएक्स पर क्या है आज सोने का भाव?

वायदा बाजार यानी एमसीएक्स पर सोने का भाव में आज कमी देखने को मिल रही है. अक्टूबर वायदे के लिए सोना कल के मुकाबले 162 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर 71,668 रुपये पर आ गया है. वहीं बुधवार को सोना 71,830 रुपये पर बंद हुआ था.

चांदी के दाम भी घटे

सोने के अलावा घरेलू बाजार में चांदी के दाम भी कल के मुकाबले कम हुए हैं. चांदी गुरुवार को 73 रुपये सस्ती होकर 84,790 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बिक रही है. वहीं बुधवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी 84,863 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कम हुए सोने-चांदी के दाम-

घरेलू बाजार के अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के दाम कम हुए हैं.

कॉमैक्स पर गोल्ड 9.63 डॉलर की गिरावट के साथ 2,503.36 डॉलर प्रति औंस पर आ गया है. वहीं चांदी के दाम में भी आज कमी देखी जा रही है और यह कॉमैक्स पर कल के मुकाबले 0.10 डॉलर सस्ती होकर 29.51 डॉलर पर आ गई है।

एनएमडीसी में हिंदी प्रतियोगिता

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और कार्यालयीन कार्यों में इसके प्रयोग के उद्देश्य से आज "हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में कार्मिकों ने प्रतिभागिता की। रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने प्रतियोगिता के संचालक तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा "हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता" के संबंध में संक्षिप्त जानकारी देते हुए बताया कि कार्मिकों में राजभाषा हिंदी के प्रति रूचि उत्पन्न करने एवं दैनिक कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग में वृद्धि के उद्देश्य से एनएमडीसी में इस प्रकार की मासिक प्रतियोगिताओं का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। सीएच श्रीनिवास राव, उप महाप्रबंधक (नैगम संचार) ने प्रतिभागियों को नियमों की जानकारी दी। श्री राव ने हिंदी प्रश्नमंच प्रतियोगिता का संचालन किया। इसमें राजा बाबू एवं सुश्री अस्मिता, कार्पोरेट कम्युनिकेशन प्रोफेसनल्स ने उन्हें सहायता प्रदान की। प्रतियोगिता सात राउंड में सम्पन्न हुई। अंत में पांच सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों के.एन. सिंह, जयंत कुमार, शुभदर्शन साहू, दीपेन्द्र प्रताप सिंह एवं विशाल सिंह को पुरस्कृत किया गया। समन्वयन डॉ. रजिन्दर कौर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया तथा आयोजन राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा); देबाशीष घोष, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा); एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) तथा सुश्री फोजिया, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने सहयोग प्रदान किया।

देश की आर्थिक गति बरकरार

6.5 से 7 प्रतिशत वृद्धि हासिल करने की उम्मीद, वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट जारी

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अनियमित मानसून के बावजूद भारत की आर्थिक गति बरकरार है और आर्थिक समीक्षा में 6.5 से 7.0 प्रतिशत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर का अनुमान सही जान पड़ता है। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। जुलाई की मासिक आर्थिक समीक्षा के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2024-25 के पहले चार महीनों में अपनी गति बनाए रखी है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया, चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले चार (अप्रैल-जुलाई) महीनों में वस्तु एवं सेवा कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह कर आधार के विस्तार तथा आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के दम पर मुमकिन हुआ। रिपोर्ट में कहा गया, ''विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के क्रय प्रबंधकों के सूचकांक के मजबूत प्रदर्शन से भी घरेलू गतिविधियों में मजबूती का पता चलता है।

15 दिन में चार करोड़ आईटीआर की प्रक्रिया पूरी

31 जुलाई तक भरे गए सात करोड़ से ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए 15 दिन में चार करोड़ आयकर रिटर्न की प्रक्रिया पूरी की है। राजस्व सचिव संजय मलहोत्रा ने बताया कि 31 जुलाई तक कुल सात करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरे गए हैं। सचिव ने बुधवार को बताया, करीब 4.98 करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) की प्रक्रिया अब तक पूरी की गई है। इसमें से 3.98 करोड़ की प्रक्रिया 15 दिनों से भी कम समय में पूरी हुई है। एक दशक में प्रत्यक्ष कर राजस्व 5.59 लाख करोड़ से बढ़कर 20 लाख करोड़ रुपये हो गया है। जीडीपी के अनुपात में कर 5.6 फीसदी से बढ़कर 6 फीसदी पहुंच गया है।

करदाताओं को आसान भाषा में भेजें नोटिस शक्ति का विवेकपूर्ण इस्तेमाल: सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कर अधिकारियों से कहा, वे करदाताओं को भेजे जाने वाले नोटिस या पत्रों में सरल शब्दों का इस्तेमाल करें। साथ ही, शक्तियों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करें। 165वें आयकर दिवस पर आयोजित समारोह में वित्त मंत्री ने कहा, फेसलेस आकलन व्यवस्था लागू होने के बाद अधिकारियों को अधिक निष्पक्ष व मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना चाहिए।

छह माह में पूरी होगी समीक्षा

सीबीडीटी के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा, आयकर अधिनियम-1961 की समीक्षा छह महीने की निर्धारित समयसीमा में पूरी कर ली जाएगी।

कॉरपोरेट सेक्टर ने की रोजगार देने में कंजूसी

2023-24 में एम्पलॉयमेंट ग्रोथ रेट घटकर 1.5 फीसदी पर

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। देश के कॉरपोरेट सेक्टर में रोजगार सृजन की रफ्तार कम हो गई है. सार्वजनिक क्षेत्र की पीएसबी बैंक ऑफ बड़ौदा ने कॉरपोरेट सेक्टर में रोजगार के बढ़ने लेकर डेटा जारी किया है जिसके मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में कॉरपोरेट जगत में रोजगार सृजन के ग्रोथ रेट में 4.2 फीसदी की कमी आई है. 2022-23 में कंपनियों में 5.7 फीसदी के ग्रोथ रेट के साथ रोजगार की संख्या बढ़ी थी जो 2023-24 में केवल 1.5 फीसदी के दर से बढ़ी है.

2023-24 में केवल 90,840 लोगों को मिला रोजगार

बैंक ऑफ बड़ौदा ने कॉरपोरेट जगत में जॉब क्रिएशन को लेकर जो डेटा तैयार किया है उसके मुताबिक 1196 कंपनियों में वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 58,27,272 एम्पलॉयज थे जिनकी संख्या 2022-23 में 5.7 फीसदी के ग्रोथ रेट के साथ बढ़कर 61,60,968 हो गई. यानि इस अवधि के दौरान कुल 3,33,696 नए लोगों को कॉरपोरेट सेक्टर में रोजगार मिला. वित्त वर्ष 2023-24 में इन 1196 कंपनियों ने 1.5 फीसदी के ग्रोथ रेट के साथ केवल 90,840 नए लोगों को ही रोजगार दिए और कुल एम्पलॉयज की संख्या 62,51,808 हो गई. यानि 2023-24 में इन 1196 कंपनियों ने 1 लाख से भी कम लोगों को रोजगार दिए.

375 कंपनियों में घट गई एम्पलॉयज की संख्या

इस डेटा के मुताबिक 1196 कंपनियों में 700 कंपनियां ऐसी थी जिसमें एम्पलॉयज की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिली है जबकि 121 कंपनियों में एम्पलॉयज की संख्या में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है. 375 कंपनियां ऐसी हैं जिसमें एम्पलॉयज की संख्या में गिरावट देखने को मिली है.

कॉरपोरेट में बेहतर नहीं रही है एम्पलॉयमेंट ग्रोथ की तस्वीर

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी रिपोर्ट में कहा, वित्त वर्ष 2023-24 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए शानदार रहा है और 8.2 फीसदी जीडीपी ग्रोथ रेट रही है. वित्त वर्ष 2021-22 में भी जीडीपी ग्रोथ 9.7 फीसदी और 2022-23 में 7 फीसदी रही थी. शानदार जीडीपी ग्रोथ रेट के बावजूद ये अवधि ऐसे थे जब सेल्स के ग्रोथ रेट कमी देखने को मिली है जबकि मुनाफा बढ़ा है. जिन 1196 कंपनियों के एम्पलॉयमेंट डेटा को जुटाया गया है इन कंपनियों का सेल्स का आंकड़ा 2023-24 में 99.36 लाख करोड़ रुपये रहा था. बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा, कॉरपोरेट जगत में एम्पलॉयमेंट ग्रोथ की तस्वीर बहुत बेहतर नहीं रही है. रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 में रोजगार सॉजन में कॉरपोरेट सेक्टर का योगदान सतर्कता भरा रहा है।

एफएमसीजी स्टॉक्स ने फिर बाजार में भरा जोश, मिड-कैप शेयरों में छाई रौनक, सेंसेक्स-निफ्टी तेजी के साथ बंद

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। शानदार ग्लोबल संकेतों और घरेलू बाजार में देसी-विदेशी निवेशकों की खरीदारी के चलते गुरुवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है. आज फिर एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है. मिडकैप स्टॉक्स में भी आज के सत्र में तेजी रही. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 148 अंकों के उछाल के साथ 81,000 के ऊपर 81,053 अंकों पर बंद हुआ है. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 40 अंकों की तेजी के साथ 24,810 अंकों पर बंद हुआ है. आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 18 तेजी

के साथ और 12 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 25 तेजी के साथ और 25 गिरकर बंद हुए. तेजी वाले शेयरों में भारती एयरटेल 1.60 फीसदी, टाटा स्टील 1.38 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.38 फीसदी, टाइटन 1 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 0.91 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.85 फीसदी, मारुति 0.73 फीसदी, एसबीआई 0.45 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.44 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. जबकि गिरने वाले स्टॉक्स में महिंद्रा एँड महिंद्रा 1.20 फीसदी, एनटीपीसी 1.20 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.16 फीसदी, टीसीएस 1.13 फीसदी, पावर ग्रिड 0.83 फीसदी, सन फार्मा 0.76 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 0.74 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है. शेयर बाजार में तेजी के चलते आज के सत्र में भी निवेशकों की संपत्ति में बढ़ोतरी आई है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 460.51 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले सत्र में 459.24 लाख करोड़ रुपये रहा था. आज के सत्र में मार्केट कैप में 1.27 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है।

आकासा की सवारी करने की तैयारी में अजीम प्रेमजी और रंजन पई, जानिए क्या है प्लान

नई दिल्ली,22 अगस्त (एजेंसियां)। देश के टॉप अमीरों में शामिल अजीम प्रेमजी और रंजन पई आकासा एयरलाइन में बड़े निवेश की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक विप्रो के अजीम प्रेमजी और मणिपाल ग्रुप के रंजन पई के फैमिली ऑफिसेज का एक कंसोर्टियम इस एयरलाइन में करीब 125 मिलियन डॉलर का निवेश करने के लिए बातचीत कर रहा है। इसमें अजीम प्रेमजी का प्रेमजी इन्वेस्ट और रंजन पई का क्लेपॉन्ड कैपिटल शामिल है। यह फंडिंग 350 मिलियन डॉलर के वैल्यूएशन पर होगी। दिवंगत निवेशक राकेश झुनझुनवाला ने इसमें करीब 35 मिलियन डॉलर का शुरुआती निवेश किया था। तबसे इसकी वैल्यू चार गुना बढ़ चुकी है। कंसोर्टियम ने इसके ड्यू डिलिजेंस के लिए कंसल्टेंसी फर्म अल्वारेज एंड मार्सल को नियुक्त किया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह मे	सिंह-	05-42 बजे
चंद्र-	मीन मे	कन्या-	07-48 बजे
मंगल	वृष मे	तुला-	09-52 बजे
बुध-	सिंह मे	वृश्चिक-	12-02 बजे
गुरु-	वृष मे	धनु-	14-16 बजे
शुक्र-	सिंह मे	मकर...	16-24 बजे
शनि-	कुंभ. मे	कुंभ-	18-12 बजे
राहु-	मीन मे	मीन-	19-52 बजे
केतु-	कन्या मे	मेष--	21-28 बजे
		वृष..	23-21 बजे
		मिथुन..	01-12 बजे
		कर्क..	04-12 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय -06-03 सूर्यास्त. -18-35
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी 10-39 तक उपरान्त पंचमी
मास - भाद्रपद कृष्ण , शुक्रवार 23 August
नक्षत्र - रेवती 19-54 तक उपरान्त अश्विनी
योग - शूल 09-30 तक उप गण्ड
करण- बालव 10-39 तक उप कौलव
विशेष:- अमृत सिद्धि योग 06-18 से
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:44 से 12:19 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	06:03 - 07:36 शुभ	रोग	18:35 - 20:01 अशुभ
लाभ	07:36 - 09:10 शुभ	काल	20:01 - 21:27 अशुभ
अमृत.	09:10 - 10:44 शुभ	लाभ	21:27 - 22:53 शुभ
काल	10:44 - 12:19 अशुभ	उत्पात	22:53 - 00:19 अशुभ
शुभ	12:19 - 13:53 शुभ	शुभ	00:19 - 01:44 शुभ
रोग	13:53 - 15:27 अशुभ	अमृत	01:44 - 03:10 शुभ
उत्पात	15:27 - 17:01 अशुभ	चंचल	03:10 - 04:36 शुभ
चंचल	17:01 - 18:35 शुभ	रोग	04:36 - 06:03 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अगर आप बेरोजगार हैं, तो एक अवसर आज आपके दरवाजे पर अपनी दस्तक दे सकता है। दोनों हाथों से इसे ले । आपके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपया करके मुफ्त सलाह प्रदान करने वालो से दूर रहे । आप नौकरी पाने के पश्चात अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए ।आपको एक नए क्षेत्र से अवसर प्राप्त हो सकता है। विभिन्न क्षेत्रों से आप अपने लिए नौकरियों खोजे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

अपनी नौकरी के क्षेत्र मैं बदलाव लाने का ये उपयुक्त समय है । अगर आप नौकरी से सम्बंधित किसी दुविधा में थे तो ये समय नौकरी में परिवर्तन लाने का समय है जो की आपको उचित दिशा में ले जाएगा और आपके लिए फायदेमंद होगा । इस उपरांत अगर आपको कुछ जोखिम लेना पड़े तो न सोचे क्योंकि यह जोखिम ही आपको अंत में मददगार साबित होगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपको अपने कार्य करने के लिए विशेष ध्यान देना होगा क्योंकि आपके वरिष्ठ अधिकारी बारीकी से आपकी प्रगति को देखेंगे । वे आपके समर्पण भाव और मजबूत नेतृत्व के गुणों से प्रभावित होंगे । आज आपके थोड़े अधिक प्रयासों से आपके करियर को नयी गति मिल सकती है क्योंकि आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके इन गुणों को ध्यान में रखेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं , तो निकट भविष्य में अपने गृहनगर या देश में लौटने की उम्मीद कम है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपके व्यावसायिक कौशल में तेजी आयेगी और आप एक मजबूत भावना के साथ पेशेवर दौड़ में वापस स्थापित होंगे । आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे और अभी तक आप अपने कार्य और पद की तुलना में काफी अल्प आय प्राप्त कर रहे थे।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप कुछ दिनों से निर्णय नहीं ले पा रहे थे जिसका असर आपके व्यवहार में भी झलक रहा था पर ये समय ये सब बाते छोड़ कर कुछ कर दिखाने का समय है और साथ ही साथ अपने इस व्यवहार को बदलने का भी । आप बिना भयभीत हुए निर्णय ले जो की आपके भविष्य के लिए अछा साबित हो।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे । आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है , क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है , लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्बंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप स्वाभाविक रूप से शक्ति और अधिकार के लिए आकर्षित रहे हैं और इस वजह से हमेशा आपने ध्यान केंद्रित कर काम किया है। आपका परिश्रम आज फल दे सकता है , लेकिन आप अपना धैर्य बनाये रखें और अपने समय के साथ चले । ये भी आवयशक है की आप अपने मन को भी व्यस्थित एवं खुला रखे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं । आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है , क्योंकि आपको लगेगा की आपका करियर रुक सा गया है । हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है । आप सही रास्ते पर हैं ।अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपकी करियर से सम्भंधित योजना बिगड़ रही है। आप एक बात पर अपना दिमाग एकाग्रचित नहीं कर पा रहे है । आप सोच सोच कर समय को बर्बाद कर रहे हैं। आप किसी भी अनुभवी पेशेवर या एक कैरियर सलाहकार से सलाह ले सकते हैं। एक कैरियर सलाहकार के मार्गदर्शन से आप को एक मार्ग मिल सकता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आज से शाह का छत्तीसगढ़ दौरा, नक्सल मोर्चे पर बनेगी रणनीति

8 महीने में 146 नक्सली ढेर, 32 कैंप खुले, हिड़मा के गांव को जवानों ने भेदा

जगदलपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 23 अगस्त यानी कल शुक्रवार को रायपुर आएंगे। तीन दिवसीय दौरे पर वे यहां छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र के मुख्य सचिवों, पुलिस महानिदेशकों के अलावा केंद्र सरकार के सुरक्षा अधिकारियों की बैठक लेंगे।

नक्सलियों के खिलाफ जॉइंट ऑपरेशन को लेकर बड़ी रणनीति बन सकती है। शाह का यह 4 माह में दूसरा छत्तीसगढ़ दौरा है।

भाजपा सरकार में पिछले 8 महीने में 32 से ज्यादा नए कैंप खोले गए हैं। नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा के गांव में फोर्स ने दस्तक दे दी है। नक्सलियों के अभेद किले के नाम से चर्चित अबूझमाड़ को लगातार भेदा जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकार बनने से पहले शाह ने कहा था कि, 3 सालों के अंदर बस्तर से नक्सलवाद खत्म कर दिया जाएगा। अब सरकार बनते ही फोर्स डिफेंसिव नहीं बल्कि

अटैकिंग मोड पर है।

बीजापुर: जिले के सेंड्रा इलाके में 2 अप्रैल को हुई पुलिस नक्सली मुठभेड़ में 3 महिला समेत 13 माओवादियों को फोर्स ने मार गिराया था। यहां करीब 12 घंटे तक चली मुठभेड़ चली थी। फोर्स ने नक्सलियों की पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी और कंपनी नंबर 2 के नक्सलियों को ढेर किया।

कांकेर: 15 अप्रैल को कांकेर जिले के माड़ इलाके में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें नक्सली लीडर शंकर राव भी शामिल था। मुठभेड़ में बीएसएफ इंस्पेक्टर रमेश चौधरी सहित 3 जवान घायल हुए। उस दौरान मौके से 5 एके-47 बरामद की गईं थी। मुठभेड़ के वक्त नक्सली दोपहर का खाना खाकर बेफिक्र होकर बैठे थे। यह नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़ा सफल ऑपरेशन था।

नारायणपुर: छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर नारायणपुर के अबूझमाड़ इलाके में 29 अप्रैल की सुबह डीआरजी और एसटीएफ के जवानों के साथ हुई मुठभेड़ में जिसमें 63 लाख के 10 नक्सली मारे गए थे। इनमें 3 महिला माओवादी शामिल थीं। बाद में सभी शवों की पहचान भी हो गई थी। घटनास्थल से एक एके-47 समेत भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद हुआ था।

मार्च से लेकर जून तक नक्सलियों का टीसीओसी महीना चलता है। अब तक के नक्सल इतिहास में नक्सली अपने इस महीने में फोर्स के खिलाफ काफी आक्रामक रहे हैं। टेकलगुडेम, बुरकापाल, ताड़मेटला, रानीबोदली, अरनपुर में बड़े हमले किए हैं।

जिसमें सैकड़ों जवानों की शहादत हुई है। लेकिन इस साल नक्सलियों के टीसीओसी में फोर्स आक्रामक थी। नक्सलियों के ठिकानों में घुस-घुसकर माओवादियों को ढेर किया है। इसी तरह मानसून में भी लगातार ऑपरेशन चले हैं।

बस्तर के 13 गांव के नक्सलियों की हुकूमत चलती थी। इनमें दंतेवाड़ा के नेरली घाटी, कांकेर के पानीडोबरी, बीजापुर के गुंडम, पुतकेल, छुटवही, नारायणपुर के कस्तूरमेटा, इरकभट्टी, मसपुर, मोहंदी, सुकमा के मुलेर, परिया, सलातोंग, टेकलगुडेम, पूवर्ती, लखापाल पुलनपाड़ शामिल हैं। इन गांवों में सुरक्षाबलों का कैंप खुला है।

फोर्स ने इन इलाकों को अपने कब्जे में लिया। नक्सली कमांडर हिड़मा के वर्चस्व वाले पूवर्ती गांव में ग्रामीणों ने पुलिस जवानों के साथ मिलकर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। भारत माता की जय-जयकार के नारे लगाए गए।

बिन ब्याही मां के बेटे को 29 साल बाद मिला छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से हक

जैविक पिता की संपत्ति में वह भी होगा हकदार

रायपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अविवाहित महिला से जन्मे 29 वर्षीय व्यक्ति को उसका वास्तविक दर्जा और अधिकार प्रदान करते हुए उसे वैध पुत्र घोषित किया है। साथ ही अपने जैविक पिता से सभी कानूनी लाभ पाने का हकदार है। फैमिली कोर्ट के आदेश को पलटते हुए जस्टिस गौतम भादुड़ी और रजनी दुबे की खंडपीठ ने फैसला सुनाया कि निचली अदालत का फैसला 'विकृत' था और कानून के अनुरूप नहीं था।

सूरजपुर जिले के रहने वाले इस व्यक्ति ने अपने जैविक पिता से भरण-पोषण और संपत्ति में हिस्सा मांगा था। फैमिली कोर्ट ने उसकी याचिका को खारिज कर दी थी। इसके बाद आरोपी ने हाईकोर्ट का रूख किया था। याचिका के अनुसार, व्यक्ति के जैविक पिता और मां पड़ोसी थे और उनके बीच प्रेम संबंध थे, जिसके कारण वह गर्भवती हो गई।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट, ईडी दफ्तर के बाहर छत्तीसगढ़ कांग्रेस का धरना

भूपेश बोले- सरकार बदलते ही ईडी-सीबीआई की कराएंगे जांच, कार्यकर्ताओं ने कंधे पर उठाया

रायपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस धरना-प्रदर्शन कर रही है। रायपुर में ईडी दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया गया, इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भूपेश बघेल को कंधों पर उठा लिया है और आगे बढ़ते रहे। कांग्रेसियों से पुलिस की जमकर झड़प भी हुई। कांग्रेस हिंडनबर्ग मामले की जेपीसी जांच और एसईबीआई चीफ के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही है। गुरुवार को ईडी दफ्तर के पास पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ दीपक बैज समेत कई वरिष्ठ नेता धरने में शामिल हुए। इस दौरान, पूर्व सीएम ने कहा है कि, केंद्र में कांग्रेस सरकार बनते ही ईडी-सीबीआई जो जांच कर रही है उसकी भी जांच कराएंगे।

अगर ईडी निष्पक्ष जांच कर रही होती तो कांग्रेस के लोगों को प्रदर्शन करने की जरूरत नहीं होती, ईडी केवल बीजेपी को सुरक्षित करने के लिए कार्रवाई कर रही है। इनकी कार्रवाई सिर्फ

विपक्षी लोगों के ऊपर ही हो रही है। हाई कोर्ट ने कहा कि हेमंत सोरेन के मामले में कुछ नहीं बनता लेकिन उन्हें जेल में क्यों रखा गया है?

अगर विपक्षी लोग मोदी वाशिंग मशीन में घुल जाए और बीजेपी में शामिल हो जाए तो उन्हें बड़ा पद दे दिया जाता है। प्रधानमंत्री जी महाराष्ट्र में जाकर अजीत पवार के ऊपर 70 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगाते हैं। दूसरे दिन अजीत पवार बीजेपी से हाथ मिला लेते हैं और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बन जाते हैं। अशोक चौहान जिनके खिलाफ आरोप लगाए, जैसे ही बीजेपी में शामिल हुए राज्यसभा सांसद बन जाते हैं। हेमंता शर्मा जिनके ऊपर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे बीजेपी में शामिल होने के बाद असम के मुख्यमंत्री बन जाते हैं। समय बदलते देर नहीं लगता।

केंद्र में जिस दिन कांग्रेस की सरकार बनेगी सुप्रीम कोर्ट के जजों की कमेटी बनाकर ईडी-सीबीआई ये जितनी भी जांच कर रहीं इनकी भी जांच कराएंगे।

तीन साल पहले हुई हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

रायपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर में तीन साल पहले हुई हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा मिली है। तीन साल पहले आमानाका थाना क्षेत्र के डबरापारा में धारदार कैची और पत्थर से युवक की हत्या करने वाले आरोपी को रायपुर सत्र न्यायाधीश अब्दुल जाहिद कुरैशी ने सारे गवाह और सबूतों के आधार पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

तात्कालिक आमानाका थाना प्रभारी रहे राजेश सिंह ने बताया कि निर्मल तांडी रिक्शा चलाकर आकर रात में वीर शिवाजी नगर डबरापारा, मोहबा बाजार रायपुर में अपने घर के बाहर बैठा था, तब करीब सवा आठ बजे रात में निर्मल तांडी का लड़का खुचखुच तांडी उर्फ रिंकु घर के सामने बाहर में डांस कर रहा था। उसी समय मोहल्ले में रहने वाला आरोपी रितिक सोना वहाँ पर आकर खुचखुच तांडी से झगड़ा किया और उसे जमीन में पटक दिया। अपने पास रखे धारदार चाकूनुमा कैंची से खुचखुच तांडी के सीना और पेट में मारपीट किया। निर्मल तांडी बीच-बचाव करने के लिए दौड़ा तो उसके बाद भी आरोपी ने खुचखुच तांडी को पत्थर से मारा और वहां से भाग गया। खुचखुच तांडी की घटनास्थल पर मृत्यु हो गई। पूर्व में नुवाखाई के दिन खुचखुच तांडी और आरोपी के भाई के बीच झगड़ा हुआ था। इसी का बदला लेने के लिए आरोपी ने खुचखुच तांडी को मारपीट कर हत्या किया। आरोपी ने बताया कि आरोपी कम उम्र का है। इसका प्रथम अपराध है। आरोपी आदतन अपराधी नहीं है। आरोपी को कम से कम दण्ड दिया जाये।

अभियोजन की ओर से व्यक्त किया गया कि आरोपी ने योजनाबद्ध तरीके से मृतक रिंकु उर्फ खुचखुच तांडी को धारदार कैंची से पेट, सीना, कमर में मारकर उसकी हत्या किया है। आरोपी को अधिक से अधिक दण्ड दिये जाने का निवेदन किया गया। मामले की विवेचना कर गवाहों और सबूतों के आधार पर सत्र न्यायाधीश अब्दुल जाहिद कुरैशी ने यह पाया कि आरोपी द्वारा मृतक रिंकु उर्फ खुचखुच तांडी को कैंची से उसके पेट, सीना, कमर में मारकर उसकी हत्या की गयी है। उक्त समस्त परिस्थितियों को देखते हुये आरोपी रितिक सोना को धारा 302 भा.दं.सं. के अपराध में आजीवन कारावास से तथा 500 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया जाता है।

बाइक चोर गिरफ्तार

आठ दोपहिया वाहन किया जब्त

रायपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। इन दिनों चोरी, डकैती, लूटपात और मारपीट जैसे अपराधिक घटनाओं में नाबालिग बालकों की संलिप्तता बढ़ रही है। वे बेखौफ होकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे ही एक मामला राजधानी रायपुर से सामने आया है। पुलिस ने रात्रि गस्त के दौरान एक नाबालिग को पकड़ा है। बाइक चोरी की मंशा से आरोपी रात को घूम रहा था, उसके कब्जे से पुलिस ने आठ नग बाइक जब्त किया है। इसकी कीमत लगभग चार लाख रुपए है। पूरा मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है। थाना मंदिर हसौद पुलिस की टीम थाना क्षेत्र में रात्रि गश्त के लिए निकले हुए थे। इस दौरान दोपहिया वाहन में सवार एक लड़का देर रात्रि संदिग्ध अवस्था में दिखा। जब पुलिस की गाड़ी आते हुए देखा तो भागने लगा।

लापता विमान के ट्रेनी पायलट का डैम से मिला शव

जमशेदपुर में एनडीआरएफ के बाद इंडियन नेवी लापता एयरक्राफ्ट की तलाश में जुटी

जमशेदपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अल्केमिस्ट एविएशन के लापता विमान को अब इंडियन नेवी खोज रही है। भारतीय नौसेना की टीम चांडिल डैम पहुंच चुकी है। तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। टीम अपने साथ चार हाइड्रोसलर्स मशीन और दूसरे जरूरी उपकरण लेकर आई है। इससे पहले बुधवार को एनडीआरएफ की टीम ने 8 घंटे तक चांडिल डैम में मशक्कत की। इसके बाद भी एनडीआरएफ के हाथ खाली रहे और विमान का कुछ पता नहीं चल पाया। जिसके बाद जिला प्रशासन ने केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री और सांसद संजय सेठ को पत्र भेजकर नेवी से सहयोग का आग्रह किया था। विशाखापट्टनम से नेवी के 15 लोगों की टीम विशेष विमान से बुधवार की देर रात रांची पहुंची। इधर गुरुवार सुबह ट्रेनी पायलट शुभ्रोदीप दत्ता का

शव चांडिल डैम से बरामद किया गया है। ट्रेनी पायलट का शव बरामद होने के साथ ही यह बात साफ हो गई है कि विमान डैम में गिरकर क्रैश हुआ था। जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट से मंगलवार सुबह 10.30 बजे उड़ा ट्रेनी विमान उड़ान भरने के 50 मिनट बाद लापता हो गया। अलकेमिस्ट एविएशन लिमिटेड के ट्रेनी विमान को एक इंस्ट्रक्टर और जीत शत्रु आनंद एक ट्रेनी पायलट शुभ्रोदीप दत्ता उड़ा रहे थे। विमान का 11:20 बजे एयर ट्रैफिक कंट्रोल से टूट गया। इसके बाद विमान का कोई पता नहीं चला। दोपहर करीब 3 बजे पटमदा के लोगों ने आमदा पहाड़ के पास एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी दी। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने जिला पुलिस कंट्रोल रूम को और स्थानीय प्रशासन ने टाटा स्टील से संपर्क किया। इसके बाद टाटा स्टील का हेलीकॉप्टर सर्च एंड रेस्क्यू के लिए सोनारी एयरपोर्ट से रवाना हुआ। मंगलवार को जिला प्रशासन अपने स्तर पर तलाश करती रही, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। मंगलवार को दिन भर की तलाशी के बाद चांडिल डैम के पास के पपियालडीह गांव के रहने वाले रूसू मांझी और तपन हांसदा ने डैम में विमान डूबने की जानकारी दी। इसी जानकारी के आधार पर जिला प्रशासन एनडीआरएफ की 16 सदस्यीय टीम के साथ चांडिल डैम में तलाशी शुरू कर दी। बुधवार को सुबह 10 बजे से करीब तलाशी अभियान शुरू हुआ। इस दौरान एनडीआरएफ की टीम ने अपनी हर तकनीक का इस्तेमाल किया। वहीं स्थानीय गोताखोर और लोगों के बताए उपाय पर भी प्रशासन ने अमल किया, लेकिन नतीजा सिफर रहा।

मांझी की राह पर चलेंगे चंपाई सोरेन

नीतीश ने जीतनराम को सीएम पद से हटाया था अलग पार्टी बनाकर बीजेपी से गठबंधन किया

रांची, 22 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में एक-दो महीने में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो सकता है। इसे लेकर राज्य का सियासी पारा अभी से चढ़ने लगा है। एक तरफ हेमंत सोरेन सत्ता बचाए रखने की जुगत में जुटे हैं। वहीं बीजेपी हर हाल में सत्ता वापसी की कोशिश में लग गई है। पिछले शुक्रवार से मंगलवार तक पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के नाम पर चले सियासी प्रकरण को सत्ता बचाने और पाने की इसी प्रक्रिया से जोड़कर देखा जा रहा है। चंपाई सोरेन ने पहले सरायकेला फिर कोलकाता और आखिर में दिल्ली में कई राउंड की मीटिंग की। वे रविवार को जिस रास्ते दिल्ली गए थे मंगलवार को उसी रास्ते सरायकेला लौट चुके हैं। लगभग 120 घंटे तक चले सियासी ड्रामे के बाद चंपाई सोरेन ने अब अपना पत्ता खोल दिया है। सरायकेला लौटने के 12 घंटे बाद उन्होंने ऐलान कर दिया है कि वे अब

अपना एक नया संगठन बनाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने संकेत दिया है कि वे भाजपा के साथ गठबंधन भी कर सकते हैं। अब ये तय हो गया है कि बिहार के जीतन राम मांझी की राह पर झारखंड में चंपाई सोरेन भी चल दिए हैं। आज से 9 साल पहले एकदम ठीक इसी तरह जीतन राम मांझी ने भी नीतीश कुमार से अलग होकर अपनी नई पार्टी बनाई थी। इसके बाद बीजेपी से गठबंधन कर लिया था। अगर चंपाई सोरेन बीजेपी में शामिल होते तो बीजेपी को इसका फायदा होने की बजाय नुकसान हो सकता था। बीजेपी पर आदिवासी सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगता। ऐसे में अब जब चंपाई ने नई पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया तो बीजेपी पर ये आरोप नहीं लग सकता है। चुनाव में चंपाई और बीजेपी दोनों इस मुद्दे को भुनाएंगे कि हेमंत सोरेन ने आदिवासी को आगे बढ़ाने की बजाय अपने परिवार को आगे बढ़ाना मुनासिब समझा। पिछले विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन ने बीजेपी का कोल्हान से सफाया कर दिया था। यहां की आदिवासी के लिए आरक्षित और जनरल सभी 14 सीटों पर बीजेपी के कैंडिडेट को हार का मुंह देखना पड़ा था। जबकि पिछले 4 चुनाव से औसतन बीजेपी कोल्हान से तकरीबन 5-6 सीटें जीतते रहीं है। इनमें जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी, खरसावां और पोटका विधानसभा एक तरह से भाजपा का गढ़ था। पिछले चुनाव में भाजपा को यहां से भी हार का मुंह देखना पड़ा था। बीजेपी के साथ समस्या ये है कि इस इलाके में बीजेपी के सभी बड़े नेता फिलहाल यहां की सियासत से गायब हैं। इलाके के सबसे बड़े नेता पूर्व सीएम रघुवर दास अब ओड़ीसा के राज्यपाल बना दिए गए हैं। सरयू राय बीजेपी से नाता तोड़ लिए हैं। लक्ष्ण गिलुआ का निधन हो गया है। पूर्व सीएम और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा राज्य की सियासत में उतनी दिलचस्पी लेते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं। पूर्व सीएम मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा और कुणाल षाडंगी को पार्टी लाए जरूर, दोनों उतने कारगर दिख नहीं रहे हैं।

सीएम ने प्रदेशवासियों को दी तीन सौगातें

कहा- आज ऐतिहासिक दिन, आम लोगों को कितना होगा फायदा

रायपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने और शासकीय काम-काज में पारदर्शिता लाने के लिए सभी क्षेत्रों में आईटी का व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल शुरू हो गया है। बुधवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज तीन पोर्टलों ई-ऑफिस प्रणाली, मुख्यमंत्री कार्यालय ऑनलाइन पोर्टल और स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पहल से सुशासन के साथ शासकीय कामकाज में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगी। सरकारी काम-काज में अधिक से अधिक पारदर्शिता लाने के लिए अधिकाधिक क्षेत्रों में आईटी का उपयोग किया जा रहा है, ताकि भष्टाचार की गुंजाइश को कम किया जा सके।

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर ये तीनों ऑनलाइन पोर्टल तैयार किए गए हैं, जिसका शुभारंभ आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में बटन

दबाकर मुख्यमंत्री ने किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सुशासन के संकल्प को पूरा करने की दिशा में ई-आफिस प्रणाली और स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस और सरकारी काम में पारदर्शिता के उद्देश्य से सभी विभागों में आईटी के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। डिजिटल गवर्नेंस को हर स्तर पर ले जाने के लिए हम काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। आज हम लोगों ने सरकारी कामकाज में अधिक पारदर्शिता और आमजन की सुविधा के लिए एक साथ तीन-तीन ऑनलाइन प्रणाली का शुभारंभ किया है। तीनों पोर्टल का शुभारंभ प्रदेश में सुशासन स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगा। ई-ऑफिस प्रणाली से फाइलों के निराकरण में अनावश्यक देरी नहीं होगी। गलती की गुंजाइश कम होगी। फाइल किस स्तर पर है, इसकी ट्रेकिंग हो सकेगी। इसी तरह मंत्रालय में मुख्यमंत्री, मंत्रीगणों और अधिकारियों से मिलने जो आंगतुक आते हैं, उनकी सुविधा के लिए स्वागतम पोर्टल भी शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री साय ने सीएमओ पोर्टल के शुभारंभ की जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों, जनहितैषी फैसलों और काम-काज की जानकारी आम लोगों को मिलेगी।

गौरतलब है कि ई-ऑफिस प्रणाली शुरुआती चरण में सामान्य प्रशासन विभाग में लागू किया गया है, जिसे क्रमशः सभी विभागों में लागू किया जाएगा। ई-आफिस प्रणाली में ऑफिस के दस्तावेज डिजिटल किये जाएंगे। दस्तावेज को एक ऑफिस से दूसरे ऑफिस भेजे जाने पर काफी समय लगता था, यह समय अब बच जाएगा।

रांची सहित कई जिलों में भारी बारिश

14 जिलों में बारिश का दिखेगा असर, 27 अगस्त तक मध्यम दर्जे की बारिश

रांची, 22 अगस्त (एजेंसियां)। आज राज्य के 14 जिलों में भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जारी रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के दक्षिणी, मध्य और संथाल परगना के जिलों में भारी बारिश हो सकती है। इस तरह भारी बारिश के दायरे में रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, जामताड़ा, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहेबगंज जिले आ रहे हैं।

राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में देर शाम बारिश हुई। सिमडेगा जिले के बानो में 79.2 मिमी बारिश हुई। इसके अतिरिक्त चाईबासा, चतरा, बोकारो, धनबाद और गिरिडीह जिले में बारिश हुई है। अचानक हुई बारिश का असर शहरी इलाकों में देखने को मिला। कई मोहल्लों में बारिश का पानी घुस गया। वहीं मौसम पूर्वानुमान की बात करें तो 23 अगस्त को देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहेबगंज, पलामू, गढ़वा, चतरा, रांची और बोकारो में बारिश होगी। इस दिन के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इसी तरह 24 अगस्त को पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार तथा लोहरदगा में भारी से भारी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान आकाशीय बिजली भी गिर सकता है। इन्हीं क्षेत्रों में 25 अगस्त को भी बारिश का पूर्वानुमान है। आज राज्य के अलग-अलग जिलों में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। संथाल परगना के जामताड़ा जिले में मौसम साफ है। वहां धूप निकली हुई है। जबकि जामताड़ा से सटे दुमका-देवघर इलाके में बादल छाए हुए हैं। आज यहां बारिश की संभावना जताई गई है।

महिला से गैंगरेप में शामिल नाबालिग की मौत

रायगढ़, 22 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में महिला से गैंगरेप के एक नाबालिग आरोपी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका शव गुरुवार को ओडिशा के सरायपाली में मिला है। इस मामले में महिला के दोस्त सहित 7 आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। हादसे में मारा गया नाबालिग आरोपी फरार चल रहा था। एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि आरोपी अपने मामा के घर छिपा था। एक खेत में जंगली सुअर से बचने के लिए लगाए गए करंट की चपेट में आने से उसकी मौत हुई है। कांग्रेस ने गैंगरेप मामले में महिला विधायकों की 5 सदस्यीय जांच टीम बनाई है। ये टीम 25 अगस्त को घटना स्थल के आसपास के गांवों का दौरा करेगी। वहां ग्रामीणों से बात करने के बाद रिपोर्ट तैयार करेगी। जानकारी के मुताबिक, पुसौर ब्लॉक निवासी 27 साल की महिला कुछ सालों से अपने पति से अलग रह रही है। वह सोमवार रात अपने एक दोस्त के साथ मीना बाजार जा रही थी। इसी के दौरान एनटीपीसी लारा के पास कुछ लोगों ने उसे पकड़ लिया और गैंगरेप किया। बताया जा रहा है कि पहले महिला के दोस्त ने ही उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद बाकी 7 आरोपी भी पहुंच गए। सभी आरोपी आपस में दोस्त हैं। वारदात के बाद सब वहां से भाग निकले। आरोपियों में 2 नाबालिग भी शामिल हैं। इनमें से एक की मौत हो गई है। एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि, पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। उसकी स्थिति अभी सामान्य है। शिकायत आने के बाद तत्काल टीम गठित की गई। पकड़े गए आरोपियों में राहुल चौहान, मोनू साहू, राहुल खड़िया, उत्तम मिर्धा, नरेंद्र सिदार, बबलू देहरिया और एक नाबालिग शामिल है।

मेडिकल कॉलेज में हत्या का आरोपी पकड़ा गया

हजारीबाग, 22 अगस्त (एजेंसियां)। हजारीबाग अस्पताल के कैदी वार्ड में तैनात हवलदार चौहान हेंब्रम की हत्या कर भागने वाला अपराधी शाहिद अंसारी गाजियाबाद से पकड़ा गया। भागने में मदद करने वाले गिरिडीह निवासी शमीम अंसारी को भी गिरफ्तार किया गया है। शाहिद की गिरफ्तारी गाजियाबाद स्थित उसके रिश्तेदार के घर से हुई है। हजारीबाग पुलिस ने बताया कि शाहिद अंसारी जेल में था, तो उसकी दोस्ती गिरिडीह के अपराधी शमीम अंसारी से हुई। 5 माह पहले ही जेल में भागने की योजना बनाई गई। शमीम अंसारी जब जमानत पर बाहर आया तो योजना पर काम शुरू हुआ।

सबसे पहले शाहिद ने बीमार होने का बहाना बनाया। 25 जुलाई को हजारीबाग अस्पताल रेफर होने में सफल रहा। 11 अगस्त की रात हवलदार चौहान हेंब्रम की हत्या कर फरार हो गया।

पुलिस ने जब शाहिद का कॉल डिटेल खंगाला तो पता चला कि उसने भागने से पहले और बाद में शमीम अंसारी और गिरिडीह की एक महिला से बात की थी। पुलिस जब शमीम अंसारी तक पहुंची, तबतक उसने मोबाइल तोड़कर कुए में डाल दिया था। शमीम अंसारी ने बताया कि कैदी शाहिद हॉस्पिटल से भाग कर धनबाद अपने घर गया। घर में मोबाइल फेंक दिया और मां का मोबाइल लेकर भाग गया। पुलिस ने मां के मोबाइल का ईएमआई नंबर ट्रैक करना शुरू किया। इस बीच वह ट्रेन से दिल्ली पहुंच गया। मोबाइल नंबर भी बदल लिया। ईएमआई नंबर से पुलिस गाजियाबाद पहुंची और शाहिद को पकड़ लिया। पुलिस ने महिला को भी हिरासत में लिया है। अपराधी शाहिद अंसारी ने बदलापुर फिल्म देखकर भागने का तरीका ढूंढा था। फिल्म में हीरो जेल में पैर की बीमारी बताकर लंगड़ाता रहता है। पर, जेल से बाहर निकलते ही ठीक हो जाता है। इसी तर्ज पर शाहिद अंसारी ने जेल में पैर की बीमारी का बहाना बनाया। ऐसी बीमारी बताई जो ठीक नहीं हो रही थी और न ही डॉक्टरों की पकड़ में भी आ रही थी। मजबूर होकर उसे हजारीबाग अस्पताल रेफर करना पड़ा। यहां उसकी एमआरआई तक कराई गई। लेकिन कोई बीमारी नहीं निकली। पुलिस ने जब शाहिद का कॉल डिटेल खंगाला तो पता चला कि उसने भागने से पहले और बाद में शमीम अंसारी और गिरिडीह की एक महिला से बात की थी। पुलिस जब शमीम अंसारी तक पहुंची, तबतक उसने मोबाइल तोड़कर कुए में डाल दिया था। शमीम अंसारी ने बताया कि कैदी शाहिद हॉस्पिटल से भाग कर धनबाद अपने घर गया। घर में मोबाइल फेंक दिया और मां का मोबाइल लेकर भाग गया। पुलिस ने मां के मोबाइल का ईएमआई नंबर ट्रैक करना शुरू किया।

कमला हैरिस की पार्टी के सम्मेलन में 'ओम शांति'

वैदिक मंत्रों से डीएनसी के तीसरे दिन की हुई शुरुआत

शिकागो, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार की आधिकारिक घोषणा के लिए जारी 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' (डीएनसी) के बुधवार को तीसरे दिन की शुरुआत पहली बार वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई, जिसमें पुजारी ने देश की एकजुटता की प्रार्थना की। भारतीय-अमेरिकी पुजारी राकेश भट्ट ने शिकागो में आयोजित डीएनसी के तीसरे दिन की कार्यवाही औपचारिक रूप से शुरू करते हुए कहा, 'भले ही हमारे बीच मतभेद हों, लेकिन जब राष्ट्र की बात आती है तो हमें एकजुट होना चाहिए और यह हमें सभी के लिए न्याय की दिशा में ले जाता है।'

पुजारी ने कहा, 'हमें एकजुट होना चाहिए। ईश्वर करे कि हमारे मस्तिष्क एक जैसा सोचें। हमारे दिल एक साथ धड़कें। सब

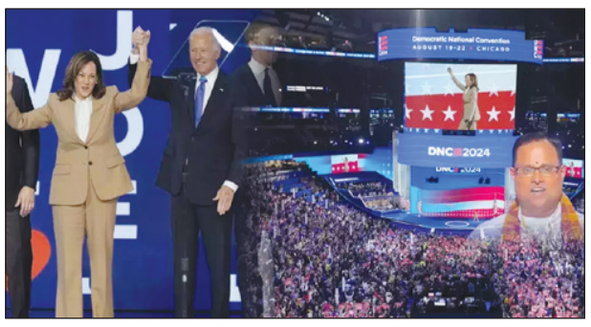

कुछ समाज की बेहतरी के लिए होना चाहिए। ईश्वर करे कि हम शक्तिशाली बनें ताकि हम एकजुट होकर अपने देश को गौरवान्वित कर सकें।' मैरीलैंड के श्री शिव विष्णु मंदिर के पुजारी भट्ट बेंगलुरु के मूल निवासी हैं। वह एक माधव पुजारी हैं जिन्होंने अपने गुरु एवं उडुपी अष्ट मठ के पेजावर स्वामीजी से ऋग्वेद और तंत्रसार (माधव) आगम का ज्ञान प्राप्त किया।

कई भाषाओं के जानकार हैं भट्ट

भट्ट ने कहा, 'पूरा ब्रह्मांड एक परिवार हैं। सत्य हमारा आधार है और यही स्थाई भी है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह हमें असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर और मृत्यु से अमरत्व की ओर ले जाए। ओम शांति शांति शांति।' तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी, अंग्रेजी, तुलु और संस्कृत भाषाओं के जानकार भट्ट के पास तीन भाषाओं-संस्कृत, अंग्रेजी और कन्नड़ में स्नातक और परास्नातक की डिग्री है।

पार्टी ने क्या कहा?

डेमोक्रेटिक पार्टी के वित्तीय मामलों के उप प्रमुख अजय भुटोरिया ने कहा, 'राकेश भट्ट द्वारा आज डीएनसी में वैदिक विधि से पूजा अर्चना किया जाना एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो समावेशिता और विविधता के प्रति डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' भुटोरिया ने कहा, 'भारतीय अमेरिकी समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं को ऐसे प्रमुख मंच पर सम्मानित होते देखना उत्साहजनक है।

यह क्षण अमेरिकी समाज के भीतर हमारे समुदाय के बढ़ते प्रभाव और उसकी बढ़ती मान्यता को दर्शाता है।'

स्थानीय चुनाव न कराना लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को लगाई फटकार

कोलंबो, 22 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने श्रीलंकाई सरकार को जल्द स्थानीय चुनाव कराने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने के लिए श्रीलंका सरकार की आलोचना की। श्रीलंकाई सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ ने विपक्ष और सामाजिक कार्यकर्ताओं की तरफ से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। श्रीलंका में पिछले साल से 340 से ज्यादा स्थानीय निकायों के चुनाव स्थगित कर दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग के सदस्यों और राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने चुनाव न कराकर नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया है। श्रीलंका में बीते साल मार्च में स्थानीय चुनाव होने थे, लेकिन चुनाव आयोग ने आर्थिक तंगी के कारण इनकार कर दिया था।

टिम वाल्ज ने स्वीकारा डेमोक्रेट पार्टी से उपराष्ट्रपति पद का नामांकन

बोले- हम आपकी आजादी के लिए लड़ेंगे

वॉशिंगटन, 22 अगस्त (एजेंसियां)। टिम वाल्ज ने डेमोक्रेटिक पार्टी के नेशनल कन्वेंशन में उपराष्ट्रपति पद का नामांकन स्वीकार कर लिया है। नामांकन स्वीकार करने के बाद अपने संबोधन में टिम वाल्ज ने कमला हैरिस का धन्यवाद दिया और कहा कि कमला हैरिस ने उन पर विश्वास दिखाया, इसके लिए वह उनके आभारी हैं। वाल्ज ने राष्ट्रपति जो बाइडन को भी धन्यवाद दिया। वाल्ज ने कहा कि कमला हैरिस संयुक्त राज्य अमेरिका की अगली राष्ट्रपति बनने के लिए 'अनुभवी और तैयार' हैं। मिनेसोटा के गवर्नर 60 वर्षीय वाल्ज ने कहा कि, कमला हैरिस तैयार हैं। यह हमारा काम है कि हम खाई में उतरें और अवरोधों से निपटने का काम करें।

'सिर्फ अमीरों के लिए काम करना चाहते हैं रिपब्लिकन'

टिम वाल्ज ने कहा कि 'वह चाहते हैं कि अमेरिकी लोगों के लिए आजादी रहे और लोग अपने जीवन को बेहतर कर सकें। लोगों को इस बात की चिंता नहीं रहनी चाहिए कि उनके बच्चों को स्कूल में गोली मारी जा सकती है।' वाल्ज ने आरोप लगाया कि रिपब्लिकन का एजेंडा है कि वह सिर्फ अमीर लोगों की सेवा करें और वह मुश्किल में फंसे हमारे पड़ोसी देशों की मदद नहीं करना चाहते। वाल्ज ने कहा कि 'चाहे कुछ भी हो जाए कमला हैरिस और मैं आपके लिए लड़ेंगे और आपकी आजादी के लिए लड़ेंगे।'

डेमोक्रेटिक पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वाल्ज का सामना रिपब्लिकन पार्टी के जेडी वेंस के साथ होगा। जेडी वेंस लगातार टिम वाल्ज की सैन्य पृष्ठभूमि पर सवाल उठा रहे हैं।

इमरान खान ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में चांसलर के लिए आवेदन क्यों किया?

क्या इमरान की पाकिस्तान में राजनीतिक पारी खत्म

इस्लामाबाद, 22 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के चांसलर पद के लिए आवेदन कर सबको चौंका दिया है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान एक साल से ज्यादा समय से एक साल से जेल में बंद हैं। इमरान खान ने जेल से ही ब्रिटेन और दुनिया की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड के शीर्ष पद के लिए अप्लाई किया है। उनके इस कदम ने इस सवाल को भी जन्म दिया है कि बीते दो दशक में पाकिस्तान के सबसे चर्चित नेता रहे इमरान खान क्या अब देश के बाहर जाना चाहते हैं। इमरान अब क्रिकेट और राजनीति के बाद तीसरा विकल्प खोज रहे हैं। साथ ही इमरान क्या पाकिस्तान आर्मी को भी संकेत दे रहे हैं कि उनकी अब सियासत में दिलचस्पी नहीं है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान खान

ने पाकिस्तान की राजनीति में 'नया पाकिस्तान' बनाने के वादे के साथ राजनाति में एंट्री की थी। उनको काफी कामयाबी भी मिली लेकिन बीते कुछ समय से उनके लिए चीजें बहुत मुश्किल रही हैं। वह अब जेल में हैं और उनकी फिलहाल रिहाई के भी कोई संकेत नहीं मिल रहे हैं। इसकी सबसे अहम वजह उनके पाक फौज से अच्छे रिश्ते ना होना माना जाता है। ब्रिटेन में इमरान कोई अंजाना चेहरा नहीं हैं। अपने क्रिकेट करियर के दौरान इमरान ब्रिटेन में काफी लोकप्रिय रहे हैं। वहीं चांसलर होना भी उनके लिए नई बात नहीं होगी। इमरान 2005 से 2014 तक आठ साल तक ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रहे हैं। ऐसे में इमरान खान को अगर ऑक्सफोर्ड के चांसलर के तौर पर काम करने का मौका मिल सकतता है लेकिन ये उनको पाकिस्तान की राजनीति से दूर कर देगा।

इमरान अगर ऑक्सफोर्ड के चांसलर बनते हैं, तो क्या वे पाकिस्तान की राजनीति को अलविदा कह देंगे। या फिर उनका यह पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना के लिए एक संकेत है कि वे चीजों को खराब करने की बजाय एक रास्ता निकालना चाहते हैं। राजनीतिक एक्सपर्ट का मानना है कि ब्रिटेन जाना इमरान के लिए जेल से छुटकारा होगा तो वहीं सेना और दूसरे दलों को भी राहत मिल जाएगी। इमरान खान का ऑक्सफोर्ड से पुराना रिश्ता है।

सरकारी अस्पतालों में तैनात होंगे रिटायर्ड आर्मी जवान

हथियारों से रहेंगे लैस, कोलकाता केस के बाद फैसला, अचानक मेकाहारा पहुंचे छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री

रायपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरकारी अस्पतालों में रिटायर्ड आर्मी जवानों को तैनात किया जाएगा। अस्पतालों की सुरक्षा के लिए ये जवान हथियारों से भी लैस होंगे। हर अस्पताल में एक जवान की तैनाती होगी। यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने दी है। कोलकाता में जूनियर डॉक्टर से रेप-हत्या के बाद यह फैसला लिया गया है। गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अचानक मेकाहारा का जायजा लेने पहुंचे थे। उन्होंने सुरक्षा इंतजाम के साथ लोगों से इलाज की व्यवस्था को लेकर बातचीत की। मंत्री जायसवाल ने मेकाहारा में सबसे पहले पुलिस चौकी में जवानों की मौजूदगी देखी। इस दौरान पुलिस चौकी का एक जवान बगल के कमरे में आराम करते दिखा, इस पर मंत्री ने उसे चेतावनी भी दी।

दलाई लामा से मिली अमेरिकी अधिकारी

तिब्बतियों के मानवाधिकारों को बेहतर करने के लिए दोहराई प्रतिबद्धता

वाशिंगटन, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की जगह एक शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा से मुलाकात की है। बता दें कि 89 वर्षीय तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा 28 जून 2024 को घुटने की सफल रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद से न्यूयॉर्क में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा और अमेरिकी विदेश विभाग के शीर्ष अधिकारी की ये मुलाकात राष्ट्रपति जो बाइडन की तरफ से एक विधेयक पर हस्ताक्षर करने के महीनों बाद हुई है, जो तिब्बत के लिए अमेरिकी समर्थन को बढ़ाता है और सुदूर हिमालयी क्षेत्र की स्थिति और शासन पर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए चीन और दलाई लामा के बीच संवाद को भी बढ़ावा देता है। अमेरिका सीनेट से फरवरी में पास किए गए तिब्बत रिजाल्व बिल का चीन कड़ा विरोध किया है। चीन ने इसे अस्थिर करने वाला बताया था।

न्यूयॉर्क में दलाई लामा से मिलीं उजरा जेया

दलाई लामा को राष्ट्रपति जो बाइडन का संदेश अमेरिका की अवर सचिव, नागरिक सुरक्षा, लोकतंत्र और मानवाधिकार व तिब्बती मुद्दों के लिए विशेष समन्वयक, उजरा जेया द्वारा दिया गया। विदेश विभाग की ओर से जारी एक बयान के अनुसार उजरा जेया बुधवार को दलाई लामा से मिलने के लिए न्यूयॉर्क गई थीं।

बाइडन ने दलाई लामा को भेजी शुभकामनाएं

अमेरिकी विदेश विभाग के बयान में कहा गया है कि इस मुलाकात के दौरान, उजरा जेया ने राष्ट्रपति बाइडन की ओर से दलाई लामा के अच्छे स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं दीं और तिब्बतियों के मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने और उनकी विशिष्ट ऐतिहासिक, भाषाई, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दलाई लामा के अहिंसा और करुणा को बढ़ावा देने के लिए आजीवन समर्पण का स्वागत करते हुए, जेया ने उनके साथ तिब्बती सांस्कृतिक संरक्षण, तिब्बत के अंदर मानवाधिकारों के हनन को संबोधित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के चल रहे प्रयासों और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) और परम पावन और उनके प्रतिनिधियों के बीच बातचीत को फिर से शुरू करने के लिए समर्थन के बारे में चर्चा करने का अवसर भी लिया।

धर्मशाला में भी उजरा जेया ने की थी दलाई लामा से मुलाकात

जानकारी के मुताबिक अंडर सेक्रेटरी उजरा जेया के साथ राष्ट्रपति के विशेष सहायक और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के लोकतंत्र और मानवाधिकार के वरिष्ठ निदेशक केली रज्जौक भी शामिल हुए। इससे पहले मई 2022 में, उजरा जेया ने भारत और नेपाल की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान, धर्मशाला में दलाई लामा के आवास पर उनसे मुलाकात की थी।

क्या है रेल फोर्स वन, जिससे यूक्रेन जाएंगे पीएम मोदी

इस ट्रेन में आलीशान होटल जैसे कमरे, बाइडेन से मेलोनी तक इसमें सफर कर चुके

वारसा, 22 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड के दौरे पर हैं। इसके बाद वे गुरुवार रात यूक्रेन के लिए रवाना होंगे। वे यह सफर प्लेन से नहीं बल्कि ट्रेन के जरिए तय करेंगे। यह एक विशेष ट्रेन होगी, जिसका नाम 'रेल फोर्स वन' है। इसे लग्जरी सुविधाओं और वर्ल्ड क्लास सर्विस के लिए जाना जाता है। पीएम मोदी 10 घंटे इस ट्रेन में रहकर कीव पहुंचेंगे। उन्हें वापस लौटने में भी इतना ही समय लगेगा। दरअसल, यूक्रेन में चल रही जंग की वजह से एयरपोर्ट्स बंद हैं, सड़क से सफर जोखिम भरा हो सकता है। यही वजह है कि दुनिया के बड़े नेता जब भी यूक्रेन जाते हैं तो वे ट्रेन यात्रा को ही तरजीह देते हैं। रेल फोर्स वन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से लेकर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, इटली पीएम जॉर्जिया मेलोनी समेत कई नेता यात्रा कर चुके हैं। यूक्रेन जाने वाले ज्यादातर नेता, पत्रकार, राजनयिक रेल फोर्स वन से ही सफर करते हैं। ये धीमी चलने

वाली लग्जरी ट्रेन है, जो सिर्फ रात में चलती है। ये पोलैंड से 600 किमी का सफर तय कर कीव पहुंचती है।

यूक्रेन का रेल नेटवर्क 24 हजार किमी से भी ज्यादा लंबा है। ये दुनिया में 12वां सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। यूक्रेन में अलग-अलग ट्रेनें चलती हैं मगर रेल फोर्स वन सबसे खास है। इसे क्रीमिया में टूरिज्म के लिए डिजाइन किया गया था। रूस ने 2014 में क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से इसका इस्तेमाल वर्ल्ड लीडर्स और वीआईपी मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए किया जाता है। यह ट्रेन हथियारों से लैस है। इसमें बेहद सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम हैं। पूरे समय हाई-टेक सुरक्षाकर्मियों की टीम रहती है, जो लगातार सिक्योरिटी मॉनिटर करती है। यही वजह है कि अभी तक इस ट्रेन की सिक्योरिटी को लेकर कभी शिकायत नहीं मिली है। रेल फोर्स वन का इंटीरियर बेहद खूबसूरत है। इसके कमरे किसी आलीशान होटल जैसे हैं। रेल फोर्स वन के कंपार्टमेंट लकड़ी से बने हैं। इसमें बैठने के लिए टेबल और सोफे लगे हैं। अहम बैठकों के लिए बड़ी कॉन्फ्रेंस टेबल का भी इंतजाम है। इसके अलावा आलीशान सोफा और टीवी भी लगा है। ढाई साल से जारी जंग के बीच रूस कई बार यूक्रेन के रेल नेटवर्क को निशाना बना चुका है। इसमें करीब 400 रेलकर्मियों की मौत हो चुकी है। जंग में ट्रेन के सफर को आसान बनाने के लिए रेल फोर्स वन में इलेक्ट्रिक इंजन की जगह डीजल इंजन लगे हैं। दरअसल रूस रेल लाइन के साथ-साथ यूक्रेन के इलेक्ट्रिक ग्रिड पर भी हमला करता है। ऐसे में अगर ट्रेन में इलेक्ट्रिक ग्रिड लगा होता है तो वो ठप पड़ जाएगी। जबकि डीजल इंजन पर इसका असर नहीं पड़ेगा। रेल वन फोर्स की सफलता का श्रेय यूक्रेन रेलवे के पूर्व सीईओ और अब मंत्री एलेक्जेंडर कैमिशिन को दिया जाता है।

बांग्लादेश में शेख मुजीब की मूर्ति टूटी तो खुश हुए पाकिस्तानी पीएम

शेख हसीना के पिता को लेकर उगला जहर

इस्लामाबाद, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हुए तख्तापलट से सबसे ज्यादा खुश पाकिस्तान है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की खुशी अब सामने आ गई है। हाल ही में बांग्लादेश में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की मूर्तियां तोड़ी गईं। इस बात का जिक्र करते हुए शहबाज शरीफ ने कहा कि जिसने पाकिस्तान विरोधी आंदोलन का नेतृत्व किया है, उसका यही हश्र हुआ है। लोगों के गुस्से के कारण शेख हसीना ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और भारत में शरण ली है। गुस्साई भीड़ ने शेख मुजीब की भी कई मूर्तियों को तोड़ा। उनसे जुड़े म्यूजियम में तस्वीरों तो बर्बाद कर दिया।

हसीना सरकार देश में हुए दंगे के कारण गिर गई जो 50 वर्षों के इतिहास में सबसे बुरे दंगों में से एक था। जुलाई की शुरुआत में शुरु हुए आरक्षण विरोधी प्रदर्शन में लगभग 300 लोग मारे गए और हजारों अन्य घायल हो गए। प्रदर्शनकारी सरकार से सिविल

सेवा नौकरी कोटा खत्म करने की मांग कर रहे थे। हालांकि यह शेख हसीना के 15 साल के शासन के लिए सबसे बड़े संकट में बदल गया। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा तोड़े जाने का जिक्र करते हुए कहा कि जैसा आप करेंगे, वैसा ही भरेंगे। दरअसल शेख मुजीब ने ही पाकिस्तान को बांट दिया था। शहबाज ने कहा, 'एक जमाने में हमारे पाकिस्तान का जो हिस्सा था, पूर्वी पाकिस्तान। बाद में बदकिस्मती से वह अलग हो गया और बांग्लादेश बना। उसके बाद जो कुछ वहां हुआ वो आपके सामने है। लेकिन अभी हालिया दिनों में जिस शख्स ने वो पाकिस्तान के खिलाफ तहरीक चलाई थी और कहा था कि दो कौमी नजरिया खत्म हो चुका है। आज आप देखिए कि वहां पर जो उसकी मूर्तियां थीं उनके साथ क्या हुआ। मैं उसमें ज्यादा नहीं जाना चाहता। एक कहावत है कि जैसा करोगे, वैसा भरोगे।' इस्लामाबाद में राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में अन्य मुद्दों पर बोलते हुए पीएम शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद से लड़ाई में 150 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ और हजारों लोगों की जान गई। सम्मेलन में कई केंद्रीय मंत्री और आर्मी चीफ असीम मुनीर भी मौजूद थे। आर्थिक चुनौतियों की बात करते हुए शहबाज ने कहा कि सरकार को पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन का निजीकरण करने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, दक्षिण कोरिया ने पाकिस्तान की पंचवर्षीय विकास योजना की नकल की और अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया, जबकि पाकिस्तान अभी भी पीछे है। शहबाज ने आश्वासन दिया कि बिजली, टैक्स और निर्यात की चुनौतियों के बावजूद सरकार युव सशक्तीकरण के लिए ज्यादा धन मुहैया कराएगी।

शहबाज ने कहा कि युवाओं को आधुनिक शिक्षा, टेक्नोलॉजी और कौशल से लैस करना सरकार की जिम्मेदारी है ताकि वे देश की किस्मत बदल सकें। उन्होंने उम्मीद जताई कि युवा छोटे बिजनेस शुरू करें। शहबाज ने कहा कि अगर हम पाकिस्तान को बदलने का संकल्प लेते हैं तो यह बहुत दूर नहीं होगा, जब देश एक महान राष्ट्र के रूप में उभरेगा।

पाकिस्तानी सेना को बदनाम करने के आरोप में यूट्यूबर गिरफ्तार

इस्लामाबाद, 22 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पाकिस्तानी सेना के कट्टर आलोचक और यूट्यूबर को सोशल मीडिया के जरिए धार्मित नफरत फैलाने और सेना को बदनाम करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वह एक जाने माने राजनीतिक समीक्षक हैं। उनकी गिरफ्तारी शहबाज शरीफ सरकार की आलोचना करने के आरोप में खुफिया एजेंसी द्वारा एक यूट्यूबर को पकड़े जाने के बाद हुई। संघीय जांच एजेंसी ने की साइबर क्राइम ब्रांच ने बताया कि उन्होंने लाहौर में जान के आवास पर छापेमारी की और एक विशेष शख्स और संस्थान के खिलाफ धार्मिक नफरत फैलाने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

यूक्रेन को उल्टा पड़ सकता है रूस पर हमला

2 हफ्ते में 1263 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा पुतिन घुसपैठ का फायदा उठाने की तैयारी में

कीव, 22 अगस्त (एजेंसियां)। यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क इलाके में घुसपैठ करके दुनिया को चौंका दिया। यूक्रेन ने दो सप्ताह में रूस के 1263 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा कर लिया। इसी के साथ यूक्रेन ने दुनिया को बता दिया है कि रूस इस जंग में एकतरफा नहीं जीत सकता है। हालांकि, एक और मोर्चे पर लड़ाई शुरू करने से यूक्रेन की सेना बंट गई है। इससे यूक्रेन की अपनी रक्षा करने की क्षमता पर असर पड़ेगा। जानकारों का कहना है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की यह जीत कम समय के लिए है और हार में बदल सकती है। अभी यूक्रेन का फोकस कुर्स्क पर है, जिससे रूस को दोनेस्त्क के पोक्रोवस्क में आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है।

राजनीतिक विशेषज्ञ तातियाना

स्टैनोवाया कहती हैं कि रूस अपनी दुसरे विश्वयुद्ध की रणनीति अपना रहा है। उसकी यह रणनीति रही है कि वह पहले दुश्मन को अंदर आने देता है और फिर घेरकर हमला करता है। इस वजह से यूक्रेन का कुर्स्क अभियान जेलेंस्की के लिए उल्टा साबित हो सकता है। रूस अपने दुश्मन को पहले अंदर आने देता है और फिर हमला करता है। उसने नेपोलियन से लेकर हिटलर तक को अपनी इसी रणनीति से हराया है। नेपोलियन ने 1812 में 5 लाख सैनिकों के साथ रूस पर हमला किया था। रूस ने लड़ने की बजाय पीछे हटना शुरू कर दिया, जिससे नेपोलियन की आर्मी रूस में अंदर घुसती चली गई। इसी बीच ठंड बढ़ने लगी। खराब रास्तों की वजह से उनका सप्लाई सिस्टम बिगड़ गया और सैनिकों का खाना खत्म होने लगा। नेपोलियन मॉस्को तक तो पहुंच गया, लेकिन उसकी सेना एक चैथाई ही बच पाई। इसके बाद, नेपोलियन को अपने बीमार सैनिकों के साथ जीते हुए रूस को छोड़ कर वापस फ्रांस लौटना पड़ा। सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान हिटलर जून 1941 में यूरोप के बड़े हिस्से को जीतने के बाद मॉस्को की तरफ आगे बढ़ा था।

डूबे याट ने ब्रिटेन के माइक लिंच का शव मिला

बेटी की भी मौत हुई, 3 दिन पहले समंदर में डूबा था लग्जरी याट

रोम, 22 अगस्त (एजेंसियां)। इटली में सिसिली आइलैंड के पास सोमवार को तूफान की वजह से बेयेसियन नाम का एक लग्जरी याट डूब गया था। 184 फीट लंबा बेयेसियन याट समुद्र में 50 मीटर की गहराई में मिला था। गोताखोरों को 5 लोगों का शव मिला है। ब्रिटिश वेबसाइट द टेलीग्राफ के मुताबिक जिन लोगों का शव मिला है उनमें ब्रिटेन के मशहूर सॉफ्टवेयर बिजनेसमैन माइक लिंच और उनकी 18 साल की बेटी हैना भी शामिल हैं। याट पर मॉर्गन स्टेनली इंटरनेशनल के प्रेसिडेंट जोनाथन ब्लूमर और उनकी पत्नी भी सवार थे। उनकी मौत की पुष्टि नहीं हो पाई है। रात होने की वजह से रेस्क्यू रोक दिया गया। गोताखोरों ने कहा कि वे गुरुवार को भी शव को निकालने की कोशिश करेंगे। बेयेसियन याट पर अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के 12 क्रू मेंबर समेत 22 लोग सवार थे। याट के डूबने के बाद 15 लोगों को बचा लिया गया था। एक शख्स की तभी मौत हो गई थी। सोमवार को 6 लोग लापता बताए गए थे।

बेयेसियन याट सिसली की राजधानी पलेर्मो से करीब 18 किमी दूर लंगर डाले खड़ा था। इसके डूबने के बाद सवाल उठने लगे हैं कि ये इतनी जल्दी कैसे डूब गया, जबकि पास में मौजूद दूसरे याट को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हवाओं के कारण याट का एक मास्ट (मस्तूल) टूट गया, जिससे याट का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गया। याट को बनाने वाली कंपनी पेरेनी नेवी ने इस हादसे को मानवीय भूल बताया है। कंपनी के प्रमुख जियोवानी कॉस्टैंटिनो ने कहा कि जहाज को डूबने में 16 मिनट लगे। कॉस्टैंटिनो ने इटली के सरकारी चैनल से बातचीत में कहा कि जहाज में पानी भर गया था जिस वजह से यह डूबा। इसमें पानी कहां से भरा इसकी जांच हो रही है। इतालवी मौसम वैज्ञानिक लुका मर्कली ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ये याट डूबा होगा। वैज्ञानिक ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को कहा कि इटली में कई सप्ताह तक भीषण गर्मी पड़ी। अब भयंकर तूफान और बारिश हो रही है।

खाटूश्यामजी कॉरिडोर के लिए भजनलाल सरकार ने लिया एक और बड़ा फैसला

डीपीआर को लेकर कवायद तेज कर दी है

सीकर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। खाटूश्यामजी कॉरिडोर की डीपीआर को लेकर अब सरकार ने कवायद तेज कर दी है। इसी बीच खाटूश्यामजी कॉरिडोर को लेकर भजनलाल सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है। खाटू श्याम मंदिर कॉरिडोर को मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। डीपीआर में सबसे ज्यादा फोकस सुविधा क्षेत्रों को लेकर रहेगा।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों की बैठक ली। इसमें खाटूश्यामजी कॉरिडोर की प्रस्तावित डीपीआर को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र में जन सुविधाओं के लिए जगह चिन्हित करनी होगी। इसमें

सड़क, परिवहन, यात्रियों के ठहराव, दर्शनों में सुगमता, भीड़ नियंत्रण सहित विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर डीपीआर तैयार की जाएगी।

मॉडल के रूप में विकसित होगा खाटू श्याम मंदिर कॉरिडोर

उन्होंने कहा कि खाटू श्याम मंदिर कॉरिडोर को एक मॉडल के रूप में विकसित किया जा सके। वित्त, सार्वजनिक निर्माण और पर्यटन विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक में वर्तमान चुनौतियों को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक में वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता, पर्यटन विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

100 करोड़ की लागत से निखरेगा खाटूधाम

बता दें कि भजनलाल सरकार ने अपने पहले पूर्ण बजट में खाटूश्यामजी में कॉरिडोर बनाने और मंदिर को भव्यता प्रदान करने के लिए 100 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान की घोषणा की थी, ताकि इसे अयोध्या व काशी की तर्ज पर विकसित किया जा सके। 100 करोड़ की लागत में बनने जा रहे खाटू श्याम कॉरिडोर को लेकर कुछ समय पहले भजनलाल सरकार ने एक मास्टर प्लान भी तैयार किया गया था।

साइबर ठगों ने विधायक के खाते से रुपए निकाले

पासबुक में एंट्री कराने बैंक गए तो पता चला, 17 दिन में 2 बार हुई ठगी

सादुलपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। साइबर ठगों ने चूरू की सादुलपुर सीट से विधायक मनोज न्यांगली के खाते से रुपए निकाल लिए। विधायक अपनी पासबुक में एंट्री करवाने के लिए बैंक गए तो उनको ठगी का पता चला। विधायक ने जयपुर के ज्योति नगर थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ साइबर ठगी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है।

एएसआई उदयवीर सिंह ने बताया- विधायक मनोज कुमार ने साइबर ठगों के खिलाफ रिपोर्ट दी है। उन्होंने बताया- ज्योति नगर स्थित विद्युत भवन में भारतीय स्टेट बैंक की ब्रांच में उनका खाता है। 21 अगस्त 2024 को वह पासबुक लेकर ट्रांजैक्शन की एंट्री करवाने बैंक गए थे।

विधायक ने बताया- पासबुक में एंट्री करवाने के बाद उनको

पता चला कि 4 अगस्त और 20 अगस्त को उनके खाते से दो ट्रांजैक्शन हुए हैं और करीब 90 हजार रुपए निकाले गए हैं। इस पर उन्होंने बैंक के कर्मचारी से इन ट्रांजैक्शन की जानकारी ली तो सामने आया कि उनके खाते से रुपए दूसरे खातों में ट्रांसफर किए गए हैं।

धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया

एएसआई ने बताया- खाते से रुपए निकालने का पता चलने के बाद विधायक मनोज कुमार पासबुक लेकर थाने पहुंचे और अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी की FIR दर्ज कराई। विधायक की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और विधायक के खाते की जांच शुरू कर दी है।

विधायक के खाते से रुपए जिस खाते में ट्रांसफर किए गए हैं, उसकी भी जानकारी निकालने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही आरोपी के खिलाफ कार्रवाई होगी।

बीएसपी से जीते, शिवसेना में शामिल हुए थे

बता दें कि मनोज कुमार न्यांगली ने 2023 में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के टिकट पर सादुलपुर सीट से विधानसभा चुनाव जीता था। मनोज न्यांगली ने कांग्रेस की प्रत्याशी कृष्णा पूनिया को 2 हजार 475 वोट से हराया था।

चुनाव जीतने के करीब 4 महीने बाद अप्रैल 2024 में मनोज न्यांगली ने बाड़ी से बसपा विधायक जसवंत सिंह गुर्जर के साथ शिवसेना (शिंदे गुट) जॉइन कर ली थी।

दोनों विधायक मुंबई में महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में बीएसपी छोड़कर शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हुए थे।

सरकार ने पंचायतों के खाते में नहीं डाले 1100 करोड़

जयपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में सहमति के बावजूद एक भी मांग पूरी नहीं होने से सरपंचों में फिर से राज्य सरकार के खिलाफ नाराजगी बढ़ रही है। इसी को लेकर राजस्थान सरपंच संघ ने गुरुवार को बैठक बुलाई है। बैठक में आगे की रणनीति तय की जाएगी। इस बैठक में कार्यकारिणी के पदाधिकारी और सरपंच शामिल होंगे।

सरपंच संघ के कार्यकारी अध्यक्ष नेमीचंद मीना ने बताया कि राज्य सरकार ने 15 अगस्त तक मांगों पर विचार कर उन्हें लागू करने का आश्वासन दिया था, लेकिन एक भी मांग पूरी नहीं की। इसके अलावा 1100 करोड़ रुपए पंचायतों के खाते में नहीं डाले गए हैं। गौरतलब है कि पिछले माह सरपंचों ने सरकार के खिलाफ आंदोलन किया था और 24 जुलाई को विधानसभा घेराव के चेतावनी दी थी। इसी बीच सरकार से वार्ता के बाद सरपंचों ने अपना आंदोलन एक माह के लिए स्थगित कर दिया था।

सरकार ने 1100 करोड़ डालने किया था वादा

राजस्थान में सरपंच संघ की 15 सूत्री मांगों को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं पंचायती राज विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने पंचायती राज, वित्त, मनरेगा, सार्वजनिक निर्माण एवं गृह विभाग के अधिकारियों और सरपंच संघ के प्रतिनिधियों के साथ विस्तार से चर्चा की थी। जिसके बाद पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने कहा था कि 15 अगस्त तक सरकार लगभग 1100 करोड़ रुपये से अधिक राशि ग्राम पंचायतों के खाते में डालेगी।

सरपंचों की ये हैं प्रमुख मांगें...

इस बैठक में सरपंचों ने मांग रखी थी कि कुशल और अकुशल श्रमिकों के मानदेय में वृद्धि की जाए। साथ ही मध्यप्रदेश मॉडल पर राजस्थान सरपंचों का कार्यकाल बढ़ाने, सरपंचों को राजमार्गों पर टोल फ्री पास देने, पंचायती राज कल्याण कोष बोर्ड बनाने, पंचायतों को अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस जाब्ता उपलब्ध करवाने की मांग की।

चार बहनों के इकलौते भाई की पार्थिव देह देखकर रो पड़ा पूरा गांव

सीकर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सीकर के बेलगाम में एयरफोर्स में टेक्नीशियन पद पर तैनात ढाणी सेडूड़ा निवासी बलबीर सिंह का निधन हो गया। जवान की पार्थिव देह देर रात को नीमकाथाना पहुंची। गुरुवार सुबह 8 बजे सेना के वाहन से तिरंगा यात्रा निकालते हुए पार्थिव देह पैतृक गांव लाई गई। जहां राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि हुई।

गौरतलब है कि 4 अगस्त को जवान बलवीर सिंह तंवर सेना की बाइक से हथियार जमा करवाने के लिए कारागृह में जा रहे थे। इसी दौरान उनकी सेना के ट्रक से टक्कर हो गई। घायल को बेलगांव के सेना अस्पताल में भर्ती करवाया गया। 13 दिन बाद जवान ने अस्पताल में अंतिम सांस ली।

मौत की खबर सुनते ही गांव में सन्नाटा छा गया। बलवीर सिंह चार बहनों का इकलौता भाई था। 4 वर्ष पहले एयरफोर्स में लगा था। नौकरी लगने के बाद मजदूर पिता का हौसला बढ़ाते हुए चार साल के अंतराल में 3 बहनों की शादी की और नया मकान बनवाया।

अब खुद के विवाह की तैयारी में जुटा हुआ था। चार दिसंबर को सगाई की रस्म हुई थी।

चर्चा का विषय बन गई सांसद की बेटी की 'विधायक उम्मीदवार' पोस्ट

मुरारीलाल बोले- मजाक में लिख दिया था

दौसा, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सांसद मुरारीलाल मीना की बेटी निहारिका जोरवाल ने सांसद के ड्राइवर मुकेश मीना झर को दौसा से विधायक उम्मीदवार बताकर जन्मदिन की हार्दिक बधाई सोशल मीडिया पर पोस्ट की। कुछ देर बाद ही एक और पोस्ट कर लिखा कि 'आप सब के विचार जानने के बाद मुकेश मीना ने दौसा से चुनाव लड़ने का विचार निरस्त कर दिया है, अब 2028 में पुनर्विचार करेंगे'।

ये पोस्ट राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई। यूजर्स ने विधायक प्रत्याशी लिखने को लेकर निहारिका को ट्रोल करना शुरू कर दिया। गौरतलब है कि दौसा विधानसभा सीट पर उपचुनाव होंगे। ऐसे में टिकट को लेकर कई कांग्रेस नेता दौड़ में हैं। निहारिका ने गत वर्ष राजस्थान विश्वविद्यालय के अध्यक्ष पद का भी चुनाव लड़ा था।

दौसा से कौन-कौन है टिकट के दावेदार

राजस्थान विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद जिनको दिलासा दी गई थी, वे अब टिकट के सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। दौसा सीट पर उम्मीदवारों की लंबी सूची थी, स्थिति और जटिल तब हो गई जब लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने मुरारी लाल मीणा को टिकट दे दिया। इसके बाद नरेश मीणा ने बगावत करते हुए नामांकन दाखिल कर दिया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपना नामांकन वापस ले लिया। ऐसे में अब दौसा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस खेमे से नरेश मीणा प्रबल दावेदार हैं। एक और नाम सचिन पायलट के करीबी गजराज खटाणा का सामने आ रहा है।

इनका कहना है...

सभी जानते हैं कि प्रत्याशी इस तरह घोषित नहीं होते हैं, मैंने तो मजाक में लिख दिया था। ऐसी कोई बात नहीं है।

निहारिका जोरवाल

बच्चों की बात है, मजाक में लिख दिया। जनता समझदार है, प्रत्याशी चयन राष्ट्रीय स्तर से होता है।

यात्री बोला-बैग में बम

जयपुर एयरपोर्ट पर मच गया हड़कंप

जयपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी के जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बार फिर बम की अफवाह से हड़कंप मच गया। जयपुर एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह सामान की जांच के दौरान एक यात्री से पूछा गया कि बैग में क्या है? इस पर यात्री ने जवाब देते हुए कहा कि इसमें बम है।

बस फिर क्या था, एयरपोर्ट में हड़कंप मच गया। सीआईएसएफ ने यात्री को तुंरत हिरासत में ले लिया और उसके सामान की गहनता से जांच की। हालांकि, यात्री के बैग में बम नहीं मिलने पर सीआईएसएफ और एयरपोर्ट स्टाफ ने राहत की सांस ली।

जानकारी के मुताबिक आज सुबह एक यात्री जयपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट से भोपाल जा रहा था। इससे पहले उसके सामान की जांच की गई। जब सीआईएसएफ के जवानों ने यात्री से पूछा कि इस बैग में क्या है तो उसने कहा कि इसमें बम है। इसके बाद यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची गई। हालांकि, जांच के दौरान कुछ नहीं मिला।

इस साल 5 बार मिल चुकी धमकी

बता दें कि जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को इस साल 5 बार बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। हर बार यह धमकियां एयरपोर्ट प्रशासन के ऑफिशियल ईमेल आईडी पर ही मिलती रही। राजस्थान के जयपुर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट को 18 मई को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद पुलिस और सीआईएसएफ ने एयरपोर्ट पर गहनता से जांच की थी।

इससे पहले 29 अप्रैल, 26 अप्रैल, 16 फरवरी और 15 फरवरी को भी ईमेल के जरिए जयपुर एयरपोर्ट को बस से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। वहीं, हाल ही में जयपुर के निजी अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। जिसके बाद एटीएस और एसओजी ने अस्पतालों में सर्च ऑपरेशन चलाया था। लेकिन, किसी भी प्रकार की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी।

जरा संभलकर: *दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हैं तो आराम से चलिए जनाब*

कहीं महंगी न पड़ जाए ये नहीं व्यवस्था

अलवर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर अब ओवरस्पीड पर चलना भारी पड़ सकता है। एक्सप्रेस-वे पर ई-चालान सिस्टम शुरू हो चुका है। ऐसे में गाड़ी की ओवर स्पीड होने पर एक्सप्रेस-वे पर लगे कैमरों की मदद से गाड़ी की स्पीड नोट होगी और चालान सीधा वाहन चालक के घर पहुंचेगा। राजस्थान के अलवर, दौसा, सवाई माधोपुर और कोटा से एक्सप्रेस-वे गुजरता है। अलवर और दौसा क्षेत्र में सबसे ज्यादा सड़क हादसे हो रहे हैं। इन हादसों को रोकने के लिए एक्सप्रेस-वे पर ई-चालान व्यवस्था शुरू की है। एक्सप्रेस-वे पर ई-चालान काटे जा रहे हैं। अभी तक अलवर पुलिस ने 200 से ज्यादा ओवर स्पीड के चालान किए हैं। अलवर पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया कि एक्सप्रेस-वे को तीन पॉकेट में बांटा गया है। पहले पॉकेट के कैमरे का कंट्रोल रूम सोहना क्षेत्र में है। दूसरा दौसा और तीसरे पॉकेट का कंट्रोल रूम जयपुर में है। एक्सप्रेस-वे पर लगे कैमरे की मदद से वाहनों के ओवर स्पीड की जानकारी एनएचएआई के कंट्रोल रूम को मिलती है और वो इनपुट सीधे जयपुर कंट्रोल रूम भेजते हैं। उसके बाद संबंधित क्षेत्र के ट्रैफिक पुलिस विभाग को गाड़ी की जानकारी दी जाती है। उसके आधार पर ई-चालान काटे जाते हैं। एसपी ने कहा कि कम से कम 5 हजार रुपये का चालान होता है। ऐसे में ओवर स्पीड पर चलना जेब पर भारी पड़ सकता है।

ड्रग्स के ओवरडोज से युवक की मौत

परिजनों ने लगाया ये आरोप

नीमकाथाना, 22 अगस्त (एजेंसियां)। नीमकाथाना इलाके के सदर थाना अंतर्गत मावंडा खुर्द खरबसो ढाणी निवासी एक युवक की ड्रग्स की ओवरडोज से मौत हो जाने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना पर सदर पुलिस मौके पर पहुंची। घटना स्थल का जायजा लिया और शव को नीमकाथाना जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। वहीं, मृतक के परिजनों ने दो लोगों पर युवक को जबरन ड्रग्स का ओवरडोज देने और मारपीट कर वीडियो बनाने का भी आरोप लगाया और परिजनों की ओर से सदर थाने में दो दोनों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज करवाया गया है। सदर थाने के एएसआई राजेश कुमार ने बताया कि मृतक विकास के भाई राजेश ने मामला दर्ज करवाया कि उसका भाई विकास कुमार जो की फाइनेंस में रिकवरी का कार्य करता था। मंगलवार को सुबह घर से अपनी बाइक लेकर निकला था, जिसके बाद एक युवक ने उसे फोन कर सूचना दी, जिस पर वो विकास को माकड़ी फ़ाटक पर छतरी वाले जोहड़े से नशे की हालत में लेकर आया।

मृतक युवक के भाई ने आरोप लगाया कि विनोद सोलेत और विनोद यादव ने मिलकर उसके भाई से जबरन छतरी वाले जोहड़े में ले जाकर मारपीट करके हाईडोज नशीला एवं जहरीला पदार्थ का देकर बेहोशी हालत का वीडियो बनाकर उसे नशे की हालत में पटक कर फरार हो गए, जिससे विकास की मौत हो गई। रिपोर्ट में विकास के भाई रामनिवास ने बताया कि विकास के साथ दोनों आरोपी रंजिश रखते थे, जिसको लेकर सदर थाने में भी मामला दर्ज था। दोनों मामले में राजीनामा के लिए दबाव बना रहे थे। राजीनामा नहीं करने पर उसके भाई विकास के साथ मारपीट की। हाईडोज नशीला और जहरीला पदार्थ देकर उसकी हत्या कर दी। सदर थाने के एएसआई राजेश कुमार ने बताया कि परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। साथी मृतक युवक केशव का पोस्टमॉर्टम के बाद तो परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी गई है।

मुंह पर टेप, आंख पर पट्टी, बंधे मिले हाथ

दोस्त ने किया दोस्त के बेटे का किडनैप

जयपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. सांगानेर सदर इलाके में मंगलवार शाम 4 बजे घर के बाहर खेलते हुए एक बच्चे का किडनैप हो गया. बच्चे का अपहरण किसी और ने नहीं बल्कि उसके पिता के दोस्त ने किया था. उस पर कर्जा हो गया था. कर्ज अदा करने के लिए उसने अपने दोस्त के बेटे का ही अपहरण कर डाला. पुलिस ने 6 घंटे के अंदर बच्चे को बरामद कर लिया और आरोपी को गिरफ्तार किया है. बच्चे को दो आरोपियों ने किडनैप किया था. दोनों पर मामला दर्ज किया गया है. सांगानेर सदर कोतवाली प्रभारी पूनम चौधरी के मुताबिक, 20 अगस्त को 12 साल के बच्चे का अपहरण हो गया. उसके परिजनों ने पुलिस को जानकारी दी. सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत एक्टिव हुई और इलाके के

सीसीटीवी फुटेज खंगाले. परिजनों से पूछताछ में बच्चे के पिता ने अपने दोस्त सचिन मीणा पर शक जताया. पुलिस ने बच्चे के पिता से सचिन मीणा को फोन करवाया तो उसने अपनी लोकेशन चेन्नई बताई. उसके बाद पुलिस ने जब सचिन की लोकेशन ट्रेस करवाई तो वह जयपुर के पास आगरा रोड पर मिली. इसके बाद पुलिस ने लोकेशन के आधार पर जयपुर के पास बाँसखो इलाके से अपहरण किया बच्चों को रेस्क्यू किया. रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने लाइव वीडियो भी बनाया. पुलिस को बच्चा एक बंद कमरे में आंख और मुंह पर पट्टी बंधे हुए मिला. वहीं बच्चे के दोनों हाथ भी आरोपियों ने बांध रखे थे. पुलिस ने बच्चे को कैद से मुक्त किया. बच्चा काफी दहशत में था.

पुलिस ने आरोपी सचिन मीणा और उसका सहयोग करने वाले अशोक को गिरफ्तार कर लिया. दोनों को कोतवाली लाया गया. उनसे पूछताछ की गई. सीआई पूनम चौधरी ने बताया कि आरोपी ने मौज मस्ती में काफी पैसे उड़ा दिए थे, जिसकी वजह से उसके ऊपर काफी कर्जा हो गया था. कर्ज चुकाने के लिए उसने दोस्त के बेटे के अपहरण का प्लान बनाया. पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है. दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है.

आर्मी जवान पर एसिड अटैक का पुलिस ने किया खुलासा

शादीशुदा महिला गिरफ्तार, इस वजह से किया था हमला

झुंझुनू, 22 अगस्त (एजेंसियां)। आर्मी के एक जवान पर शनिवार सुबह किए गए एसिड अटैक का पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आर्मी जवान अरूण और खुशबू शर्मा पिछले करीब ढाई से तीन साल से रिलेशन में थे।

झुंझुनू जिले के सूरजगढ़ थाना इलाके के कुम्हारों का बास और भापर के बीच मुख्य सड़क पर आर्मी के एक जवान पर शनिवार सुबह किए गए एसिड अटैक का पुलिस ने खुलासा कर दिया। जवान पर एसिड अटैक करने के मामले में पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार भी कर लिया है। पूर्णमल कुम्हार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि शनिवार सुबह करीब पौने पांच बजे भारतीय सेना में कार्यरत उसका पोता अरूण कुमार पुत्र वीरेंद्र साइकिलिंग करने के लिए घर से रवाना हुआ था। थोड़ी देर बाद उसने अपने ताऊ राजेंद्र को फोन किया और बताया कि किसी ने उसकी आंखों में ज्वलनशील पदार्थ डाल दिया है। जिस पर राजेंद्र और महेंद्र गाड़ी लेकर घटना स्थल पर पहुंचे। दोनों पहले अरूण को लेकर चिड़ावा के सरकारी

अस्पताल गए, जहां से अरूण को पहले झुंझुनू और फिर जयपुर रेफर कर दिया गया। अरूण का इलाज जयपुर में चल रहा है।

मामले में रिपोर्ट में ये भी बताया गया है था कि शनिवार सुबह ही अरूण के फोन पर 4 बजकर 23 मिनट पर एक महिला का फोन आया था। पुलिस ने इसी क्रम में जांच को आगे बढ़ाते हुए कासनी गांव से आरोपी महिला को डिटेन किया। इसके बाद पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद भापर निवासी 28 वर्षीया खुशबू शर्मा पत्नी सुरेंद्र शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आर्मी जवान अरूण और खुशबू शर्मा पिछले करीब ढाई से तीन साल से रिलेशन में थे, लेकिन पिछले कुछ दिनों से अरूण, खुशबू शर्मा से कम बातचीत करने लग गया था। ऐसे में खुशबू को लगा कि अरूण की जिंदगी में शायद कोई दूसरी लड़की आ गई है। इसी बात को लेकर खुशबू ने अरूण को सबक सिखाने का प्लान बनाया और सुबह उसे बुलाकर उस पर एसिड फेंक दिया। सूरजगढ़ पुलिस ने आरोपी महिला को पूछताछ के बाद खेतड़ी कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

400 साल पुरानी शेखपेट सराय का होगा जीर्णोद्धार

अनुमानित लागत 12 करोड़ रुपये से अधिक : एचएमडीए

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने बॉम्बे राजमार्ग पर स्थित 400 साल पुराने कुतुब शाही युग के विरासत स्थल, शेखपेट सराय का महत्वपूर्ण जीर्णोद्धार किया जाएगा, जिसमें एक परिसर की दीवार, शौचालय और एक पार्किंग क्षेत्र का निर्माण शामिल है। हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) ने ऐतिहासिक स्थल के विकास के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं, इस परियोजना की अनुमानित लागत 12 करोड़ रुपये से अधिक है।

16वीं शताब्दी में इब्राहिम कुतुब शाह द्वारा निर्मित, शेखपेट सराय मूल रूप से गोलकुंडा किले की यात्रा करने वाले व्यापारियों के लिए विश्राम स्थल के रूप में कार्य करता था। इस स्थल में कुतुब शाही मकबरे और तारामती बारादरी के साथ-साथ गोलकुंडा सर्किट के भीतर एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण बनने की क्षमता है। हाल के वर्षों में, सराय का उपयोग बंद हो गया था और यह ट्रक ऑपरेटरों के लिए लोडिंग और अनलोडिंग पॉइंट बन गया था। हालांकि, आस-पास के इलाकों के तेजी से विकास के साथ, सरकार ने इस स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में पुनर्जीवित करने का फैसला किया है।

नगर प्रशासन के तत्कालीन प्रमुख सचिव और महानगर आयुक्त अरविंद कुमार ने दिसंबर 2022 में घोषणा की थी कि सराय, जो तीन एकड़ में फैली है और जिसमें 29 कमरे, एक ऊंट और घोड़े का अस्तबल, एक मकबरा और एक मस्जिद शामिल है, को एचएमडीए द्वारा अनुकूली पुनः उपयोग के लिए बहाल किया जाएगा।

सीरवी समाज कोरेमुला बडेर का वार्षिक सम्मेलन 5 सितंबर को

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज कोरेमुला में श्री आईमाता मंदिर में समाज की विशेष मीटिंग आयोजित की गई।

इसमें श्री आईमाताजी के 609वें अवतरण दिवस व दसवां वार्षिक सम्मेलन पर दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत 4 सितंबर रात्रि जागरण व 5 सितंबर प्रातः वेला में पूजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालुराम काग व सचिव डायाराम लचेटा ने बताया कि दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव कार्यक्रम में सुरेश कुमार ईडवा एण्ड पार्टी राजस्थान आई मां के चरणों में भजन प्रस्तुत करेंगे।

सम्पूर्ण कृषि ऋण माफी की मांग को लेकर राज्यव्यापी प्रदर्शन

बीआरएस के नेतृत्व में किसानों ने 119 विधानसभा क्षेत्रों में किया विरोध

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेतृत्व में किसानों ने तेलंगाना के सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन किया और सभी किसानों के लिए बिना शर्त फसल ऋण माफ करने की मांग की। पार्टी ने प्रत्येक किसान के लिए 2 लाख रुपये तक की पूरी कर्ज माफी की मांग की है, जैसा कि विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस ने वादा किया था।

मंडल और निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर आयोजित विरोध प्रदर्शनों में बीआरएस कार्यकर्ता और किसान सड़कों पर उतरे, हालांकि पुलिस ने कुछ क्षेत्रों में प्रदर्शनों को रोकने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर कृषक समुदाय से किए गए वादे को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया तथा ऋण माफी पर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने चेवेल्ला में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जबकि वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने अलेयर में धरने में भाग लिया।

पार्टी ने सरकार की ऋण माफी प्रक्रिया में पारदर्शिता की आवश्यकता पर जोर दिया और योजना पर खर्च की गई राशि को कम करने पर स्पष्टीकरण की मांग की। बीआरएस नेताओं ने बताया कि मुख्यमंत्री ने 40,000 करोड़ रुपये की माफी की घोषणा की थी, लेकिन कैबिनेट ने केवल 31,000 करोड़ रुपये ही मंजूर किए और राज्य बजट में केवल 26,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। अंत में, केवल 18,000 करोड़ रुपये वितरित किए गए, जिससे कई किसान संकट में हैं। किसानों ने विरोध प्रदर्शनों के प्रति प्रबल समर्थन प्रदर्शित किया है तथा उनके लिए योजना लागू करने में सरकार की शर्तों तथा कांग्रेस द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए ऋण माफी पर अपना रोष व्यक्त किया है। बीआरएस ने किसानों के लिए तब तक लड़ने की कसम खाई जब तक राज्य सरकार 2 लाख रुपये तक के फसल ऋण की पूरी माफी का अपना वादा पूरा नहीं कर देती।

सीएम से मिले मंदा कृष्णा मदिगा

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एमएमआरपीएस संस्थापक अध्यक्ष मंदा कृष्णा मदिगा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स आवास पर मुलाकात की। मंदा कृष्णा के साथ मंत्री दामोदरा राजनरसिम्हा, सरकारी सचेतक अदलुरी लक्ष्मण, विधायक वेमुला वीरेशम, कव्वामपल्ली सत्यनारायण, काले यादैया, लक्ष्मीकांत राव, पूर्व मंत्री मोत्कुपल्ली नरसिम्हुलु, पूर्व सांसद पसुनुरी दयाकर और अन्य ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री से एससी वर्गीकरण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू करने की अपील की।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सचिवालय में तेलंगाना खेल प्राधिकरण के लोगो का अनावरण किया। इस अवसर पर मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सरकारी सलाहकार जीतेंद्र रेड्डी, आयोग के अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

सीरवी समाज ट्रस्ट जवाहर नगर बालाजी नगर का वार्षिक सम्मेलन

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज ट्रस्ट जवाहर नगर बालाजी नगर स्थित श्री आईमाता मंदिर में श्री आईमाताजी के 609वें अवतरण दिवस व आठवां वार्षिक सम्मेलन पर दो दिवसीय कार्यक्रम 4 सितंबर रात्रि जागरण व भादवा सुदी बीज (दूज) गुरुवार 5 सितंबर प्रातः वेला में पूजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हिरालाल चोयल ने 4 सितंबर प्रातः वेला में श्री आईमाता मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर आई मां का विशेष श्रृंगारकर रात्रि 9.11बजे से जागरण आयोजित किया जाएगा। जिसमे आईमाता भजन मण्डली बालाजी नगर अचलाराम हाम्बड़ व मोहनलाल भायल माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। धर्मसभा का आयोजन अध्यक्ष जयराम पंवार की अध्यक्षता में किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथियों का स्वागत, किया जाएगा। कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी द्वारा आय-व्यय का विवरण, पदाधिकारियों का सम्मान किया जाएगा। सचिव हिरालाल चोयल द्वारा समाज में किये गये विकासशील कार्यो का विवरण दिया जाएगा।

रंबल स्ट्रिप्स स्वास्थ्य के लिए हानिकारक!

लोगों का दावा, ये पट्टियां गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर रही

रीढ़ की हड्डी में बन रहे दर्द का कारण

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के निवासियों ने शहर की सड़कों और फ्लाईओवरों से रंबल स्ट्रिप्स हटाने की अपनी मांग फिर से उठाई है। सोशल मीडिया पर कई उपयोगकर्ताओं का दावा है कि ये स्ट्रिप्स गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर रही हैं। विभिन्न शहरों में सड़कों और फ्लाईओवरों पर रंबल स्ट्रिप्स लगाए जाते हैं ताकि ड्राइवरों को संभावित खतरों के बारे में सचेत किया जा सके। हालांकि इनका उद्देश्य ड्राइवरों की गति को धीमा करना और दुर्घटनाओं को रोकना है, लेकिन ये रीढ़ की हड्डी में दर्द का कारण बन रहे हैं।

इस खामी के कारण, शहर में नवनिर्मित सड़कों और फ्लाईओवरों पर रंबल स्ट्रिप्स की स्थापना को देखते हुए नागरिकों द्वारा पहले भी चिंता जताई गई है। इस मुद्दे ने तब ध्यान आकर्षित किया जब इंदिरा पार्क से वीएसटी स्टील ब्रिज की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, जिसके बाद हैदराबाद में कई फ्लाईओवरों पर रंबल स्ट्रिप्स को लेकर कई आपत्तियां उठीं। हैदराबाद में रंबल स्ट्रिप्स को हटाने की नवीनतम मांग 'टीम रोड स्कार्ड' नामक एक एक्स अकाउंट द्वारा एक वीडियो साझा किए जाने के बाद आई। वीडियो के जवाब में, कई उपयोगकर्ताओं ने रम्बल स्ट्रिप्स को हटाने की मांग की। यह देखना अभी बाकी है कि मौजूदा सरकार सड़क सुरक्षा से समझौता किए बिना हैदराबाद में सड़कों और फ्लाईओवरों पर रंबल स्ट्रिप्स हटाने की मांग पर किस तरह ध्यान देगी।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 21 अगस्त, 2024 को संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) की 70वीं बैठक आयोजित की गई। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक एवं राकास के अध्यक्ष के द्वारा औपचारिक रूप से स्वागत संबोधन के बाद बैठक का शुभारंभ हुआ। बैठक में डॉ. जिनु जेकब, प्रभारी अधिकारी, हिंदी कक्ष, डॉ. सूगण्ण, प्रभारी अधिकारी- पुस्तकालय, श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, श्री शेख रूकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी (सदस्य) तथा डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी- राजभाषा (सदस्य-सचिव) चर्चा के दौरान उपस्थित थे। बैठक के दौरान सदस्य सचिव द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा निर्णय लिए गए कि संस्थान में सितंबर माह के दौरान हिंदी चेतना मास समारोह आयोजित किया जाए। उक्त समारोह के दौरान हिंदी में विभिन्न प्रतियोगिताओं के अलावा हिंदी में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाए तथा हिंदी कार्यशाला का आयोजन भी किया जाए। इसके अलावा राजाभाषा कार्यान्वयन गतिविधियों को तीव्र करने संबंध विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात बैठक का समापन हुआ।

निजी अस्पताल का आदिलाबाद कलेक्टर ने किया निरीक्षण

आदिलाबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर राजर्षि शाह ने निजी अस्पतालों को मरीजों का विवरण रजिस्टर में दर्ज करने के साथ-साथ कीमतों की सूची प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। उन्होंने गुरुवार को एक अस्पताल का औचक दौरा किया और रिकॉर्ड का निरीक्षण किया। शाह ने अस्पताल द्वारा बनाए गए रजिस्टरों में मरीजों का ब्यौरा न होने पर नाराजगी जताई, खास तौर पर उन मरीजों का ब्यौरा जो डेंगू और अन्य वायरल बुखार से पीड़ित पाए गए। जब उन्होंने डॉक्टरों से डेंगू बुखार की मात्रा के बारे में पूछा तो वे इस बात से नाखुश थे कि डॉक्टर कुछ नहीं बता पाए। कलेक्टर ने अस्पताल प्रबंधन को रजिस्टरों का उचित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और एक सप्ताह के भीतर नोटिस का जवाब देने को कहा।

बस स्टैंड घायल हुई महिला, क्षेत्रीय अस्पताल में उपचार के लिए बैठी।

पूर्व डीआरडीओ प्रमुख सतीश रेड्डी बिट्स पिलानी हैदराबाद में हुए शामिल

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कई उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं और नवाचारों के माध्यम से भारत की रक्षा क्षमताओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद डीआरडीओ के पूर्व अध्यक्ष और रक्षा मंत्री के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार, डॉ. जी सतीश रेड्डी, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स) पिलानी, हैदराबाद कैंपस में इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग में प्रतिष्ठित वरिष्ठ प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए।

डॉ. रेड्डी ने कहा कि डीआरडीओ में लगभग 39 वर्षों के बाद, एक अकादमिक सेटिंग में अपना शोध जारी रखना एक स्वाभाविक कदम है। अपनी नई भूमिका में डॉ. रेड्डी विभाग में अनुसंधान और अकादमिक नेतृत्व के मामले में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। वे बिट्स पिलानी, हैदराबाद परिसर में स्थित राष्ट्रीय सुरक्षा में अनुसंधान उत्कृष्टता केंद्र में उन्नत अनुसंधान पहलों का मार्गदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। डॉ. रेड्डी ने कहा कि बिट्स पिलानी लंबे समय से शोध पहलों में भागीदार रहा है और यहां (सीआरईएनएस) की स्थापना विशेष रूप से आकर्षक है। मैं केंद्र में योगदान देने और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नवाचार और तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए उद्योग, सुरक्षा एजेंसियों और स्टार्ट-अप के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हूं। विश्वविद्यालय ने कहा कि डॉ. रेड्डी के अनुभव से विभाग की शोध पहल को मजबूती मिलेगी तथा उसके शैक्षणिक कार्यक्रमों का स्तर ऊपर उठेगा। उन्होंने कहा कि उनका

कलेक्टर ने अस्पताल का किया निरीक्षण

निर्मल, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलक्टर अभिलाष अभिनव ने गुरुवार को नरसापुर (जी) मंडल केंद्र के सरकारी सामाजिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया और कर्मचारियों को कई निर्देश दिये। अस्पताल के आंतरिक रोगी, बाह्य रोगी विभाग, औषधि कक्ष एवं टीकाकरण कक्ष के संबंधित रजिस्टरों की जांच की गई। मरीजों से अस्पताल में दी जाने वाली सुविधाओं और उपचार के बारे में पूछा गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने सरकारी अस्पतालों में प्रसव की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया। चिकित्सा के लिए आने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की सलाह दी गई है। मौसमी बीमारियों एवं विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक बिस्तर, दवाइयां एवं अन्य चिकित्सा उपकरण निरंतर उपलब्ध रखे जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि डॉक्टर और कर्मचारी समय-सारिणी का सख्ती से पालन करें और यदि वे अपने कर्तव्यों में लापरवाही करेंगे तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ओयू परिसर में उपग्रह प्रक्षेपण वाहनों मॉडलों का स्थायी प्रदर्शन

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपग्रह प्रक्षेपण यान, पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान, मानव अंतरिक्ष उड़ान और उपग्रह मॉडल का एक स्थायी प्रदर्शन जल्द ही विशाल उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) परिसर में लगाया जाएगा। गुरुवार को ईसीई विभाग में आयोजित 'स्पेस ऑन व्हील्स' प्रदर्शनी के दौरान प्रस्ताव की घोषणा करते हुए ओयू के रजिस्ट्रार प्रो.पी लक्ष्मीनारायण ने कहा कि ओयू परिसर में प्रक्षेपण वाहनों के मॉडलों का स्थायी प्रदर्शन छात्रों के व्यावहारिक सीखने के अनुभव को समृद्ध करेगा और साथ ही उन्हें अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

इसरो-एनआरएससी के सहयोग से ओयू द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में जीडीमेटला स्थित एनआरएससी के आउटरीच केंद्र से ओशनसैट, रीसैट, रिसोर्ससैट और चंद्रयान सहित उपग्रह मॉडल प्रदर्शित किए गए। चंद्रयान-3 के उतरने की जगह (शिवशक्ति बिंदु) को दर्शाता चंद्रमा का 3डी मॉडल छात्रों और आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। जीएसएलवी एमके-III, पीएसएलवी, एएसएलवी, एसएलवी-3, आरएलवीटीडी जैसे प्रक्षेपण यान और ओशनसैट, रीसैट और चंद्रयान 1 और 3 जैसे उपग्रहों के मॉडल प्रदर्शित किए गए। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. पी. नवीन कुमार ने कहा कि प्रदर्शनी ने छात्रों को इसरो मिशनों के भौतिक मॉडलों से जुड़ने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान किया, जिससे अंतरिक्ष विज्ञान के बारे में उनकी समझ बढ़ी। उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण के प्रति गहरी समझ को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। इसरो-एनआरएससी के वैज्ञानिक एसएफ डॉ. श्रीनिवास ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया और चंद्रयान-3 तथा इसरो की उपलब्धियों पर एक प्रेरक व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में सरकारी और निजी कॉलेजों के छात्रों और शिक्षकों सहित लगभग 1,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जिले में अवैध गतिविधियों पर नकेल कसी जाए : एसपी

आसिफाबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिला पुलिस कार्यालय में गुरुवार को एसपी डीवी श्रीनिवास राव आईपीएस ने मासिक अपराध समीक्षा बैठक की। इस मौके पर एसपी ने सभी पदाधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विजिबल पुलिसिंग का महत्व सभी अधिकारी बढ़ाएं। पुलिस स्टेशन के भीतर गांव का दौरा और कस्बों में वार्ड का दौरा बढ़ाया जाना चाहिए। वे स्थानीय लोगों के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यदि कोई शांति और सुरक्षा समस्या हो तो उन्हें तुरंत जानकारी मिले। डायल हंड्रेड के माध्यम से प्राप्त कॉलों का यथाशीघ्र उत्तर दिया जाए और यथाशीघ्र अपराध स्थल पर पहुंचा जाए, जिससे अपराध की गंभीरता को कम किया जा सके। डायल 100 पर प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत की मैदानी स्तर पर जांच की जाए और समस्या के समाधान का प्रयास किया जाए। उपद्रवी और हिस्ट्रीशीटरों पर विशेष निगरानी की व्यवस्था की जाए और समय-समय पर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाए। उनसे संबंधित नई जानकारी हर माह एकत्र कर दर्ज की जाए। समाज की शांति और सुरक्षा को बार-बार भंग करने वालों और लोगों को धोखा देने वालों के खिलाफ मोर्चा खोलना चाहिए। प्रत्येक अधिकारी को देश भर में लाए गए नए कानूनों के कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान देना चाहिए, उसी के अनुसार मामले दर्ज करने चाहिए। हाल ही में गांजे के अवैध उपयोग और परिवहन में वृद्धि के कारण, मैदानी स्तर पर ध्यान केंद्रित करना और एनडीपीएस अधिनियम के माध्यम से मामले दर्ज करना आवश्यक है। साइबर अपराधों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस स्टेशनों द्वारा साइबर योद्धाओं को नियुक्त किया गया है, और जैसे ही उन्हें पता चलता है कि संबंधित पुलिस स्टेशन में साइबर अपराध हुआ है, तो उन्हें तुरंत प्रतिक्रिया देनी चाहिए। साइबर अपराध को रोकने के लिए एक साइबर अपराध नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधों को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक थाने के अन्दर भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायें। जिस स्थान पर अनेक दुर्घटनाएं घटित हुई हों, उस स्थान को हॉट स्पॉट के रूप में चिन्हित कर उनके कारणों को जाना जाए तथा यदि आवश्यक हो तो अन्य विभागों के साथ समन्वय कर समस्या के समाधान हेतु कदम उठाए जाएं। अवैध रेत परिवहन, मवेशियों का अवैध परिवहन, पीडीएस चावल, मटका का अवैध परिवहन, अवैध ऑनलाइन गेमिंग, पोकर अड्डों की पहचान करना और खिलाड़ियों को गिरफ्तार करना आदि कार्य जरूर किए जाएं। आगामी गणेश नवरात्रि उत्सव के हिस्से के रूप में, यह सुनिश्चित करने के लिए कि त्योहार बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण माहौल में मनाए जाएं, प्रत्येक पुलिस स्टेशन के अंतर्गत विभिन्न ग्राम नेताओं के साथ एक बैठक की व्यवस्था की गई है।

हरीश राव ने यदाद्री में की पूजा

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने गुरुवार को अन्य बीआरएस नेताओं के साथ यदाद्री में श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में विशेष पूजा की और तेलंगाना के लोगों की ओर से क्षमा मांगी। उन्होंने प्रार्थना की कि भगवान तेलंगाना के लोगों पर अपना प्रकोप न दिखाएं, क्योंकि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने 15 अगस्त तक किसानों का पूरा कर्ज माफ करने की झूठी शपथ ली थी। पूजा करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए हरीश राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी किसानों से कर्जमाफी के बारे में किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने न केवल किसानों को गुमराह किया है, बल्कि कर्जमाफी न करके धार्मिक भावनाओं का भी अपमान किया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रोहित बोले- कोच और मैनेजमेंट ने खुली छूट दी

जिससे वर्ल्डकप जीते, द्रविड़, शाह और अगरकर को क्रेडिट दिया, उन्हें तीन स्तंभ बताया

मुंबई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि टीम के पूर्व चीफ कोच राहुल द्रविड़, सेलेक्शन कमिटी के अध्यक्ष अजित अगरकर और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI)के सचिव जय शाह ने रिजल्ट की चिंता किए बिना उन्हें पूरी छूट दी। जिसकी वजह से ही हम लोग टी-20 वर्ल्ड कप जीतने में सफल हुए।

भारत ने रोहित की कप्तानी में इस साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका को हरा कर 17 साल बाद खिताब अपने नाम किया।

रोहित ने एक कार्यक्रम में साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर चुने जाने के बाद कहा, मेरा सपना था कि बिना रिजल्ट और आंकड़ों की चिंता किए बिना इस टीम को बदलूं। टीम में एक ऐसा माहौल तैयार करूं जहां, खिलाड़ी मैदान पर बिना कुछ चिंता किए खुल कर खेल सकें।

इसके लिए मुझे सपोर्ट की जरूरत थी।

मुझे यह सपोर्ट अपने तीन स्तंभों से मिली जो असल में जय शाह, राहुल द्रविड़ और चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर हैं। मैंने जो किया वह मेरे लिए महत्वपूर्ण था और निश्चित रूप से उन खिलाड़ियों को भी नहीं भूलना चाहिए जो अलग-अलग समय पर आए ओर टीम को हासिल करने में मदद की जो हमने हासिल किया।

वर्ल्ड कप जीतने का अहसास शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता'

रोहित ने कहा कि वर्ल्ड जीतने की खुशी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। यह एक ऐसा अहसास था जो हर दिन नहीं आ सकता। जब हमने वर्ल्ड कप जीता, तो हम सभी के लिए उस पल का आनंद लेना महत्वपूर्ण था, जिसे हमने काफी अच्छी तरह किया और हमारे साथ जश्न मनाने के लिए हमारे देश को भी धन्यवाद।

जितना यह हमारे लिए मायने रखता था, उतना ही यह पूरे देश के लिए भी मायने रखता था। इसे वापस घर लाना और यहां सभी के साथ जश्न मनाकर बहुत अच्छा लगा।

बल्ले की वजन की चिंता नहीं करता

रोहित ने आगे कहा,'मेरे लिए बल्ले का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण है। मैंने बहुत से लोगों को देखा है जो 'बल्ले में कितने दाने हैं', 'बल्ले का वजन कितना है' और 'यह बाहर से कैसा दिखता है' के बारे में बहुत सोचते हैं, लेकिन मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं। मैं बल्ला उठाता हूं और अगर मुझे लगता है कि यह सही बल्ला है, तो मैं उसी से खेलता हूं।

टी-20 वर्ल्ड कप के बाद हमारी उम्मीदें बढ़ी

रोहित ने कहा की टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद हमारी महत्वकांक्षा बढ़ी है। एक बार आप जब कुछ हासिल कर लेते हैं और आगे भी उसे हासिल करना चाहते हैं और आप रूकना नहीं चाहते हैं। जैसा मैं सोच रहा हूं, शायद मेरे टीम के अन्य खिलाड़ी भी यही सोचते होंगे।

मैनचेस्टर टेस्टः श्रीलंका पहली पारी में 236 रन पर ऑलआउट

कप्तान डी सिल्वा और रत्नायके के अर्धशतक

मैनचेस्टर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंकाई टीम इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन खराब शुरुआत से वापसी करने में कामयाब रही। टीम ने पहली पारी में 236 रन का सम्मान जनक स्कोर बनाया। एक समय श्रीलंकाई टीम ने 100 के अंदर 6 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में कप्तान धनंजय डी सिल्वा और डेब्यू कर रहे मिलन रत्नायके ने अर्धशतक जमाए।

खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने बिना नुकसान के 22 रन बना लिए हैं। कप्तान ऑली पोप और बेन डकेट नाबाद रहे। मैनचेस्टर में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया, लेकिन इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डी सिल्वा के फैसले को तब गलत साबित कर दिया, जब मेहमान टीम ने 6 रन पर 3 विकेट गंवा दिए।

लंच तक टीम का स्कोर 80/5 था। चाय से पहले कप्तान डी सिल्वा के आउट होने के बाद रत्नायके ने 72 रन बनाते हुए टीम को 200 का आंकड़ा पार कराया। इंग्लैंड के क्रिस वोक्स और शोएब बसीर को 3-3 विकेट मिले।

कप्तान ने पारी संभाली, 15वां अर्धशतक

कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने शुरुआती विकेट जल्दी गंवाने के बाद पारी संभाली। उन्होंने 74 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को बिखरने से रोका। डी सिल्वा ने मिडिल ऑर्डर में छोटी-छोटी, लेकिन अहम साझेदारियां की। उन्होंने 8वें विकेट के लिए मिलन रत्नायके के साथ 98 बॉल पर 63 रन की साझेदारी की और स्कोर 150 पार पहुंचाया।

इंग्लिश पेसर्स के नाम रहा था पहला सेशन

पहले दिन का पहला सेशन इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के नाम रहा था। लंच तक श्रीलंकाई टीम का स्कोर 80/5 रहा। यहां कप्तान डी सिल्वा 28 रन पर नाबाद रहे।

इस सेशन में श्रीलंकाई टीम के टॉप-5 बैटर्स का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। एंजेलो मैथ्यूज तो खाता भी नहीं खोल सके। ओपनर्स ने मिलकर महज 6 रन का योगदान दिया। कुसल मेंडिस ने 24 रन की पारी खेली।

एटकिंसन को पहली सफलता, वोक्स को ओवर में दो विकेट

गस एटकिंसन ने इंग्लिश टीम के विकेट का खाता खोला। उन्होंने श्रीलंकाई पारी के छठे ओवर में दिमुथ करुणारत्ने को विकेटकीपर जेमी स्मिथ के हाथों कैच कराया। करुणारत्ने 18 बॉल पर 2 रन बनाकर आउट हुए।

अगले ओवर में क्रिस वोक्स ने ओवर में दो बल्लेबाजों को आउट किया। उन्होंने क्रिस वोक्स ने मदुशंका को रूट के हाथों कैच कराया, जबकि मैथ्यूज को LBW किया। फिर मार्क वुड ने कुसल मेंडिस और शोएब बसीर ने चंडीमल के विकेट लिए।

टॉप-5 बैटर्स 25 का आंकड़ा पार नहीं कर सके

श्रीलंकाई टीम की ओर से टॉप-5 बल्लेबाज 25 रन से ज्यादा स्कोर नहीं कर सके। ओपनर मदुशंका 4 और करुणारत्ने 2 रन बनाकर आउट हुए। जबकि मेंडिस ने 24 रन जोड़े। एंजेलो मैथ्यूज अपना खाता भी नहीं खोल सके। चंडीमल ने 17 रन का योगदान दिया।

शतक के बाद फुस्स हो गया ईशान किशन का बल्ला

दूसरे मैच में फ्लॉप शो दिखाने पर हुए ट्रोल

चेन्नई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु की प्रतिष्ठित बुची बाबू टूर्नामेंट के पहले मैच में ईशान किशन ने शानदार शतक लगाकर अपना लोहा मनवाया था। लेकिन, दूसरे ही मैच में उन्होंने खराब प्रदर्शन किया है, जिसके चलते उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। ईशान किशन ने इस टूर्नामेंट में झारखंड टीम की कमान संभाल रहे हैं। पहले मैच में शतक जड़कर ईशान किशन ने टीम इंडिया में अपनी वापसी का दावा ठोंका था, लेकिन दूसरे मैच में उनके खराब प्रदर्शन की वजह से उन्हें ट्रोल किया जाने लगा है।

किया बुरा प्रदर्शन

ईशान किशन इस टूर्नामेंट में अपना दूसरा मैच हैदराबाद की

टीम के खिलाफ खेल रहे हैं। इस मैच में झारखंड की टीम पहले बल्लेबाजी कर रही है। मैच में झारखंड की टीम ने 143 रन के स्कोर पर अपना चौथा विकेट खोया था। इस बीच ईशान किशन बल्लेबाजी करने के लिए आए थे। टीम को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी लेकिन ईशान महज 1 रन बनाकर ही आउट हो गए। उन्होंने 11 गेंद खेलकर 1 रन बनाए और त्यागराजन की गेंद पर अपना विकेट गंवा दिया। ईशान किशन ने स्वीप स्लॉग शॉट खेलते हुए अपना विकेट विपक्षी टीम को तोहफे के रूप में दिया। ईशान किशन के लिए ये टूर्नामेंट बेहद अहम माना जा है। इस टूर्नामेंट में अगर वो अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उन्हें अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज में टीम इंडिया में जगह मिल सकती है।

पहले मैच में जड़ा था शतक

ईशान किशन ने इस टूर्नामेंट में अपने पहले ही मैच में शतक जड़ा था। उन्होंने मध्य प्रदेश के खिलाफ ये शतक लगाया था। इस मैच में उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाकर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। ईशान किशन ने इस मैच में 114 गेंदों में 107 रन बनाए थे। उन्होंने 86 गेंदों में अपना शतक पूरा किया था। जबकि दूसरी पारी में उन्होंने नाबाद 41 रन की पारी खेली थी।

मैच में झारखंड की हालत हुई खराब

मैच में ईशान किशन की टीम झारखंड की हालत खराब है। झारखंड की टीम पहली पारी में 178 रनों पर ऑलआउट हो गई है। हालांकि, हैदराबाद ने भी 132 रन के स्कोर पर अपने 5 विकेट खो दिए हैं।

अंडर-17 वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में चार मेडल पक्के

अदिति कुमारी, नेहा, पुलकित और मानसी लाठर फाइनल में पहुंची

अम्मान, 22 अगस्त (एजेंसियां)। जॉर्डन के अम्मान में चल रही अंडर-17 वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप 2024 में चार महिला पहलवानों ने फाइनल में पहुंच कर अपना मेडल पक्का कर लिया है। वहीं भारत को अब तक 2 ब्रॉन्ज मेडल मिला है। खेले गए सेमीफाइनल में अदिति कुमारी, नेहा, पुलकित और मानसी लाठर ने मुकाबला जीत कर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

अदिति ने 43 किलो वेट में सेमीफाइनल में एलेक्सांद्रा बेरेजोवस्काइया को 8-2 से हरा कर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। फाइनल में उनका मुकाबला ग्रीस की मारिया लुइजा गिंका के साथ होगा। इससे पहले उन्होंने यूक्रेन की कैरोलिन शफरिक को 10-0 को और

उसके बाद मैरीम मोहम्मद अब्देलाल को 4-2 से हराया। वहीं 57 किलो वेट में नेहा ने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की अन्ना स्ट्रेटेन को हरा कर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। इससे पहले उन्होंने यूनान की माइरी मेनी को और उसके बाद जॉर्जिया की मिरांडा केपेनाद्जे को तकनीकी दक्षता के आधार पर हराया। फाइनल में उनका मुकाबला जापान की सो त्सुत्सुई से होगा।

65 किलो वेट में पुलकित मिस्र की मराम इब्राहिम ऐली को 3-0 से हरा कर फाइनल में पहुंची। अब उनका अगला मुकाबला डारिया फ्रोलोवा से होगा। इससे पहले उन्होंने चीन के लिंग केइ को हराया और उसके बाद जूलियाना केटेनजारो के खिलाफ 9-0 से जीत दर्ज की।

73 किलो वेट में मानसी लाठर ने सेमीफाइनल में क्रिस्टीना डेमचुक को 12-2 से हरा कर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। वहां पर उनका मुकाबाला हन्ना पिरस्काया से होगा।

ग्रीको रोमन के 110 किलो वेट में रौनक दहिया ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में रौनक ने तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को 6-1 से हराया। इससे पहले रौनक सेमीफाइनल मुकाबले में हंगरी के जोल्टन जाको से 0-2 से हार गए थे।

मोहम्मद रिजवान ने बांग्लादेश के खिलाफ जड़ा शतक

रावलपिंडी, 22 अगस्त (एजेंसियां)। रावलपिंडी में खेले जा रहे टेस्ट सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने शानदार शतक जड़ा है. ये उनके टेस्ट करियर का तीसरा शतक है. रिजवान ने अपने तीनों टेस्ट शतक की सक्रिप्ट पाकिस्तान में ही लिखी है.करियर के 3 टेस्ट शतकों में 2 उन्होंने रावलपिंडी में ही बनाए हैं. जबकि एक की सक्रिप्ट उन्होंने कराची में लिखी है.

रिजवान ने 146 गेंदों पर पूरा किया शतक

टेस्ट करियर में रिजवान ने बांग्लादेश के खिलाफ पहली बार शतक लगाया है. इससे पहले 2 शतक उन्होंने साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाए थे. बांग्लादेश के खिलाफ मोहम्मद रिजवान ने अपना शतक चौके के साथ पूरा किया. उन्होंने 146 गेंदों पर अपने तीसरे टेस्ट शतक की सक्रिप्ट लिखी, जिसमें 8 चौके और 2 छक्के शामिल रहे.

एआईएफएफ अध्यक्ष चौबे ने लिखा सीएम ममता को पत्र

विरोध प्रदर्शन से कोलकाता में होने वाले मैचों पर असर

कोलकाता, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष और बीजेपी नेता कल्याण चौबे ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर कोलकाता में होने वाले डूरंड कप मैच को बहाल करने की मांग की। दरअसल, हाल ही में कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया था। इसके बाद मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच रविवार (18 अगस्त) होने वाला मुकाबला विरोध प्रदर्शन के चलते रद्द कर दिया गया था।

मौजूदा चैंपियन मोहन बागान और ईस्ट बंगाल भी अपने क्वार्टर फाइनल मैच घरेलू मैदान पर नहीं खेल रहे हैं। मोहन बागान का क्वार्टर फाइनल मुकाबला 23 अगस्त को

जमशेदपुर में पंजाब एफसी से होगा जबकि ईस्ट बंगाल का मुकाबला शिलांग में शिलांग लाजोंग से होगा। हालांकि, सॉल्ट लेक स्टेडियम में शुक्रवार को बेंगलुरू एफसी बनाम केरला ब्लास्टर्स क्वार्टर फाइनल मैच खेला जाना है।

आयोजकों ने सेमीफाइनल (25 और 27 अगस्त) और फाइनल (31 अगस्त) के आयोजन स्थल के बारे में अभी तक कोई घोषणा नहीं की है जो सॉल्ट लेक स्टेडियम में होने वाले हैं। चौबे ने पत्र में कहा, ₹मुझे ना केवल भाग लेने वाली टीमों के समर्थकों से बल्कि दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसकों से भी कई अपील मिली हैं, जिसमें कोलकाता में डूरंड कप मैचों को फिर से आयोजित करने का अनुरोध किया गया है।

बागान-ईस्ट बंगाल डर्बी मैच को रद्द करने का निर्णय कोलकाता पुलिस अधिकारियों और टूर्नामेंट के आयोजकों के बीच बैठक के बाद लिया गया था। उन्होंने पत्र में आगे कहा, ₹एआईएफएफ के अध्यक्ष के रूप में मैं आपके कार्यालय से यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने और उपाय करने का आग्रह करता हूं कि डूरंड कप मैच कोलकाता में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किए जा सकें।

24 साल की अर्चना कामथ ने छोड़ा टेबल टेनिस, अब यूएस में करेंगी पढ़ाई

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की स्टार महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी अर्चना कामथ ने हाल ही में पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लिया था। अब वह इस खेल को छोड़कर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। इसके लिए उन्होंने यूएस जाने का फैसला लिया है। यह घटना हैरान करने वाली है, क्योंकि अर्चना ने पेरिस ओलंपिक में महिला टीम के साथ इतिहास रचा था। भारत की महिला टेबल टेनिस टीम पहली बार ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में कामयाब रही थी। क्वार्टर फाइनल में टीम इंडिया को जर्मनी के हाथों हार मिली थी, जहां अर्चना कामथ एकमात्र पैडलर थीं जिन्होंने एक गेम जीता था। भारत यह मैच 1-3 से हार गया था और प्रतियोगिता से बाहर हो गया। अब 2028 में लॉस एंजिल्स खेलों में पदक की कोई गारंटी नहीं होने के कारण युवा पैडलर अर्चना ने पेशेवर रूप से टेबल टेनिस छोड़ने का फैसला किया है।

पेरिस खेलों से स्वदेश लौटने के बाद अर्चना कामथ ने अपने कोच अंशुल गर्ग से अगले खेलों में पदक हासिल करने की संभावनाओं के बारे में ईमानदार बातचीत की थी। अर्चना के रुख से स्तब्ध कोच ने ईमानदारी से जवाब देने का फैसला किया। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस को बताया- मैंने उनसे कहा कि यह मुश्किल है। इसमें बहुत मेहनत लगेगी। वह दुनिया में शीर्ष 100 से बाहर हैं, लेकिन पिछले कुछ महीनों में उन्होंने बहुत सुधार किया है। लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने जाने का मन पहले ही बना लिया था। और एक बार जब वह अपना मन बना लेती है, तो इसे बदलना

मुश्किल होता है।

अर्चना के ओलंपिक के लिए चयन को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, लेकिन उन्होंने विवाद पर ध्यान देने की बजाय अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया और वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। अर्चना को टीओपी, ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट (ओजीक्यू) और अन्य प्रायोजकों का समर्थन प्राप्त है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं रहा। ओलंपिक में एक जीत के बावजूद उन्होंने पढ़ाई को ही अपना करियर बनाने का सोचा है। अर्चना ने बताया- मेरा भाई नासा में काम करता है। वह मेरे आदर्श हैं और वह भी मुझे अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इसलिए मैं पढ़ाई पूरी करने के लिए समय निकाल रही हूं और मैं इसका आनंद ले रही हूं। मैं भी पढ़ाई में अच्छी हूं।

अर्चना को उनके पिता ने एक शानदार छात्र बताया और कहा कि उन्हें अपने करियर विकल्पों के बारे में कोई पछतावा नहीं है। अर्चना के पिता गिरीश ने कहा- वह हमेशा अकादमिक रूप से उन्मुख रही हैं और अपने टीटी करियर के साथ उन्होंने अर्थशास्त्र में स्नातक स्तर की पढ़ाई की है और हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों, रणनीतियों और प्रतिभूतियों में मास्टर डिग्री के लिए आवश्यकताओं को पूरा किया है। 15 से अधिक वर्षों तक इतने समर्पण और जुनून के साथ टेबल टेनिस खेलने के बाद उन्होंने महसूस किया कि यह उनके लिए अपने अन्य जुनून-पूर्णकालिक अध्ययनों को आगे बढ़ाने का समय है। उन्होंने खेल और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के बाद बिना किसी पछतावे के यह कठिन कदम उठाया है।

पेरिस खेलों के बाद अर्चना द्वारा उठाए गए कठोर कदम को देखते हुए टेबल टेनिस जैसे खेलों की वित्तीय स्थिरता चिंता का विषय है। आठ बार के राष्ट्रीय चैंपियन और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) के मौजूदा सचिव कमलेश मेहता का मानना है कि बदलाव तेजी से हो रहा है। उन्होंने कहा, 'टेबल टेनिस को काफी कॉरपोरेट समर्थन मिल रहा है। अल्टीमेट टेबल टेनिस के सभी कॉर्पोरेट मालिक हैं। पेशेवर खेल एजेंसियों द्वारा भी खिलाड़ियों का समर्थन किया जा रहा है। बहुत कुछ हो रहा है और टीटीएफआई के साथ सरकार खिलाड़ियों का समर्थन करने और एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए जो कुछ भी कर सकती है, कर रही है जिससे खिलाड़ी खेल में बने रहना चाहते हैं। देश में जितनी संख्या में पेशेवर अकादमियां सामने आई हैं, वह इसका प्रमाण है।

लुसाने डायमंड लीग में चमक बिखेरने को तैयार नीरज चोपड़ा

अरशद नदीम नहीं लेंगे हिस्सा

लुसाने, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अब डायमंड लीग में चमक बिखेरने के लिए तैयार हैं। लंबे समय से ग्रोइन की चोट से जूझ रहे नीरज गुरुवार को लुसाने डायमंड लीग में उतरेंगे। नीरज की कोशिश लुसाने चरण में प्रभाव छोड़ने के साथ ही अगले महीने डायमंड लीग की ट्रॉफी दोबारा हासिल करने की होगी। नीरज आठ अगस्त को पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

चौथे स्थान पर चल रहे हैं नीरज

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 26 साल के नीरज ने हाल ही में लुसाने में डायमंड लीग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की पुष्टि की थी जिसके कारण अब उनकी सर्जरी पर फैसला सत्र की समाप्ति के बाद होगा। नीरज 2022 में डायमंड लीग चैंपियन थे और पिछले साल अमेरिका के यूजीन में विनर-टेक-ऑल डायमंड लीग

फाइनल में चेक गणराज्य के याकूब वाडलेच के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। मौजूदा सत्र का डायमंड लीग फाइनल 14 सितंबर को ब्रुसेल्स में होगा। फाइनल के लिए क्वालिफाई करने के लिए उन्हें डायमंड लीग मीटिंग सीरीज तालिका में शीर्ष छह में रहना होगा। पांच सितंबर को ज्यूरिख में एक और डायमंड लीग प्रतियोगिता होनी है जिसमें पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा भी शामिल है। 10 मई को दोहा डायमंड लीग में वाडलेच के बाद दूसरे स्थान पर रहने से वह सात अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं।

नीरज को शीर्ष खिलाड़ियों से मिलेगी चुनौती

आठ अगस्त को ओलंपिक फाइनल के बाद नीरज ने स्विट्जरलैंड में प्रशिक्षण शुरू कर दिया और चोट की समस्या के बावजूद इस सत्र को शानदार तरीके से समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। नीरज का मुकाबला लुसाने में शीर्ष खिलाड़ियों से होगा जिसमें पेरिस ओलंपिक फाइनल में शीर्ष छह में जगह बनाने वाले पांच खिलाड़ी भी शामिल हैं। केवल पाकिस्तान के अरशद नदीम ही इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे जिन्होंने 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर एथलेटिक्स जगत को चौंका दिया था। नदीम सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में 84.21 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। यह एकमात्र डायमंड लीग प्रतियोगिता और साथ ही ओलंपिक के अलावा एकमात्र टूर्नामेंट था जिसमें नदीम ने इस सत्र में हिस्सा लिया था। वह तालिका में पांच अंक के साथ छठे स्थान पर हैं।

सीएम ने अडानी के खिलाफ प्रदर्शन में लिया भाग

> दावोस में अडानी के साथ मुलाकात की तस्वीरें वायरल कर तंज कस रही बीआरएस

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दावोस में निवेश सौदों पर हस्ताक्षर करने और पुराने शहर में बिजली बिलों के संग्रह का काम अडानी समूह को सौंपने के बाद, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय के सामने अडानी समूह के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

यह विरोध अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा देश भर में कांग्रेस की सभी इकाइयों को भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के निर्देश दिए जाने के बाद किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि वह देश की संपत्ति लूटने में अडानी समूह का समर्थन कर रही है। सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच द्वारा की गई अनियमितताओं पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मांग की थी कि भाजपा सरकार उन्हें पद से बर्खास्त करे और उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू करे। कैबिनेट मंत्रियों

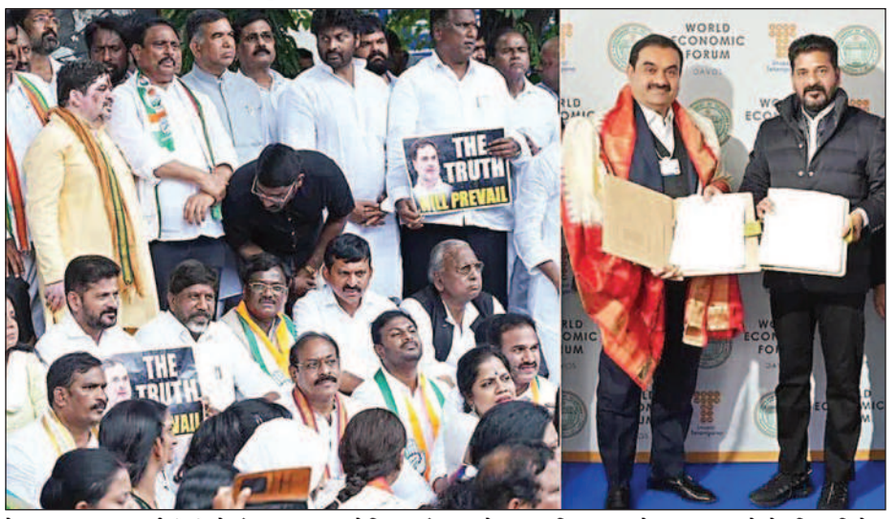

के अलावा, एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी और वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने विरोध प्रदर्शन में कहा कि इंडिया ब्लॉक ने इन आरोपों के खिलाफ संयुक्त संसदीय समिति की जांच पर भी जोर दिया था, लेकिन संसद को चार दिन पहले ही स्थगित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि अडानी, अंबानी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत गुजरात के सभी 4 लोग देश को लूट रहे हैं। कांग्रेस ने इन अनियमितताओं को लोगों के सामने उजागर करने के लिए विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

सीएम रेड्डी ने कहा कि हालांकि मैं मुख्यमंत्री हूं, लेकिन हाईकमान के आदेश का पालन करते हुए मैं किसी भी अन्य कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ता की तरह विरोध प्रदर्शन में भाग ले रहा हूं। कद चाहे जो भी हो, जब हाईकमान बुलाता है, तो विरोध करना ही पड़ता है। उन्होंने बीआरएस पर फसल ऋण माफी को लेकर किसानों को भड़काने का भी आरोप लगाया।

किसानों से यह पूछते हुए कि वे सड़कों पर विरोध प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कोई समस्या है तो उन्हें कलेक्टर या कृषि अधिकारियों से संपर्क करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पहले ही फसल ऋण माफी के लिए कृषि विभाग को 18,000 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों पर अधिकतम सीमा से अधिक ऋण है, उन्हें बैंकों को देय अतिरिक्त राशि का भुगतान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शेष राशि सरकार द्वारा माफ कर दी जाएगी। रेवंत रेड्डी ने कहा कि किसी को धरना क्यों देना चाहिए? जब सरकार उनकी बात नहीं सुनती तो लोगों को धरना या रास्ता रोको करना चाहिए।

हज हाउस के 'गार्डन व्यू' ब्लॉक का इस्तेमाल करने वाली निजी कंपनी पर विवाद

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। निजी समारोहों के लिए टेंट और फर्नीचर की आपूर्ति करने वाली एक निजी कंपनी द्वारा हज हाउस परिसर में स्थित 'गार्डन व्यू' इमारत का उपयोग किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया। हैदराबाद के नामपल्ली में हज हाउस के ठीक पीछे स्थित बहुमंजिला इमारत कई करोड़ रुपये की लागत से बनी है और कई सालों से इसका इस्तेमाल नहीं हो रहा है। अधिकारियों ने बार-बार घोषणा की है कि इसे काम में लाया जाएगा। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कुछ भी नहीं हुआ है।

इस मुद्दे में नवीनतम घटनाक्रम, जिसने विवाद को जन्म दिया है, वह है भवन के संरक्षक तेलंगाना वक्फ बोर्ड की एक निजी टेंट आपूर्ति करने वाली कंपनी के प्रति चुप्पी, जो इस भवन का उपयोग अपने गोदाम के रूप में कर रही है। पत्रकारों के एक समूह ने सजावट के लिए इस्तेमाल होने वाले

अलग-अलग सामानों से लदी एक ऑटो ट्रॉली को रोका जो 'गार्डन व्यू' बिल्डिंग की ओर जा रही थी। लोगों ने ऑटो ट्रॉली ड्राइवर से पूछताछ की, जिसने बताया कि उसे बिल्डिंग में सामान उतारने के लिए कहा गया था। कंपनी को हज यात्रा शिविर की व्यवस्था करने का काम सौंपा गया है, जो हर साल हज हाउस में अस्थायी तौर पर लगाया जाता है। शिविर के लिए जरूरी सामान इमारत में रखा जाता है और फिर हटा दिया जाता है। फिर भी, इस बार ऐसा नहीं हुआ और वहां केवल और अधिक सामान रखा जा रहा है। सामान की निगरानी और सुरक्षा के लिए वहां एक सुरक्षा गार्ड भी तैनात किया गया है। मुस्लिम सामाजिक-धार्मिक संगठन तेलंगाना वक्फ बोर्ड से भवन पर अवैध कब्जे की जांच करने तथा भवन के उचित उपयोग के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग करते हैं।

आईसीआरआईएसएटी की महानिदेशक सीएम से मिली

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अर्द्ध-शुष्क उष्ण कटिबंधों अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) की महानिदेशक डॉ. जैकलीन ह्यूजेस ने सचिवालय में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार मुलाकात की। सीएम ने जैकलीन को विभिन्न प्रकार की फसलों के लिए अधिक पैदावार देने वाली नई किस्मों पर शोध करने का सुझाव दिया। सीएम ने कहा कि अनुसंधान तेलंगाना में कृषि क्षेत्र के विकास के लिए उपयोगी हो। जैकलीन ने सीएम से संस्थान का

दौरा करने का अनुरोध किया। सीएम ने दौरा का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि अर्द्ध-शुष्क उष्ण कटिबंधों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) एक अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो एशिया, उप-सहारा अफ्रीका और अन्य शुष्क भूमियों में रहने वाले 2.1 बिलियन लोगों को प्रभावित करने वाली भूख, कुपोषण, गरीबी और पर्यावरणीय गिरावट की चुनौतियों का समाधान करने के लिए शुष्क भूमि खेती आदि की दिशा में कार्य करता है।

आंध्र प्रदेश हादसे की वजह बना तरल पदार्थ!

> अधिकारियों ने बताया किस वजह से गई 17 लोगों की जान

विशाखापट्टनम, 22 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में फार्मा कंपनी में हुए विस्फोट मामले में एक अधिकारी ने कहा है कि एक संदिग्ध तरल पदार्थ के लीक होने की वजह से हादसा हुआ। अनकापल्ली जिले की जिलाधिकारी विजया कृष्णन ने कहा है कि हादसे की असल वजह के बारे में अभी भी जांच चल रही है, लेकिन प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि फार्मा कंपनी में एक तरल पदार्थ लीक हुआ और पाइपों से वह इलेक्ट्रिक पैनल में फैल गया, जिसकी वजह से हादसा हुआ।

अधिकारियों ने बताया कैसे हुआ हादसा :

जिलाधिकारी ने बताया कि हादसे में मृतकों की संख्या 17 है और बुधवार के मुकाबले इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। गौरतलब

है कि मीडिया रिपोर्ट्स में कंपनी के रिएक्टर में विस्फोट होने की बात कही जा रही है। अब अधिकारियों ने बताया कि लीक तरल पदार्थ एक तल से दूसरे तल तक फैल गया, जिसकी वजह से विस्फोट हुआ। राज्य के उपमुख्यमंत्री कोनिडाला पवन कल्याण ने भी इसे लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा की है। हादसे में प्रभावित लोगों की त्वचा रसायन गिरने की वजह से बुरी तरह जल गई थी। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

घायलों से मिले सीएम चंद्रबाबू नायुडू

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने गुरुवार को हादसे में घायल लोगों से विशाखापट्टनम के अस्पताल में मुलाकात की। इस दौरान सीएम ने घायल कर्मचारियों से बात की और साथ ही डॉक्टर्स से भी चर्चा की। इसके बाद वह हादसे का शिकार हुई इसेंसिया एडवांस्ड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड भी गए और घटनास्थल का दौरा किया। बता दें कि इसी कंपनी में बुधवार को हुए हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई थी और 33 लोग घायल हुए थे।

कंपनी की शुरूआत साल 2019 में हुई थी और इस कंपनी में रसायनों और दवाईयों में इस्तेमाल होने वाले तत्वों (एपीआई) का उत्पादन किया जाता है। करीब 40 एकड़ इलाके में फैली यह कंपनी सेज में स्थित है और इसके लिए कंपनी ने 200 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

आंध्र प्रदेश में आज 13,326 पंचायतों में ग्राम सभाएं होंगी

अमरावती, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने आज कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान किए गए वादे के अनुसार वे 23 अगस्त को 13,326 गांवों में ग्राम सभाएं आयोजित करेंगे। पवन कल्याण ने कहा, इसके अनुसार, हम पंचायतों को समृद्ध बनाने के दीर्घकालिक उद्देश्य के साथ योजना के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित ग्राम पंचायतों के लोगों को गांवों में रोजगार गारंटी योजना के तहत किए जाने वाले विकास कार्यों पर प्रस्ताव पारित करने के लिए एक साथ आना चाहिए। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) के हिस्से के रूप में, 4,500 करोड़ रुपये के परिव्यय से गांवों में 87 प्रकार के कार्य किए जाएंगे। इसके जरिए नौ करोड़ मानव दिवस प्रदान करके कुल 54 लाख परिवारों को रोजगार देने की एक बड़ी योजना लागू की जाएगी। मंगलगिरी में अपने कैंप कार्यालय में गुरुवार को मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए पवन कल्याण ने कहा कि आंध्र प्रदेश देश का दूसरा राज्य है जिसने पंचायत प्रणाली शुरू की है और कहा कि 73वें संविधान संशोधन द्वारा पंचायतों को संवैधानिक दर्जा दिए जाने के बाद से तीन दशक से अधिक समय हो गया है पिछले तीन दशकों से, पंचायतों को राष्ट्रीय उत्सवों के आयोजन के लिए छोटी पंचायतों के लिए 100 रुपये और बड़ी पंचायतों के लिए 250 रुपये दिए जाते रहे हैं। अब हम जो पंचायत सुधार ला रहे हैं, उसके तहत हमने छोटी पंचायतों के लिए धनराशि बढ़ाकर 10,000 रुपये और बड़ी पंचायतों के लिए 25,000 रुपये कर दी है। उन्होंने कहा कि राज्य की सबसे अच्छी बात यह है कि हर गांव की अपनी विशिष्टता है। हमारे गांव कला, भोजन बनाने, वस्त्र और अन्य कलाकृतियों के लिए अद्वितीय हैं। विशाखापट्टनम जिले के आनंदपुरम में फूल प्रसिद्ध हैं। अराकू कॉफी की अराकू में विशेषता है। मंगलागिरी साड़ियां, सत्य साईं जिले में लेपाक्षी, बापटला में वेट्टापलेम गांव, कृष्णा जिले में चिलाकलापुडी और कोंडापल्ली हस्तशिल्प प्रसिद्ध हैं। हम निर्मित अद्वितीय उत्पादों और खाद्य पदार्थों का निर्यात करके धन सृजन के तरीके तलाशेंगे। युवाओं और महिलाओं को ग्राम सभाओं में बड़े पैमाने पर भाग लेना चाहिए। मैं चाहता हूं कि महिलाएं पंचायतों में अधिक भाग लें।

आयुक्त ने रचकोंडा आईटी सेल, एसओटी सीसीएस कार्यालयों का दौरा किया

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर सुधीर बाबू ने आज राचकोंडा आयुक्तालय में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के हिस्से के रूप में विभिन्न पुलिस विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रदर्शन और आम लोगों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की समीक्षा करने के लिए एलबी नगर में राचकोंडा आईटी सेल, एसओटी, सीसीएस कार्यालय परिसर का दौरा किया। इस अवसर पर आईटी सेल कार्यालय के कर्मचारियों से बात करते हुए, उन्होंने कई मामलों की जांच में तकनीकी साक्ष्य प्रदान करने के अलावा गश्त, ब्लू कोल्ट्स, 100 डायल जैसी आपातकालीन सेवाओं के कार्यान्वयन में आईटी सेल द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना की। राचकोंडा में शांति और सुरक्षा बनाए रखना। आईटी सेल कार्यालय में सोशल मीडिया और अन्य विभागों के कर्मचारियों के प्रदर्शन की समीक्षा की। यह सुझाव दिया गया है कि सीसीटीवी की आवश्यकता को अधिक प्रचारित किया जाना चाहिए और उनके प्रबंधन को मजबूत किया जाना चाहिए। प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और नई प्रक्रियाएं बनाने की सलाह दी जाती है ताकि पुलिस आपातकालीन स्थितियों में पीड़ितों तक अधिक तेज़ी से पहुंच सके। महिलाओं की सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है।

एसओटी कार्यालय का दौरा किया राचकोंडा क्षेत्र में नशीली दवाओं और कर्मचारियों से बात की। और मिलावटी बीजों की आपूर्ति करने वाले गिरोह को खत्म किया जाना चाहिए। सीसीएस कार्यालय का दौरा कर कर्मियों को कई निर्देश दिये। उन्होंने राचकोंडा क्षेत्र में चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह को पकड़ने और किसी भी चोरी की घटना को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने का आदेश दिया। यह सुझाव दिया गया है कि जब लोग घर पर न हों तो बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में अधिक प्रचार किया जाए। कार्यक्रम में एलबी नगर डीसीपी प्रवीण कुमार, एसओटी डीसीपी मुरलीधर, एसीपी आईटी सेल नरेंद्र गौड़, एसीपी रमेश और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे ने सामुदायिक मध्यस्थों के लिए प्रशिक्षण शुरू किया

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति आलोक अराधे ने गुरुवार को सुबह 9.30 बजे हैदराबाद के उच्च न्यायालय परिसर से निजामाबाद जिले में सामुदायिक मध्यस्थों (स्वयंसेवकों) के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल, न्यायाधीश, तेलंगाना राज्य के उच्च न्यायालय और तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष, न्यायमूर्ति के. सुरेंदर, न्यायाधीश, तेलंगाना राज्य के उच्च न्यायालय और निजामाबाद जिले के प्रशासनिक न्यायाधीश, न्यायमूर्ति जे. श्रीनिवास राव, न्यायाधीश, तेलंगाना राज्य के उच्च न्यायालय और कामारेड्डी जिले के प्रशासनिक न्यायाधीश उपस्थित थे। उक्त तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति डॉ. मोहम्मद शमीम, सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और गिरिबाला सिंह, सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हैं।

कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 9.30 बजे सुनीता कुंचला, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, डीएलएसए, निजामाबाद के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक समुदाय आधारित मंच प्रदान करता है। डॉ. सीएच.वी.आर.आर. वरप्रसाद, प्रधान। कामारेड्डी के जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, डीएलएसए ने कहा कि तेलंगाना राज्य के लिए उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल और टीएसएलएसए के कार्यकारी अध्यक्ष के निर्देशों का पालन करते हुए, हमने 65 सामुदायिक मध्यस्थ स्वयंसेवकों की पहचान की है, जिनमें कामारेड्डी उप-मंडल से 20, येल्लारेड्डी उप-मंडल से 17, बांसवाड़ा उप-मंडल से 12 और बिचकुंडा उप-मंडल से आठ हैं, और इनमें से 20 सामाजिक कार्यकर्ता, नौ वरिष्ठ नागरिक और आठ किसान है।

टीपीसीसी अध्यक्ष व मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टीविक्रमार्क, एआईसीसी प्रभारी दीपादास मुंशी, सलमान खुर्शीद, मंत्री श्रीधर बाबू, पोन्नम प्रभाकर, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने अदाणी घोटाले की जांच के लिए ईडी कार्यालय में याचिका दायर की।

एसीबी ने वेमुलावाड़ा मंदिर में किया निरीक्षण

राजन्ना-सिरसिल्ला, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने गुरुवार को यहां वेमुलावाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर का निरीक्षण किया। डीएसपी रामनमूर्ति, सीआई तिरुपति और कृष्ण कुमार के नेतृत्व में एसीबी टीम ने अन्नदान सत्रम, धर्मशाला, लड्डू निर्माण इकाई, गोदाम, लेखा परीक्षा अनुभाग और अन्य विभागों में जांच की और रिकॉर्ड की भी जांच की।

कलेक्टर शशांक एवं अपर कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने ई-ऑफिस का औपचारिक शुभारंभ किया

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर शशांक एवं अपर कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने गुरुवार को एकीकृत जिला कार्यालय भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में 'ई-ऑफिस' का औपचारिक शुभारंभ किया। इस 'ई-ऑफिस' के लॉन्चिंग कार्यक्रम में कलेक्टर ने कहा कि कलेक्टर कार्यालय में अब कोई कागजात और फाइलें नहीं हैं, सब कुछ इलेक्ट्रॉनिक है।

उन्होंने कहा कि उन्हें कृषि विभाग, मास्टर प्लानिंग विभाग, कार्यालय, पंचायत राज विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, एमए और यूडी एमईपीएमए, महिला बाल विकलांग और वरिष्ठ नागरिक विभाग, एससी विकास और डीआरडीए विभागों के साथ पहले चरण में गतिविधियां शुरू करने में खुशी हो रही है। अब से 8 विभागों की हर फाइल ऑनलाइन भेजी जाएगी। वहीं जिले के बाकी अधिकारी भी अगले तीन महीने के अंदर ई-ऑफिस लागू करना चाहते हैं। डीआईओ और एनआईसी अधिकारियों को तीन महीने की इस अवधि के भीतर समाहरणालय कार्यालय में प्रत्येक विभाग में ई-ऑफिस के कार्यान्वयन के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा उन्हें आवश्यक सभी प्रकार की तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के लिए पहल करने को कहा गया। इस क्रम में जिले के सभी विभागों के अधिकारियों और तकनीकी सहायकों को ऑनलाइन फाइलों के प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण पहले ही दिया जा चुका है। इसलिए अब से ई-ऑफिस कार्य प्रणाली में कोई कागजी काम नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि फाइलों के स्थानांतरण के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच विशेष बैठक या चर्चा की आवश्यकता नहीं है, केवल कंप्यूटर स्क्रीन पर फाइल को देखकर फोन पर संबंधित फाइलों पर चर्चा किए बिना ही फाइल मूविंग की जाएगी। प्रत्येक कर्मचारी को विशिष्ट आईडी और पासवर्ड का आवंटन किया गया है। उन्होंने कहा कि इन्हें संबंधित कर्मचारी व अधिकारी के मास्टर डाटा से जोड़ा जायेगा। उन्होंने कहा कि किसी को भी उस फाइल को कहीं भी गुम करने की कोई संभावना नहीं है। साथ ही अगर कर्मचारी के पास नेट कनेक्शन है तो वह घर से भी काम कर सकता है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान ई-ऑफिस प्रणाली उपलब्ध न होने पर घर से काम करने में उपयोगी होगी। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन सिस्टम में समय-समय पर उच्च अधिकारियों द्वारा फाइलों की स्थिति की जांच की जा सकती है, अधिकारी अपने मोबाइल फोन पर फाइल को ट्रैक कर सकते हैं, और यदि कहीं भी फाइल में देरी हो रही है, तो उन्हें इसका कारण उच्चाधिकारी को बताना होगा। इस विधि में फ़ाइल तेजी से चलती है। कोई भी अर्जेंट फाइल सहायक अनुभाग अधिकारी से लेकर कलेक्टर तक आधे घंटे के अंदर भेजी जा सकती है।

कविता फिर हुईं बीमार, दिल्ली एम्स में जांच

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता को एक बार फिर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करने के बाद मेडिकल जांच के लिए दिल्ली के एम्स ले जाया गया। सूत्रों ने बताया कि स्त्री रोग संबंधी समस्याओं और वायरल बुखार से पीड़ित कविता को तिहाड़ जेल के डॉक्टरों की सिफारिश पर अस्पताल लाया गया था, जहां वह वर्तमान में दिल्ली आबकारी नीति मामले के सिलसिले में बंद हैं। उनकी स्थिति का आकलन करने और आवश्यक उपचार प्रदान करने के लिए चिकित्सा जांच की गई। यह पहली बार नहीं है जब कविता को स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का सामना करना पड़ा है, इससे पहले कुछ सप्ताह पहले भी वायरल बुखार और रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव के बाद उन्हें इसी तरह के परीक्षण से गुजरना पड़ा था। स्थिति पर चिकित्सा पेशेवरों की कड़ी निगरानी बनी हुई है। कविता करीब 160 दिनों से न्यायिक हिरासत में हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने हाल ही में उनकी हिरासत अवधि 2 सितंबर तक बढ़ा दी है, जबकि सुप्रीम कोर्ट में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई 27 अगस्त को होगी।

महिलाओं के लिए रात्रिकालीन निशुल्क परिवहन सेवा नहीं

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने एक सार्वजनिक सलाह जारी की है, जिसमें निवासियों से सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी प्रसारित करने से सावधान रहने का आग्रह किया गया है। यह देर रात के समय महिलाओं के लिए मुफ़्त सवारी सेवा के बारे में एक झूठे दावे के बाद आया है, जिसे ऑनलाइन व्यापक रूप से साझा किया गया था। वायरल पोस्ट में दावा किया गया है कि रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच अकेली महिलाएं हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करके घर तक मुफ्त पुलिस वाहन की सवारी का अनुरोध कर सकती हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.